राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर, उ. प्र.

स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम

सेमेस्टरवार प्रश्नपत्र

विषय : हिन्दी

प्रो० शैलेन्द्र नाथ मिश्र
संयोजक
हिंदी अध्ययन मंडल (B.O.S.)
अध्यक्ष, हिंदी-विभाग,
(श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोंडा)
माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर, उ. प्र.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर, उत्तर प्रदेश

स्नातक के सत्रवार पाठ्यक्रम

विषय : हिंदी

(सत्र : 2025-26 से प्रभावी)

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड		प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयो०	क्रेडिट
बी. ए. प्रथम वर्ष	प्रथम	A010101T		हिंदी काव्य	लिखित	6
बी. ए. प्रथम वर्ष	द्वितीय	A010201T		हिंदी साहित्य का इतिहास	लिखित	6
बी.ए.द्वितीय वर्ष	तृतीय	A010301T		हिंदी गद्य	लिखित	6
बी.ए.द्वितीय वर्ष	चतुर्थ	A010401T		कार्यालयी हिंदी एवं कंप्यूटर	लिखित	6
बी. ए. द्वितीय वर्ष	चतुर्थ	A010402R		शोध परियोजना (इलेक्टिव)	परियोजना कार्य	3
बी. ए. तृतीय वर्ष	पंचम	A010501T		साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना	लिखित	5
बी. ए. तृतीय वर्ष	पंचम	वैकल्पिक	A010502T	हिंदी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	5
			A010503T	भारतीय साहित्य		
			A010504T	देवीपाटन मंडल का हिंदी साहित्य		
बी. ए. तृतीय वर्ष	षष्ठ	A010601T		भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि	लिखित	5
बी. ए. तृतीय वर्ष	षष्ठ	वैकल्पिक	A010602T	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	लिखित	5
			A010603T	हिंदी में रचनात्मक कौशल		
			A010604T	भाषा प्रौद्योगिकी का परिचय (SWAYAM) पोर्टल पर उपलब्ध		

माइनर इलेक्टिव (चयनित पाठ्यक्रम)

वर्ष	सेमेस्टर		कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयो०	क्रेडिट
बी. ए. प्रथम वर्ष	वैकल्पिक	प्रथम	A010101T(ME)	हिंदी काव्य और काव्यशास्त्र	लिखित	6
			A010102T(ME)	हिंदी साहित्य का इतिहास तथा भाषा विज्ञान		
बी. ए.द्वितीय वर्ष	वैकल्पिक	तृतीय	A010301T(ME)	हिंदी गद्य	लिखित	6
			A010302T(ME)	हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी		

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर, उत्तर प्रदेश

बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष तथा एम. ए. द्वितीय वर्ष के सत्रवार पाठ्यक्रम

विषय : हिंदी

(सत्र : 2025-26 से प्रभावी)

कक्षा (वर्ष)	सेमेस्टर	कोर्स कोड		प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयो०	क्रेडिट
बी.ए. IV / एम.ए. I	सप्तम		A010701T	भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी अनुसंधान	लिखित	4
बी.ए. IV / एम.ए. I	सप्तम		A010702T	हिंदी की विचार-संपदा	लिखित	4
बी.ए. IV / एम.ए. I	सप्तम		A010703T	अवधी साहित्य	लिखित	4
बी.ए. IV / एम.ए. I	सप्तम		A010704T	हिंदी में अस्मिता विमर्श	लिखित	4
बी.ए. IV / एम.ए. I	सप्तम	वैकल्पिक (कोई एक)	A010705T	साहित्य का अंतर्विषयक अध्ययन	लिखित	4
			A010706R	भारतीय साहित्य में राम अथवा	शोध परियोजना	
			A010707R	अवध की ज्ञान परंपरा		
बी.ए. IV / एम.ए. I	अष्टम		A010801T	हिंदी साहित्येतिहास दर्शन	लिखित	4
बी.ए. IV / एम.ए. I	अष्टम		A010802T	हिंदी पत्रकारिता प्रशिक्षण	लिखित	4
बी.ए. IV / एम.ए. I	अष्टम		A010803T	हिंदी का ज्ञान साहित्य	लिखित	4
बी.ए. IV / एम.ए. I	अष्टम		A010804T	हिंदी का वैश्विक परिदृश्य	लिखित	4
बी.ए. IV / एम.ए. I	अष्टम	वैकल्पिक (कोई एक)	A010805T	साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन	लिखित	4
			A010806R	डिजिटल हिंदी : पत्रकारिता एवं साहित्य अथवा	शोध परियोजना	
			A010807R	साहित्य की प्रायोगिकी		

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर, उत्तर प्रदेश

एम. ए. द्वितीय वर्ष के सत्रवार पाठ्यक्रम

विषय : हिंदी (सत्र : 2025-26 से प्रभावी)

कक्षा	सेमेस्टर	कोर्स कोड		प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयो०	क्रेडिट
एम.ए. II	तृतीय		A010901T	हिंदी काव्य (आदिकाल से रीतिकाल तक)	लिखित	4
एम.ए. II	तृतीय		A010902T	हिंदी गद्य का इतिहास एवं विधाएं (उपन्यास, कहानी, नाटक)	लिखित	4
एम.ए. II	तृतीय	वैकल्पिक (कोई एक)	A010903T	विशेष अध्ययन : कबीरदास	लिखित	4
			A010904T	विशेष अध्ययन : जायसी		
			A010905T	विशेष अध्ययन : सूरदास		
			A010906T	विशेष अध्ययन : तुलसीदास		
			A010907T	विशेष अध्ययन : जयशंकर प्रसाद		
			A010908T	विशेष अध्ययन : निराला		
			A010909T	विशेष अध्ययन : अज्ञेय		
			A010910T	विशेष अध्ययन : मुक्तिबोध		
			A010911T	विशेष अध्ययन : प्रेमचंद		
			A010912T	विशेष अध्ययन : रामचंद्र शुक्ल		
			A010913T	विशेष अध्ययन : हजारी प्रसाद द्विवेदी		
			A010914T	हिंदी की प्रयोजनीयता (सिनेमा अध्ययन)		
			A010915T	हिंदी की प्रयोजनीयता (रंगमंच विज्ञान)		
			A010916T	हिंदी की प्रयोजनीयता (मीडिया लेखन)		
एम.ए. II	तृतीय	वैकल्पिक (कोई एक)	A010917T	भारतीय साहित्यशास्त्र	लिखित	4
			A010918T	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	लिखित	
			A010919T	हिंदी आलोचनाशास्त्र	लिखित	
एम.ए. II	तृतीय	वैकल्पिक (कोई एक)	A010920R	भाषा विज्ञान	**शोध परियोजना**	4
			A010921R	हिंदी भाषा और नागरी लिपि		
			A010922R	प्रयोजनमूलक हिंदी		
एम.ए. II	चतुर्थ		A011001T	हिंदी काव्य (आधुनिक काल से समकालीन तक)	लिखित	4
एम.ए. II	चतुर्थ		A011002T	हिंदी गद्य का इतिहास एवं विधाएं (निबंध एवं अन्य)	लिखित	4
एम.ए. II	चतुर्थ		A011003T	हिंदी काव्य का इतिहास	लिखित	4
एम.ए. II	चतुर्थ	वैकल्पिक (कोई एक)	A011004T	भारतीय साहित्य	लिखित	4
			A011005T	प्रवासी हिंदी साहित्य	लिखित	
			A011006T	लोक साहित्य	लिखित	
एम.ए. II	चतुर्थ		A011007R	लघु शोध प्रबंध	**शोध परियोजना**	4

निर्देश :

1. यह पाठ्यक्रम बी.ए. में हिन्दी का मुख्य (मेजर) विषय के रूप में चयन करने वाले सभी विद्यार्थियों के लिए है ।
2. बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में परियोजना कार्य के अंतर्गत शोध परियोजना विद्यार्थियों द्वारा दोनों मुख्य विषयों में से किसी एक में करना होगा।
3. बी.ए. तृतीय वर्ष में पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर के पहले प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे तथा दूसरे प्रश्नपत्रों के लिए विकल्प की सुविधा दी गयी है ।

सामान्य परिणाम (General Outcome)

- विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य एवं भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा ।
- साहित्य के मूलभूत स्वरूप, यथा विभिन्न विधाओं, हिन्दी के रोज़गारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी ।
- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा ।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा ।
- 'प्रयोजनमूलक हिन्दी' तथा 'हिन्दी में रचनात्मक कौशल' जैसे पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को समय और समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा ।

पाठ्यक्रम-विशेषीकृत परिणाम (PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES)

- बी.ए. प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर में **'हिन्दी काव्य'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी भाषा एवं साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में भारत में हिन्दी-पूर्व भाषा और साहित्य की परम्परा से विद्यार्थियों को अवगत कराना ।
- बी.ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर के अन्तर्गत **'हिन्दी साहित्य का इतिहास'** प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को एक हजार वर्ष से भी अधिक के हिन्दी साहित्य के इतिहास के बारे में ज्ञान कराना। प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण इस प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विभिन्न कालखण्डों के नामकरण के आधार, उनकी परिस्थितियों विशेष में लिखे गये साहित्य, उस साहित्य के वर्गीकरण तथा उसकी प्रवृत्तियों के बारे में ज्ञान कराकर विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य को समझने की एक दृष्टि प्रदान करना ।

- बी.ए. द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर के '**हिन्दी गद्य**' प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उनमें हिन्दी की भिन्न-भिन्न गद्य विधाओं की चयनित प्रतिनिधि रचनाओं- नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानियाँ, निबंध आदि के अध्ययन के द्वारा साहित्य के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करना तथा आलोचकीय विवेक पैदा करना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इनके लेखन के प्रति प्रेरित हो सकें ।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर के '**कार्यालयी हिंदी व कंप्यूटर**' प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से अवगत कराते हुए कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक करने में सक्षम हो सकें एवं उन्हें अनुवाद तथा कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर इन क्षेत्रों में रोज़गार की सम्भावनाओं से अवगत कराना ।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर में विद्यार्थियों को अपने दोनों मुख्य विषयों में से किसी एक में **शोध परियोजना** का चयन करवाकर विद्यार्थियों में शोध क्षमता का विकास करना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष, पंचम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र '**साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना**' के अंतर्गत विद्यार्थी को साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और विषय क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना । कतिपय प्रमुख हिन्दी आलोचकों के अध्ययन के माध्यम से हिन्दी आलोचना की स्थिति से भी उन्हें अवगत कराना ।
- बी.ए. तृतीय वर्ष, पंचम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र के विकल्प में '**हिंदी का राष्ट्रीय काव्य**' रखा गया है जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय चेतना को अभिव्यक्ति देने वाले कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें हिन्दी कविता की सामर्थ्य, हिन्दी कवियों की समय सजगता, राष्ट्रीयता बोध तथा उनकी कविताओं की प्रभावात्मकता के बारे में ज्ञान कराना ।
- इसी पत्र के विकल्प रूप में रखे गये '**भारतीय साहित्य**' प्रश्नपत्र के द्वारा हिन्दी के विद्यार्थियों को भारत, भारतीयता और भारतीय साहित्य के स्वरूप एवं उनके बीच के पारस्परिक अन्तर्सम्बन्धों से अवगत कराते हुए भारतीय साहित्य की कुछ प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन करवाना, जिससे वे हिन्दीतर भाषाओं में लिखे जा रहे साहित्य और उसके माध्यम से विविधता में एकता की विशेषता रखने वाले भारतीय समाज, संस्कृति तथा भारतवासियों में भारतीयता को पुष्ट करने वाली भावनाओं से परिचित हो सकें और उनमें भारतीयता का बोध और गहरा हो सके ।

- बी.ए. तृतीय वर्ष, पंचम सेमेस्टर में वैकल्पिक प्रश्नपत्र के अंतर्गत **देवी पाटन मंडल का साहित्य** के अध्ययन से विद्यार्थी को रचनात्मक समृद्धि एवं विरासत से परिचित कराकर सृजनशील बनाना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष, षष्ठ सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र '**भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि**' के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना ।
- बी.ए. तृतीय वर्ष, षष्ठ सेमेस्टर के द्वितीय वैकल्पिक प्रश्नपत्र '**लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति**' के अंतर्गत विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से परिचित कराना तथा हिन्दी लोक साहित्य के विविध आयामों के साथ-साथ क्षेत्रीय बोलियों यथा अवधी, भोजपुरी आदि लोक साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का ज्ञान कराना ।
- इसी प्रश्नपत्र के विकल्प के रूप में सम्मिलित '**हिन्दी में रचनात्मक कौशल**' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को भाषिक सामर्थ्य, मंचीय कौशल, आलेख रचना, व्यावहारिक लेखन, समाचार-लेखन, साक्षात्कार-कौशल, विज्ञापन लेखन, पटकथा लेखन जैसे कौशलों का ज्ञान कराते हुए उन्हें अधिक रोजगारक्षम बनाना।
- इस प्रश्नपत्र के विकल्प रूप में सम्मिलित **'भाषा प्रोद्योगिकी का परिचय'** स्वयं पोर्टल से चुनकर विद्यार्थी पढ़ सकेंगे तथा उक्त के अंतर्गत परीक्षा देकर उत्तीर्ण प्रमाण पत्र द्वारा क्रेडिट का समायोजन करा सकेंगे । भाषा प्रोद्योगिकी की गतिमान प्रविधियों से विद्यार्थियों को अवगत कराकर उन्हें समय की आसन्न चुनौतियों के लिए तैयार करना इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है ।

माइनर इलेक्टिव निर्देश :-

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के निर्देशों के अन्तर्गत यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिये तैयार किया गया है जो किसी अन्य संकाय/विषय के विद्यार्थी होंगे, परन्तु कला संकाय से हिन्दी को सहायक (माइनर) विषय के रूप में चुनेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम को स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रथम दो वर्षों के विषम सेमेस्टर हेतु तैयार किया गया है ।
- हिन्दी विषय का माइनर इलेक्टिव के रूप में चयन करने वाले विद्यार्थियों को उक्त चार में से दो प्रश्नपत्र पढ़ने होंगे । प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेस्टर के लिये निर्धारित दोनों प्रश्नपत्रों में से विद्यार्थी किसी भी एक माइनर पेपर का अध्ययन करेंगे । इसी तरह द्वितीय वर्ष के तृतीय सेमेस्टर में वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में से किसी एक का अध्ययन विद्यार्थियों को करना होगा ।

इस प्रकार प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में मात्र दो माइनर प्रश्नपत्रों का अध्ययन ही विद्यार्थियों को इन चार प्रश्नपत्रों में से करना होगा ।

- इस पाठ्यक्रम को इस प्रकार से तैयार किया गया है कि विद्यार्थियों को साहित्य का आस्वाद भी प्राप्त हो सके और वे प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाले सामान्य हिन्दी के प्रश्नों की तैयारी भी कर सकें ।
- हिन्दी का प्रत्येक माइनर प्रश्नपत्र छह क्रेडिट का होगा जिसके लिये नब्बे कक्षाएँ निर्धारित होंगी ।

कक्षा	बी. ए. - प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : I
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010101T	**पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी काव्य**	
पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes): हिन्दी भाषा और साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में भारत में अति प्राचीनकाल से चली आ रही साहित्य लेखन की परम्परा से विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं का रसास्वादन कराकर हिन्दी कविता की विशेषताओं और सामर्थ्य से उन्हें परिचित कराना ।		
क्रेडिट : 6	**पूर्णांक: 25+75=100**	**उत्तीर्णांक : 10+30-40**
कुल व्याख्यान संख्या- 90; प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल-प्रयोगात्मक घण्टे: 6-0-0 अथवा 4-2-0 इत्यादि		

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या
I	**साहित्य की भारतीय परंपरा और हिन्दी भाषा तथा साहित्य :** हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि - संस्कृत, पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश; साहित्य लेखन की भारतीय परंपरा और हिन्दी साहित्य, हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ, हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि, हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण ।	12
II	**आदिकालीन कवि :** **क. गोरखनाथ :** (गोरखबानी; संपादक - पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल) सबदी संख्या- 2, 4, 7, 8, 16 तथा पद राग रामश्री - 10, 11 आलोचना के बिन्दु - भारतीय समाज संस्कृति को गोरखनाथ की देन, गोरखनाथ की कविता । **ख. अमीर खुसरो :** (अमीर खुसरो व्यक्तित्व और कृतित्व - डॉ.परमानन्द पांचाल) कव्वाली-घ (1), गीत- ड (4),दोहे - च (पृ. 86), 05 दोहे- गोरी सोवे, खुसरो रैन,	12

	देख मैं, चकवा चकवी, सेज सूनी । आलोचना के बिन्दु - अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय, अमीर खुसरो का काव्यगत - वैशिष्ट्य ।	
III	**भक्तिकालीन निर्गुण कवि:** **क. कबीरदास** (कबीरदास, संपादक - श्यामसुंदर दास) गुरुदेव को अंग- 01, 06, 11, 17, 20 तथा विरह को अंग 04, 10, 12, 20, 331 आलोचना के बिन्दु- कबीर की भक्ति, कबीर का समाज दर्शन । **ख. मलिक मुहम्मद जायसी :** पद्मावत (मलिक मुहम्मद जायसी संपादक आ. रामचन्द्र शुक्ल) मानसरोदक खंड; दोहा चौपाई संख्या 01 से 06 तक। आलोचना के बिन्दु - जायसी का काव्य-सौष्ठव; पद्मावत की प्रेम व्यंजना; पठित काव्यांश का प्रतिपाद्य ।	10
IV	**भक्तिकालीन सगुण कवि:** **क. सूरदास :** (भ्रमरगीत सार; संपादक -आ. रामचन्द्र शुक्ल) पद संख्या- 07, 21, 23, 24, 26 आलोचना के बिन्दु - सूर की भक्ति, सूरदास का विरह वर्णन । **ख. तुलसीदास :** श्रीरामचरितमानस; गीता प्रेस, गोरखपुर अयोध्याकाण्ड, दोहा संख्या- 28 से 41 आलोचना के बिन्दु तुलसी का समन्वयवाद, भक्ति भावना, काव्यगत विशेषताएँ	12
V	**रीतिकालीन कवि:** **क. बिहारीलाल :** (बिहारी रत्नाकर; संपादक जगन्नाथदास रत्नाकर) दोहा संख्या- 1, 2, 5, 6, 7, 15, 19, 20, 21, 25, 32, 381	11

	आलोचना के बिन्दु - बिहारी रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि, बिहारी की कविताओं में गागर में सागर। **ख. घनानन्द :** (घनानन्द कवित्त; संपादक- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) छंद संख्या- 1 से 7 तक आलोचना के बिन्दु - रीतिमुक्त काव्यधारा और घनानन्दः घनानन्द का प्रेम-वर्णन	
VI	**आधुनिककालीन कवि:** **क. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध :** कर्मवीर, जन्मभूमि । आलोचना के बिन्दु हरिऔध की काव्यगत विशेषताएँ : पठित कविताओं का प्रतिपाद्य एवं वैशिष्ट्य । **ख. मैथिलीशरण गुप्त :** भारत भारती (शिक्षा की अवस्था) । आलोचना के बिन्दु- काव्यगत विशेषताएँ, राष्ट्रीय चेतना	10
VII	**छायावादी कवि :** **क. जयशंकर प्रसाद :** बीती विभावरी जाग री; पेशोला की प्रतिध्वनि । आलोचना: जयशंकर प्रसाद और छायावाद, जयशंकर प्रसाद का काव्य-वैभव । **ख. सुमित्रानन्दन पंत :** मौन निमंत्रण, नौका विहार। आलोचना के बिन्दु - छायावाद तथा सुमित्रानन्दन पंत, पंत का प्रकृति चित्रण, पठित कविताओं का प्रतिपाद्य और समीक्षा।	12
VIII	**प्रगतिवादी-प्रयोगवादी कवि :** **क. मुक्तिबोध :** विचार आते हैं; मुझे हर कदम पर चौराहे मिलते हैं। आलोचना के बिन्दु - मुक्तिबोध की काव्य-संवेदना, आधुनिक कवियों में मुक्तिबोध का स्थान ।	11

	ख. अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की। आलोचना के बिन्दु - प्रयोगवाद और अज्ञेय, अज्ञेय की काव्यगत विशेषताएँ; पठित कविताओं का प्रतिपाद्य और वैशिष्ट्य ।	

<u>अध्ययन के लिये सहायक ग्रन्थ :</u>

1. डॉ.उदयराज सिंह, नाथ पंथ और गोरखबानी, आर्यावर्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली, 2010
2. रामकुमार वर्मा, संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
4. रामकुमार वर्मा, कबीर का रहस्यवाद, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1941
5. रामलाल वर्मा, जायसी व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979
6. मुंशीलाल पाठक, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद
7. मुंशीलाल शर्मा, सूरदास और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
8. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
9. नन्ददुलारे वाजपेयी, सूर संदर्भ, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
10. रामनरेश त्रिपाठी, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग-1), हिन्दी मंदिर, प्रयाग, 1937
11. राजपति दीक्षित, तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
12. किशोरीलाल, घनानन्द काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद
13. गिरिश, गिरिजादत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932
14. डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन 2008
15. राजेन्द्र सिंह गौड़, आधुनिक कवियों की काव्य साधना, श्रीराम मेहता एंड संस, आगरा, 1953
16. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
17. शम्भूनाथ सिंह, छायावाद युग, सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी 1962

18. नंददुलारे वाजपेयी, जयशंकर प्रसाद, लीडर प्रेस, इलाहाबाद

19. डॉ. नगेन्द्र, सुमित्रानंदन पन्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1962

20. रमेश शर्मा, पन्त की काव्य साधना, साहित्य निकेतन, कानपुर

21. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

22. रामस्वरूप चतुर्वेदी, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

23. नंदकिशोर नवल, मुक्तिबोध, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली

24. डॉ. हंसराज त्रिपाठी, आत्मसंघर्ष की कविता और मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़

25. अज्ञेय, दूसरा सप्तक, प्रगति प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माला, 1951

कक्षा	बी. ए. - प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : II

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A010201T	पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes):

यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास की जानकारी प्रदान करने के लिये तैयार किया गया है। किसी विषय के सम्यक बोध के लिये उसके इतिहास का अध्ययन बड़ा सहायक होता है । अतः इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी विभिन्न कालखण्डों की विभिन्न परिस्थितियों में लिखे गये हिन्दी साहित्य के विकास क्रम से अवगत हो सकेंगे और युग विशेष में रचित साहित्य तथा उसकी प्रवृत्तियों को भी समझ सकेंगे । प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की दृष्टि से भी यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को विशेष सहायक होगा ।

क्रेडिट : 6	पूर्णांक: 25+75=100	उत्तीर्णांक : 10+30-40

कुल व्याख्यान संख्या- 90; प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल-प्रयोगात्मक घण्टे: 6-0-0 अथवा 4-2-0 इत्यादि

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या
I	**आदिकाल:** आदिकाल का नामकरण तथा सीमांकन, आदिकाल की परिस्थितियाँ, आदिकाल का साहित्य (जैन साहित्य, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य तथा लौकिक साहित्य) आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ ।	12
II	**भक्तिकाल:** भक्तिकाल के उदय की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ; भक्तिकालीन साहित्य का वर्गीकरण; निर्गुण सगुण काव्यधाराओं (ज्ञानाश्रयी, प्रेमाश्रयी, कृष्णाश्रयी तथा रामाश्रयी) का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ । भक्ति-साहित्य और लोक-जागरण ।	12
III	**रीतिकाल :**	12

	रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं नामकरण; रीतिकालीन प्रमुख काव्यधाराओं-रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ, भूषण एवं वीररसात्मक कविता	
IV	**आधुनिक काल :** आधुनिकता से अभिप्रायः आधुनिक काल की पृष्ठभूमि तथा प्रवृत्तियाँ: हिन्दी नवजागरण एवं भारतेन्दु युग, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की बहुआयामिता एवं विशेषताएँ, हिन्दी भाषा एवं साहित्य को आ. महावीर प्रसाद विवेदी का योगदान; द्विवेदीयुगीन साहित्य का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।	11
V	**छायावाद:** छायावाद की पृष्ठभूमि ; नामकरण एवं साहित्य; नवजागरण एवं छायावाद, प्रवृत्तियाँ एवं अवदान, छायावादी काव्यभाषा।	10
VI	**छायावादोत्तर काव्य :** राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवादःनामकरण, परिचय एवं प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद : अभिप्राय एवं विशेषताएँ, नयी कविता परिचय तथा प्रवृत्तियाँ; समकालीन कविता का वैविध्य एवं विशेषताएँ।	10
VII	**हिन्दी गद्य का विकास :** नाटक, कहानी, उपन्यास, एकांकी, निबंध, जीवनी, संस्मरण तथा आत्मकथा का उद्भव और विकास। हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।	12
VIII	**हिन्दी साहित्य में शोध:** शोध का अर्थ और क्षेत्र, शोध के प्रकार, शोधार्थी की योग्यता (अर्हता), हिन्दी शोध की स्थिति, हिन्दी भाषा और साहित्य में शोध की संभावनाएँ।	11

अध्ययन के लिये सहायक ग्रन्थ :

1. डॉ.नगेन्द्र, (संपा.), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976

2. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996

3. रामचन्द्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019

4. रामचन्द्र तिवारी, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992

5. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019

6. नामवर सिंह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011

7. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961, तृतीय संस्करण

8. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940

9. डॉ.हरिश्चन्द्र वर्मा शोध प्रविधि, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।

10.विनयमोहन शर्मा, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2018 |

11.एस.एन.गणेशन; अनुसन्धान प्रविधि सिद्धान्त और प्रक्रिया; लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

<table>
<tr><td>कक्षा</td><td colspan="2">बी. ए. - द्वितीय वर्ष</td><td>सेमेस्टर : III</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम कोड A010301T</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी गद्य</td></tr>
<tr><td colspan="4">पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes):
इस प्रश्नपत्र का विषय क्षेत्र हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी की कुछ प्रतिनिधि गद्य रचनाओं का अध्ययन करवाना है । इससे हिन्दी गद्य के अध्ययन, लेखन तथा आलोचना के प्रति उनकी रुचि विकसित होगी । गद्य साहित्य के पठन-पाठन की समुचित रीति को समझकर उनमें आलोचकीय विवेक उत्पन्न होगा और रचनाओं में अन्तर्निहित जीवन</td></tr>
</table>

मूल्यों से जुड़कर वे हिन्दी साहित्य की महत्ता को समझ सकेंगे। लेखन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को इस पत्र से विशेष लाभ प्राप्त होगा ।

क्रेडिट : 6	**पूर्णांक: 25+75= 100**	**उत्तीर्णांक : 10+30-40**

कुल व्याख्यान संख्या- 90; प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल-प्रयोगात्मक घण्टे: 6-0-0 अथवा 4-2-0 इत्यादि

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या
I	**हिन्दी गद्य का विकास:** भारत में गद्य-लेखन की परंपरा, हिन्दी गद्य की पृष्ठभूमि एवं विकास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल के संदर्भ में); आधुनिक काल में हिन्दी का प्रारम्भिक गद्य; आधुनिककालीन परिस्थितियों का हिन्दी गद्य के विकास में योगदान; हिन्दी गद्य के प्रारम्भिक उन्नयन में प्रमुख व्यक्तियों एवं संस्थाओं की भूमिका, 19वीं सदी में हिन्दी गद्य-लेखन के विविध आयाम, हिन्दी गद्य के विकास में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका ।	12
II	**हिन्दी नाटक एवं एकांकी :** नाटक : ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद आलोचना के बिन्दु : जयशंकर प्रसाद की नाट्यकला; नाटक के तत्त्वों के आधार पर ध्रुवस्वामिनी' की समीक्षा ध्रुवस्वामिनी' में इतिहास, कल्पना और आधुनिक संवेदना, ध्रुवस्वामिनी' का चरित्र चित्रण । एकांकी : औरंगजेब की आखिरी रात - रामकुमार वर्मा आलोचना के बिन्दु : एकांकी के तत्वों के आधार पर 'औरंगजेब की आखिरी रात एकांकी की समीक्षा, एकांकी का प्रतिपाद्य ।	12
III	**हिन्दी उपन्यास :** गबन - प्रेमचंद	12

	आलोचना के बिन्दु : प्रेमचंद की उपन्यास-कला; उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'गबन' की समीक्षा, 'गबन के नायक-नायिका का चारित्रिक वैशिष्ट्य; 'गबन उपन्यास का उद्देश्य और प्रासंगिकता।	
IV	**हिन्दी कहानी-1** आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद हार की जीत - सुदर्शन आलोचना के बिन्दु : कहानी के तत्त्वों के आधार पर आकाशदीप' तथा 'हार की जीत' कहानियों की समीक्षा। पठित कहानियों के कथानक का सार तथा विशेषताएँ। जयशंकर प्रसाद तथा सुदर्शन की कहानी कला की विशेषताएँ।	10
V	**हिन्दी कहानी-2 :** लाल पान की बेगम - फणीश्वरनाथ रेणु पिता - ज्ञानरंजन आलोचना के बिन्दु : कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'लाल पान की बेगम' तथा 'पिता' कहानियों की समीक्षा । पठित कहानियों के कथानक का सार तथा विशेषताएँ। फणीश्वरनाथ रेणु एवं ज्ञानरंजन की कहानी-कला की विशेषताएँ।	10
VI	**निबंध-1 :** मजदूरी और प्रेम - सरदार पूर्णसिंह करुणा - रामचन्द्र शुक्ल पठित निबंधों की आलोचना के बिन्दु : 'मजदूरी और प्रेम' निबंध का प्रतिपाद्य तथा समीक्षा, हिन्दी निबंध और आ. रामचन्द्र शुक्ल; 'करुणा' निबंध का प्रतिपाद्य।	11
VII	**निबंध-2 :** देवदारु - हजारीप्रसाद द्विवेदी	11

	मेरे राम का मुकुट भीग रहा है - विद्यानिवास मिश्र पठित निबंधों की आलोचना : ललित निबंधकार के रूप में आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी का स्थान; 'देवदारु' की समीक्षा, विद्यानिवास मिश्र की निबंध शैली की विशेषताएँ, 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' का सारांश और समीक्षा।	
VIII	**हिन्दी की नवीन गद्य विधाएँ :** जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत, डायरी, व्यंग्य, पत्र साहित्य, संस्मरण तथा साक्षात्कार विधाओं का स्वरूपगत परिचय।	12

<u>अध्ययन के लिये सहायक ग्रन्थ :</u>

1. रामचंद्र तिवारी, हिंदी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007 |

2. बच्चन सिंह, आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019 |

3. रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992

4. रामचंद्र तिवारी, हिंदी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019 |

5. नामवर सिंह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018।

6. रामस्वरूप चतुर्वेदी, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018 |

7. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन 1975 |

8. सोमनाथ गुप्ता, हिंदी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्रा चंद्र नारंग, इलाहाबाद तीसरा संस्करण, 1951

9. डॉ. दशरथ ओझा, हिंदी नाटक उद्भव एवं विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली।

10. गिरीश रस्तोगी, हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद।

11. सत्यवती त्रिपाठी, आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

12. सिद्धनाथ कुमार, हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद।

13. डॉ. रामचरण महेंद्र, हिन्दी एकांकी और एकांकीकार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

कक्षा	**बी.ए.- द्वितीय वर्ष**	**सेमेस्टर : IV**
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010401T	COURSE TITTE: **कार्यालयी हिंदी एवं कंप्यूटर**	
पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes): हिंदी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यो की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यो को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कंप्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने में सक्षम बनाना जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त हो सके।		
क्रेडिट : 6	**पूर्णांक: 25+75 = 100**	**उत्तीर्णांक : 10+30= 40**
कुल व्याख्यान संख्या- 90; प्रति सप्ताह घण्टे : 6-0-0		

इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों की संख्या**
I	**कार्यालयी हिंदी का स्वरुप, उद्देश्य एवं क्षेत्र :** कार्यालयी हिंदी की संकल्पना उद्देश्य एवं क्षेत्र कार्यालयी हिंदी तथा सामान्य हिंदी का सम्बन्ध कार्यालयी हिंदी की संभावनाएं कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी	11
II	**कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली :** शब्दावली निर्माण के सिद्धांत कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम पदनाम, संबोधन आदि, प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली	12
III	**कार्यालयी हिन्दी पत्राचार:**	12

	आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञाप विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति	
IV	**प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन एवं प्रतिवेदन :** प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	11
V	**हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकासक्रम :** कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य	11
VI	**हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी:**	11

	इन्टरनेट और हिन्दी, ई मेल हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट हिन्दी से सम्बन्धित विभिन्न वेबसाइटें सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	
VII	**हिन्दी भाषा और ई शिक्षण :** इन्टरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ इन्टरनेट पर उपलब्ध दृश्य श्रृव्य सामग्री ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई पुस्तकालय सामग्री सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं	11
VIII	**(अ) हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष और हिन्दी साहित्य में शोधः** हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉण्ट यूनिकोड स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी हिन्दी पी.पी.टी. स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण **(ब) हिन्दी साहित्य में शोध** शोध के प्रकार (परिकल्पना परीक्षण और परिकल्पना उत्पादन), शोध के चरण, साहित्यिक शोध का उद्देश्य	11

<u>अध्ययन के लिये सहायक ग्रन्थ :</u>

1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली, 1963

2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991

3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली

4. गोदरे, डॉ.विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली,2009

5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण

6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

7. भाटिया, कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2005

8. जैन, डॉ.संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल

9. मल्होत्रा, विजयकुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

10.गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली

11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

13. शर्मा, पी.के.,कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली

14. संजय द्विवेदी (संपा.), सोशल नेटवर्किंग नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली

15. शुक्ल सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन्स, दिल्ली

16. कुमार सुरेश, इन्टरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

17. श्रीवास्तव गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन,नयी दिल्ली

18. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली

कक्षा	बी.ए.- द्‌वितीय वर्ष	सेमेस्टर : IV
विषय : हिन्दी		
पाठ्‌यक्रम कोड : A010402R	COURSE TITLE: **शोध परियोजना (वैकल्पिक)**	
पाठ्‌यक्रम परिणाम (Course outcomes): शोध परियोजना के द्‌वारा विद्‌यार्थियों में शोध-प्रविधि के ज्ञान के साथ ही उसके अनुप्रयोग की समझ विकसित होगी, जिसका जीवन के अनेक क्षेत्रों में रचनात्मक उपयोग किया जा सकेगा।		
क्रेडिट : 3	**पूर्णांक:** 25+75 = 100	**उत्तीर्णांक :** 10+30= 40
निर्देश : विद्‌यार्थी को उक्त सेमेस्टर में दो मुख्य विषयों में से किसी एक में शोध परियोजना का कार्य विभाग द्‌वारा आवंटित विषय पर किसी विभागीय प्राध्यापक के निर्देशन में करना होगा और विद्‌यार्थी शोध-प्रविधि के अनुरूप न्यूनतम 8000 शब्दों में कार्य कर विभाग में जमा करेगा, जिसका मूल्यांकन आंतरिक और बाहय परीक्षक द्‌वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा ।		

अनुसंधेय विषय :

- आदिकाल से आधुनिक काल तक किसी साहित्यिक कृति अथवा साहित्यकार पर आधारित
- किसी अलक्षित एवं महत्वपूर्ण खोज पर आधारित
- किसी अप्रकाशित रचनात्मक पाण्डुलिपि
- डाक टिकट जारी किए गए साहित्य एवं साहित्यकार
- ज्ञानपीठ, साहित्य अकादमी, केंद्रीय हिंदी संस्थान, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, कथा यू.के., पहल सम्मान आदि सम्मान प्राप्त कथाकृति एवं कथाकार इत्यादि
- अनूदित रचनाएँ
- साहित्यशास्त्र तथा भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा/लिपि विषयक
- लोक साहित्य एवं संस्कृति से संबंधित
- समकालीन हिंदी साहित्य
- हिंदीतर क्षेत्रों का हिंदी साहित्य
- प्रवासी हिंदी साहित्य
- हिंदी के समकालीन विमर्श
- हिंदी आलोचना
- हिंदी साहित्य का इतिहास
- अंतर्जाल पर उपलब्ध साहित्य
- हिंदी रंगमंच और फिल्म निर्माण
- धारावाहिक लेखन
- साहित्याध्यात्म
- इत्यादि

<table>
<tr><td colspan="2">कक्षा</td><td colspan="2">बी.ए. - तृतीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर : V</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010501T</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक : साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना</td></tr>
<tr><td colspan="6">पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes):
साहित्य को सम्यक रूप से समझकर उसका रसास्वादन करने अथवा उसकी समीक्षा करने में सक्षम होने के लिये साहित्यशास्त्र का ज्ञान अत्यावश्यक है । इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी न केवल भारतीय और पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की प्रमुख सैद्धान्तिकी को समझ सकेंगे अपितु हिन्दी के कतिपय प्रमुख आलोचकों तथा उनकी आलोचना-पद्धतियों को जानकर आलोचकीय विवेक भी अपने भीतर पैदा कर सकेगे । हिन्दी आलोचना के विकास तथा उसकी प्रमुख पद्धतियों से भी वे अवगत हो सकेगे ।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 05</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75 = 100</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 10+30= 40</td></tr>
<tr><td colspan="6">कुल व्याख्यान संख्या- 75; प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल प्रयोगात्मक घण्टे 6-0-0 अथवा 4-2-0 इत्यादि</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">काव्य का स्वरूप :
काव्य-लक्षण; काव्य-प्रयोजन; काव्य हेतु</td><td>9</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="4">काव्य-वैशिष्ट्य :
काव्यरूप; काव्यगुण; काव्यदोषः शब्दशक्तियाँ- अभिधा, लक्षणा तथा व्यंजना।</td><td>9</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="4">काव्य के सिद्धांत-1:
रस, ध्वनि तथा अलंकार सिद्धांतों का परिचय ।</td><td>10</td></tr>
<tr><td>IV</td><td colspan="4">काव्य के सिद्धांत-2:
रीति, सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत तथा औचित्य सिद्धांत का परिचय</td><td>10</td></tr>
</table>

V	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र :** प्लेटो और अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत लोंजाइनस का औदात्य सिद्धान्त आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य और संप्रेषण का सिद्धांत टी. एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	9
VI	**पाश्चात्य समीक्षा की प्रमुख मान्यताएँ :** यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद । प्रतीक, बिम्ब, कल्पना और फैंटेसी का परिचय ।	9
VII	**हिन्दी आलोचना:** हिन्दी आलोचना का विकास । हिन्दी आलोचना की विविध पद्धतियाँ - सैद्धान्तिक, व्यावहारिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक ।	10
VIII	**हिन्दी आलोचक :** निम्नलिखित आलोचकों एवं उनके आलोचना कर्म के वैशिष्ट्य का परिचय - क. आ. रामचन्द्र शुक्ल ख. डॉ.नन्ददुलारे बाजपेयी ग. आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी घ. डॉ. रामविलास शर्मा	9

<u>अध्ययन के लिये सहायक ग्रन्थ :</u>

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002

2. नंदकिशोर नवल, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981

3. बच्चन सिंह, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ 1987

4. भगीरथ मिश्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988

5. भगीरथ मिश्र काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

6. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

7. डॉ. रामचन्द तिवारी, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010

8. निर्मला जैन, पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1990

<table>
<tr><th colspan="2">कक्षा</th><th>बी.ए. - तृतीय वर्ष</th><th colspan="2">सेमेस्टर :V</th></tr>
<tr><td colspan="5">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010502T (वैकल्पिक)</td><td colspan="2">COURSE TITTE : हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य</td></tr>
<tr><td colspan="5">पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes):
हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 5</td><td>पूर्णांक: 25+75 = 100</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 10+30= 40</td></tr>
<tr><td colspan="5">Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 5:0:0 Etc.</td></tr>
<tr><th>इकाई</th><th colspan="3">विषयवस्तु</th><th>व्याख्यानों की संख्या</th></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="3">वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य :
चंदबरदाई: पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज,
जगनिक: आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां --------- भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे - लड़िहैं खूब बीर मलखान)</td><td>09</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="3">भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य :</td><td>09</td></tr>
</table>

	गुरु गोविन्द सिंह: देह शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की **भूषण :** इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखें, दारुन दहत हरनाकुस बिदारिबे कों	
III	**भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य :** **भारतेंदु हरिश्चंद्र :** उन्नतचितआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै **अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' :** कर्मवीर, जन्मभूमि **मैथिलीशरण गुप्त :** आर्य, मातृभूमि	09
IV	**छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य :** **जयशंकर प्रसाद :** प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** : भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार **माखनलाल चतुर्वेदी :** पुष्प की अभिलाषा, जवानी **सुभद्रा कुमारी चौहान :** वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी	09
V	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य :** **बालकृष्ण शर्मा नवीन :** कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है। **रामधारी सिंह 'दिनकर :** शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय **श्यामलाल गुप्त 'पार्षद'** : झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI	**समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण :** **श्याम नारायण पाण्डेय :** चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार	10

	द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी : उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो **गोपाल प्रसाद व्यास :** खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	
VII	**समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरण:** **सोहन लाल द्विवेदी :** मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में) **अटल बिहारी वाजपेयी :** कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें **डॉ.रमेश पोखरियाल 'निशंक' :** मातृ वंदना, हम भारतवासी	10
VIII	**हिन्दी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्यः** **कवि प्रदीप :** आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है (किस्मत 1943) **कवि प्रदीप :** ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आँख में भर लो पानी (गैर फ़िल्मी) **कवि प्रदीप :** हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के (जाग्रति-1954) **कवि प्रदीप :** आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झांकी हिंदुस्तान की (जाग्रति- 1954) **साहिर लुधियानवी :** ये देश है वीर जवानों का (नया दौर-1957) **प्रेम धवन :** छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी (हम हिन्दुस्तानी- 1961) **नीरज :** ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला-1961) **कैफ़ी आज़मी :** कर चले हम फ़िदा जाने तन साथियों (हकीकत 1964) **राजेन्द्र कृष्ण** : जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा (फ़िल्म- सिकंदर आज़म 1965) **गुलशन बावरा :** मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार: 1967) **इन्दीवर** : है प्रीत जहाँ की रीत सदा (पूरब और पश्चिम 1971) **प्रसून जोशी :** देस रंगीला रंगीला देस म्हारा रंगीला (फ़ना-2006)	10
सेशनल अथवा सत्रीय परीक्षा (प्रायोगिक कार्य) : सत्रीय परीक्षा में विद्यार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा देनी होगी,		

जसके अंतर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित फिल्मों में से कोई एक फिल्म देखकर उसकी समीक्षा तथा उसमें वर्णित सन्देश परियोजना कार्य के रूप में आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा -

आनंदमठ

हकीक़त

उपकार

शहीद

गाँधी

उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक

केसरी

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. तिवारी, उदयनारायण, बीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005वि.

2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रासो, मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण, सन 1906.

3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017

4. कुमुद, अयोध्याप्रसाद गुप्त, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014

5. आल्हखण्ड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम

6. श्यामसुंदरदास (संपा.), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण

7. सिंह, डॉ. महीप, गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, सन 1969, प्रथम संस्करण

8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017

9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010 वि.

10. ब्रजरत्न दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी

11. गिरीश, गिरिजदत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932

12.पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन 2008

13.व्यास, विनोद शंकर (संपा.), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो,वाराणसी

14. वाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, लीडर प्रेस, इलाहाबाद

15. बिसारिया, डॉ.पुनीत, भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2014

16. अरुण, डॉ.योगेन्द्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल, बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि 'निशंक', अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2020

17. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली,2007

18. kavitakosh.org

19. epustakalay.com

20. ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India)

21. hindigeetmala.net

<table>
<tr><td colspan="2">कक्षा</td><td colspan="2">बी. ए. - तृतीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर :V</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010503T (वैकल्पिक)</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक : भारतीय साहित्य</td></tr>
<tr><td colspan="6">पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes):
भारत बहुभाषा भाषी देश है, किंतु भारत की विभिन्न संस्कृतियों में एक प्रकार की सूत्रबद्धता है । तदनुसार भारतीय भाषाओं और साहित्य में भी समानता के बहुत से बिन्दु मिलते हैं । इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी उनसे परिचित हो सकेंगे और हिन्दी के साथ ही भारत की अन्य भाषाओं में लिखे जा रहे साहित्य से अवगत हो सकेंगे । बहुभाषी भारत में एक-दूसरे की समाज-संस्कृति को समझने तथा भावात्मक एकता का अनुभव करने के लिए भिन्न-भिन्न भाषाओं में लिखा जा रहा साहित्य एक अच्छा माध्यम है । इसके अध्ययन से आगे चलकर वे भारत की विभिन्न भाषाओं तथा साहित्य के अध्ययन के प्रति प्रेरित होंगे ।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 05</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75 = 100</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 10+30= 40</td></tr>
<tr><td colspan="6">कुल व्याख्यान संख्या- 75; प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल प्रयोगात्मक घण्टे 5-0-0 अथवा 3-2-0 इत्यादि</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">सैद्धांतिकी:
भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप; भारत की बहुभाषिकता और भारतीय साहित्य; भारतीय साहित्य की परम्परा, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं भारतीय साहित्य में एकतामूलक तत्व; भारतीय साहित्य में आधुनिक भारत का बिम्ब</td><td>10</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="4">उपन्यास :
पाठ्य उपन्यास शव काटने वाला आदमी - येथे दोरजी थोछी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली (मूल असमिया से अनुवाद- मुनीन्द्र मिश्र)</td><td>10</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="4">' शव काटने वाला आदमी' उपन्यास की आलोचना :</td><td>10</td></tr>
</table>

	'शव काटने वाला आदमी' उपन्यास की समीक्षा, 'शव काटने वाला आदमी' में चित्रित समाज, संस्कृति तथा धर्म, 'शव काटने वाला आदमी' की कथा संवेदना; 'शव काटने वाला आदमी उपन्यास में युगबोध; येशे दोरजी थोछी का साहित्यिक परिचय।	
IV	**कहानियां-1 :** **उड़िया :** पढ़ी-लिखी बहू- फकीर मोहन सेनापति **मणिपुरी :** मणियों की खान लमाबम वीरमणि **कहानियों की आलोचना :** कहानी कला की दृष्टि से पठित कहानियों की समीक्षा तथा कथा-संवेदना का वैशिष्ट्य।	9
V	**कहानियां-2 :** **मराठी :** मेरा नाम- शंकरराव खरात **न्यीशी :** उई मोक प्रस्तुतिः डॉ. जमुना बीनी 'तादर' (अरुणाचल प्रदेश की न्यीशी जनजाति की लोककथा) **कहानियों की आलोचना :** कहानी कला की दृष्टि से पठित कहानियों की समीक्षा तथा कथा - संवेदना का वैशिष्ट्य।	9
VI	**कविताएँ-1:** **क. तमिल :** नाचेंगे हम - सुब्रह्मण्यम भारती **ख. तेलगु :** जन्मभूमि - रायप्रोलु वेंकट सुब्बाराव **ग. मलयालम :** महान दीवार पर- के. सच्चिदानंदन **आलोचना के बिन्दु:** कवियों का साहित्यिक परिचय तथा पठित कविताओं का प्रतिपाद्य एवं वैशिष्ट्य।	9
VII	**कविताएँ-2 :**	9

	क. संस्कृत : पत्र-मंजूषा - राधावल्लभ त्रिपाठी **ख. बांग्ला :** जहाँ चित्त भय शून्य रवीन्द्र नाथ ठाकुर **ग. उर्दू :** आज दुनिया पे रात भारी है- रघुपतिसहाय फिराक **आलोचना के बिन्दु :** कवियों का साहित्यिक परिचय तथा पठित कविताओं का प्रतिपाद्य एवं वैशिष्ट्य	
VIII	**कविताएँ-3 :** **क. डोगरी :** डोगरी-पदमा सचदेव **ख.पंजाबी :** वारिसशाह से अमृता प्रीतम **ग. गुजराती:** वर दे इतना; छोटा मेरा खेत उमाशंकर जोशी **आलोचना के बिन्दु :** कवियों का साहित्यिक परिचय तथा पठित कविताओं का प्रतिपाद्य एवं काव्य-सौंदर्य ।	9
(इकाई 6, 7, 8 में चयनित कविताओं के लिए पाठ्यपुस्तक - आधुनिक भारतीय कविता; सम्पादक अवधेश नारायण मिश्र, नन्द किशोर पाण्डेय; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)		

<u>सहायक ग्रन्थ :</u>

1. डॉ.रामविलास शर्मा भारतीय साहित्य की भूमिका; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2. मूलचंद गौतम, भारतीय साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

3. डॉ. आरसु, भारतीय साहित्य आशा और आस्था; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

4. रामविलास शर्मा, भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

5. डॉ. नगेंद्र (संपा.); भारतीय साहित्य; प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

6. केशवचन्द्र वर्मा, भारतीयता की पहचान; लोक भारती प्रकाशन, दिल्ली।

7. के. सच्चिदानन्द; भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्थापनाएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

<table>
<tr><td colspan="2">कक्षा</td><td colspan="2">बी. ए. - तृतीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर : V</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010504T (वैकल्पिक)</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक :
देवीपाटन मंडल का हिंदी साहित्य</td></tr>
<tr><td colspan="6">पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes):
इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को गोडा, बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती जनपद की रचनात्मक समृद्धि और विरासत का ज्ञान होगा। वे मंडलीय साहित्य-संवेदना के विकास से परिचित हो सकेंगे, जिससे नयी पीढ़ी सृजनोन्मुख हो सकेगी।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 05</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75 = 100</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 10+30= 40</td></tr>
<tr><td colspan="6">कुल व्याख्यान संख्या- 75; प्रति सप्ताह 5-0-0 घण्टे</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">• देवी पाटन मंडल : साहित्यिक-सांस्कृतिक परंपरा
• देवी पाटन मंडल : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल)
• देवी पाटन मंडल का समकालीन हिंदी साहित्य
• देवी पाटन मंडल की साहित्यिक पत्रकारिता</td><td>10</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="4">महाकाव्य परंपरा :
गोस्वामी तुलसीदास – श्रीरामचरितमानस , महात्मा बनादास – उभय प्रबोधक रामायण , हीरा सिंह 'मधुर'- शांति सरोवर , बाबू नानकचंद निश्चिंत- कामदेव, ऋषिराम तिवारी 'सरल' इत्यादि
खंडकाव्य परंपरा :</td><td>10</td></tr>
</table>

	डॉ. सूर्यपाल सिंह – रात साक्षी है , शिवाकांत मिश्र 'विद्रोही' - वीरभद्र इत्यादि **संप्रदाय के प्रवर्तक -** स्वामी नारायण : जीवन यात्रा, जैन एवं बौद्ध परंपरा	
III	**कविताएँ - एक** • गोस्वामी तुलसीदास – 'रामलला नहछू' • महात्मा बनादास – 'उभय प्रबोधक रामायण'- सं० डॉ.भगवती प्रसाद सिंह व्याख्या के लिए निर्धारित अंश : प्रथम - गुरु खंड से (१) बिंदु, (गोस्वामी तुलसीदास की गुरु रूप में वंदना, दैन्य निवेदन तथा तुलसी के कृतित्व की महिमा) • संत तुलसीदास - 'हनुमान चालीसा' • कवि रक्षाराम – ' नारी का उढारी..', 'आपन तो मुँह चारि रच्यो' • बाबू जगन्नाथ प्रसाद श्रीवास्तव – गीत : आजादी के प्रति • देवी प्रसाद 'राही' – कविता - तुम्हारे मौन का मैं अर्थ क्या समझूँ' • पंडित राम प्रकट मणि 'अनन्य' – गीत : देशगीत	10
IV	**कविताएँ – दो** • अटल बिहारी वाजपेयी – गीत : 'गीत नया गाता हूँ' • अदम गोंडवी – गजल : 'भूख के एहसास को शेरो-सुखन तक ले चलो' • सतीश आर्य – कविता : 'कैसे करूँ बात नयनों से' • शिवाकांत मिश्र 'विद्रोही' – नवगीत : 'रोटी है तो दाल नहीं है' शीर्षक गीत • राधा कृष्ण शुक्ल 'पथिक' – गीत : 'क्या-क्या नहीं हमने किया' • शान्ति प्रसाद मिश्र 'मधुकर' – गीत : 'धन पर जो बिक जाता हो प्रिय' • सत्यव्रत सिंह – दोहा : 'सहस्र दल' दोहा संग्रह से प्रारंभ के 10 दोहे	9

	• अवनीन्द्र नाथ मिश्र 'विनोद' - बाल साहित्य : विज्ञान, पानी (कविता)	
V	**गद्य :** • बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन' – निबंध : समय • गंगा प्रसाद श्रीवास्तव - व्यंग्य : आप भी 'ओ' हैं • महेन्द्र नाथ पाण्डेय – निबंध : परंपरा पर एक कवायद दूसरी परंपरा • उपन्यास परंपरा- डॉ. सूर्यपाल सिंह – कोमल की डायरी, पूर्वापर प्र०, गोंडा अखिलेश मयंक- लखनऊ डोमेनियर्स, प्रथम पब्लिशर लखनऊ, शशांक भारतीय – उपन्यास : देहाती लड़के, हिन्दयुग्म प्र० • कहानी परंपरा- राजेश ओझा- कनेर के फूल, श्वेतवर्णा प्रकाशन, प्रदीप मिश्र- नीम सूख रहा है, समदर्शी प्रकाशन • आलोचना की परंपरा - डॉ. छोटे लाल दीक्षित, डॉ. शिवनारायण शुक्ल, डॉ. प्रभाकर मिश्र, डॉ. बजरंग बिहारी तिवारी • साहित्यिक पत्रकारिता - 'कल के लिए' : संपादक - जय नारायण बुधवार, 'पूर्वापर'- संपादक - डॉ. सूर्यपाल सिंह इत्यादि • इंटरनेट पर उपलब्ध एवं लोकप्रिय साहित्यकार – सुरेन्द्र विमल, पारसनाथ भ्रमर, प्रो. पी.सी.गिरि, प्रो. चंद्रेश्वर, अरुण प्रकाश पाण्डेय, अनिल गौड़, देवनाथ द्विवेदी, डॉ. दिनेश त्रिपाठी, मनोज मिश्र कप्तान, राजेश मलिक, वेदमित्र शुक्ल, डॉ. संत शरण त्रिपाठी 'संत', स्व. चंडीदत्त शुक्ल, पंडित रामकरण मिश्र 'सैलानी', विजय मिश्र इत्यादि	9
निर्देश : परीक्षा में इकाई - III एवं IV से व्याख्याएं पूछी जाएँगी एवं शेष से आलोचनात्मक प्रश्न।		

सहायक ग्रन्थ :

1. गोंडा : अतीत एवं वर्तमान - डॉ. जगदेव सिंह
2. स्वतंत्रता संग्राम में गोंडा जनपद का योगदान - संपादक - डॉ. भगवती प्रसाद सिंह
3. गोंडा जनपद का इतिहास और उसकी विद्वत परंपरा - डॉ. श्री नारायण तिवारी, टाइम्स प०, दिल्ली

4. बलरामपुर जनपद के कवि और शायर – डॉ. शिव नारायण शुक्ल, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या
5. उत्तर प्रदेश का स्वतंत्रता संग्राम – गोंडा, डॉ. निशा गहलौत, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. उभय प्रबोधक रामायण - सं० भगवती प्रसाद सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. डॉ० छोटे लाल दीक्षित का साहित्यिक अवदान - प्रतीति पाण्डेय, प्रज्ञा शोध संस्थान, गोंडा
8. परम्परा बनाम परम्परा - महेन्द्र नाथ पाण्डेय, ए.एस.आर. पब्लिकेशन, गाजियाबाद
9. सूर्यपाल सिंह का सृजन – सं० - बजरंग बिहारी तिवारी एवं शैलेन्द्र नाथ मिश्र, टाइम्स प०, दिल्ली
10. महुआ वृक्ष तले - सतीश आर्य, अनुभव प्रकाशन, दिल्ली
11. पाटल और पलाश - आई टी०आई मनकापुर प्रकाशन

कक्षा	**बी. ए. - तृतीय वर्ष**	**सेमेस्टर: VI**
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010601T	**पाठ्यक्रम शीर्षक :** **भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि**	
पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes): यह प्रश्नपत्र बहुउद्देश्यीय है । इसके अध्ययन से विद्यार्थी भाषा, भाषा विज्ञान तथा देवनागरी लिपि के बारे में जान सकेंगे । इससे उन्हें भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी । विद्यार्थी हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित तो हो ही सकेंगे, क्षेत्रीय लोकभाषाओं के रूप में अवधी अथवा भोजपुरी के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।		
क्रेडिट : 05	**पूर्णांक: 25+75 = 100**	**उत्तीर्णांक : 10+30= 40**
कुल व्याख्यान संख्या- 75; प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल प्रयोगात्मक घण्टे 5-0-0 अथवा 5-2-0 इत्यादि		

इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों की संख्या**
I	**भाषा एवं भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय :** **भाषा :** परिभाषा और स्वरूप, भाषा और बोली ।	10

	भाषाविज्ञान : परिभाषा, क्षेत्र, शाखाएँ, भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक ।	
II	**ध्वनि विज्ञान और अर्थ विज्ञान :** **ध्वनि विज्ञान :** हिन्दी की ध्वनियों का वर्गीकरण; ध्वनि परिवर्तन के कारण; ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ । **अर्थ विज्ञान :** शब्द और अर्थ का सम्बंध, अर्थ- परिवर्तन के कारण; अर्थ- परिवर्तन की दिशाएँ ।	10
III	**रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान :** **रूप विज्ञान :** रूपिम की अवधारणा और प्रकार; पद- सम्बन्धी रूप परिवर्तन के कारण । **वाक्य विज्ञान :** वाक्य की परिभाषा; वाक्य के अंग; वाक्यों के प्रकार ।	9
IV	**हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास :** हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति, हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि । हिन्दी के विविध रूप डिंगल पिंगल, अवहट्ट; पुरानी हिन्दी, हिंदवी, दक्खिनी, ब्रजबुली, रेख्ता, उर्दू, भाखा, हिंदुस्तानी आदि ।	9
V	**हिन्दी की शब्द सम्पदा :** तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, भारतीय भाषाओं से आगत शब्द आदि । हिन्दी का मानकीकरण ।	9
VI	**हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय :** पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी पहाड़ी हिन्दी राजस्थानी हिन्दी	10

	बिहारी हिन्दी	
VII	**देवनागरी लिपि :** नामकरण; उद्भव और विकास; विशेषताएं; समस्याएँ एवं सुधार ।	9
VIII	**क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन :** भोजपुरी का विकास क्रम भोजपुरी का क्षेत्र भोजपुरी की विशेषताएँ **अथवा** अवधी का विकास क्रम अवधी का क्षेत्र अवधी की विशेषताएँ	9

<u>सहायक ग्रन्थ :</u>

1. आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नयी दिल्ली, 1972

2. कपिलदेव द्विवेदी, भाषा-विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980

3. डॉ. रामकिशोर शर्मा, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994

4. भोलानाथ तिवारी, हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014

5. सत्यनारायण त्रिपाठी, हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 1981

6. राजमणि शर्मा, हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014

7. भोलानाथ तिवारी, भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1999

8. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दुस्तानी अकेडमी, प्रयाग, 1951

9. हरदेव बाहरी, हिन्दी उद्भव, विकास और रूप, किताबमहल, इलाहाबाद, 42 वाँ संस्करण, 2018

कक्षा	बी. ए. – तृतीय वर्ष	सेमेस्टर : VI
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010602T **(वैकल्पिक)**	**COURSE TITTE :** **लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति**	
पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes): भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना ।		
क्रेडिट : 5	**पूर्णांक: 25+75 = 100**	**उत्तीर्णांक : 10+30= 40**
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0		

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या
I	**लोक साहित्य का सामान्य परिचय :** लोक साहित्य परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण,	09
II	**लोक साहित्यऔर शिष्ट साहित्य :** लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध	09
III	**लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता :** लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	09
IV	**लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन :** लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व ।	09
V	**लोक साहित्य की विविध विधाएँ :** लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	09
VI	**लोक का प्रकीर्ण साहित्य :**	10

	लोकोक्तियाँ, मुहावरे एवं पहेलियाँ परंपरा एवं महत्त्व	
VII	**हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रम:** हिंदी का लोक माहित्य, इतिहासः अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिंदी का लोक साहित्य और बोलियाँ	10
VIII	**हिंदी के विभिन्न क्षेत्रीय (आंचलिक) लोक साहित्य का परिचय :** (इस इकाई में सम्बन्धित विश्वविद्यालय /संस्था अपनी सुविधानुसार आंचलिक लोक साहित्य के बारे में अध्ययन कराएंगे)	10

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973

2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973

3. सक्सेना, डॉ. उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007

4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957

5. सुमन, रामनाथ, संपादक, सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010

6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता, प्रकाशन केंद्र,लखनऊ, 2019

7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्य सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971

8. यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली,2018

9. बिसारिया, डॉ.पुनीत एवं यादव, डॉ.वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009

10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971

11. बिसारिया, डॉ.पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017

12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली काव्य धारा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019

13. उपाध्याय,कृष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949

14. सत्येन्द्र, ब्रज की लोक कहानियां, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा

15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा

16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007

<table>
<tr><td colspan="2">कक्षा</td><td colspan="2">बी. ए. तृतीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर: VI</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010603T (वैकल्पिक)</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक :
हिन्दी में रचनात्मक कौशल</td></tr>
<tr><td colspan="6">पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes):
सामाजिक, व्यवसायिक, कार्यालयी तथा शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के भाषा-कौशल में निखार लाना । विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं एवं साक्षात्कार हेतु आत्मविश्वास उत्पन्न करना । विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल विकसित करना । भाषा-ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना ।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 05</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75 = 100</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 10+30= 40</td></tr>
<tr><td colspan="6">कुल व्याख्यान संख्या- 75; प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल प्रयोगात्मक घण्टे 5-0-0 अथवा 3-2-0 इत्यादि</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">भाषा-सामर्थ्य :
सामान्य एवं तकनीकी शब्द, सुनना और बोलना - प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, वार्तालाप-कुशलता; स्वाध्याय और उद्देश्यकेन्द्रित पाठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन । हिन्दी में रोजगार की संभावनाएँ।</td><td>09</td></tr>
</table>

II	**मंचीय कौशल :** भाषण, स्वागत भाषण, विषय प्रवर्तन, अध्यक्षीय वक्तव्य, मंच संचालन तथा धन्यवाद-ज्ञापन	09
III	**आलेख-रचना :** सभा-संगोष्ठियों हेतु शोध-पत्र तैयार करना; पत्र-पत्रिकाओं के लिये आलेख रचना (लेख, शोधालेख, समीक्षा, पत्र लेखन, स्तम्भ लेखन आदि), डाइरी-लेखन की महत्ता एवं विधि; आकाशवाणी एवं दूरदर्शन हेतु वार्ता, साक्षात्कार एवं परिचर्चा तैयार करने की विधियाँ ।	09
IV	**व्यवहारिक लेखन :** सूचना; संदेश; कार्यवृत्त; कार्यसूची; प्रतिवेदन; आत्मविवरण; आवेदन पत्र तथा ई-मेल लेखन ।	09
V	**समाचार-लेखन :** समाचार : परिभाषा और स्वरूप समाचार के माध्यम; समाचार-लेखन; समाचार-सम्पादन; समाचार प्रस्तुति; समाचार के विभिन्न स्रोत; समाचार-संकलन तथा प्रेषण; समाचार-एजेंसियाँ ।	09
VI	**साक्षात्कार-कौशल :** साक्षात्कार का अर्थ, महत्व एवं विशेषताएँ साक्षात्कार के प्रकार; साक्षात्कारकर्ता की योग्यता एवं गुण, साक्षात्कार हेतु की जाने वाली तैयारी तथा साधन; मीडिया में साक्षात्कार की विशेषताएँ । नौकरी हेतु साक्षात्कार की तैयारी।	10
VII	**विज्ञापन-लेखन :** विज्ञापन : अर्थ व परिभाषा, विज्ञापन का महत्व, विज्ञापन के विविध माध्यम तथा विज्ञापन की भाषा का स्वरूप ।	10

VIII	**पटकथा-लेखन :** पटकथा का अर्थ और परिभाषा, कथा और पटकथा का अन्तर, पटकथा लेखन के क्षेत्र, पटकथा से संवाद का संबंध और संवाद-लेखन । पटकथा के फिल्मांकन की तकनीक ।	10

<u>अध्ययन के लिये प्रस्तावित सहायक ग्रन्थ :</u>

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राष्ट्रभाषा हिन्दी समस्याएँ और समाधान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. शैलेन्द्र सेंगर, मीडिया लेखन और सम्पादन, आविष्कार प्रकाशन, दिल्ली ।

3. डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, संचार माध्यम तकनीक और लेखन, श्याम प्रकाशन, जयपुर ।

4. गोपीनाथ श्रीवास्तव, सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

5. असगर वजाहत / प्रेमरंजन, टेलीविजन लेखन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

6. सिद्धनाथ कुमार; रेडियो वार्ता शिल्प, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

7. सिद्धनाथ कुमार, रेडियो नाटक की कला, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

8. रमेश गौतम : रचनात्मक लेखन, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली ।

9. दंगल झाल्टे, प्रयोगजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

सहायक चयनित (Minor Elective) पाठ्यक्रम

कक्षा	बी. ए. - प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : प्रथम
विषय: हिन्दी (माइनर)		

पाठ्यक्रम कोड : A010101T(ME) (वैकल्पिक)	**पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी काव्य और काव्यशास्त्र**

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes):

विद्यार्थियों को प्राचीन और नवीन कतिपय प्रतिनिधि हिन्दी कवियों और उनकी कविताओं का ज्ञान कराना जिससे वे हिन्दी कविता की सामान्य विशेषताओं को समझ सकें और उनमें हिन्दी कविता के और भी अध्ययन के प्रति रुचि विकसित हो सके । हिन्दी की स्थानीय उपभाषाओं अवधी अथवा भोजपुरी की कुछ चयनित काव्य-रचनाओं के अध्ययन के साथ ही भारतीय काव्यशास्त्र के भी ऐसे उपयोगी तत्त्वों के बारे में सामान्य जानकारी प्रदान करना, जो प्रतियोगी परीक्षाओं में उनके काम आ सकें।

क्रेडिट : 6	**पूर्णांक : 25+75 = 100**	**उत्तीर्णांक : 40**
कुल व्याख्यान संख्या – 90 घंटे		

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या
I	**भक्तिकालीन-काव्य :** **क. कबीरदास:** (कबीरदास, संपादक - श्यामसुंदर दास) गुरुदेव को अंग- 01, 06, 11, 17, 20 तथा विरह को अंग-04, 10, 12, 20, 33 **आलोचना के बिन्दु-** कबीर की भक्ति, कबीर का समाज दर्शन **ख. तुलसीदास :** श्रीरामचरितमानस; गीता प्रेस, गोरखपुर अयोध्याकाण्ड, दोहा संख्या- 28 से 41 आलोचना - तुलसी का समन्वयवाद, काव्यगत विशेषताएँ	15
II	**रीतिकालीन काव्य :** **क. बिहारीलाल :** बिहारी रत्नाकर, संपादक - जगन्नाथदास रत्नाकर दोहा संख्या- 1, 2, 5, 6, 7, 15, 19, 20, 21, 25, 32, 38 आलोचना के बिन्दु : बिहारी-रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि, बिहारी की कविताओं में गागर में सागर। **ख. घनानन्द :** (घनानन्द कवित्त; संपादक-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) छंद संख्या- 1 से 7 तक आलोचना के बिन्दु- रीतिमुक्त काव्यधारा और घनानन्द, घनानन्द का प्रेम-वर्णन	15

III	**छायावादी काव्य :** **क. जयशंकर प्रसाद :** बीती विभावरी जाग री; पेशोला की प्रतिध्वनि । आलोचना : जयशंकर प्रसाद और छायावाद, जयशंकर प्रसाद का काव्य-वैभव । **ख. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** : जागो फिर एक बार-2; वर दे वीणावादिनि । निराला की काव्यगत विशेषताएँ, निराला के काव्य में राष्ट्रीय चेतना।	15
IV	**प्रगति-प्रयोगवादी काव्य :** **क. अज्ञेय :** यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की। आलोचना के बिन्दु : प्रयोगवाद और अज्ञेय, संकलित कविताओं का प्रतिपाद्य और समीक्षा । **ख. मुक्तिबोध :**विचार आते हैं; मुझे हर कदम पर चौराहे मिलते हैं । आलोचना के बिन्दु - मुक्तिबोध की काव्य-संवेदना, आधुनिक कवियों में मुक्तिबोध का स्थान ।	15
V	**काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय :** काव्य के लक्षण, काव्य-प्रयोजन, काव्य हेतु तथा काव्य की आत्मा ।	15
VI	**अलंकार-छन्द परिचय :** अलंकार का अर्थ तथा उपयोगिता, अलंकार वर्गीकरण । अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, पुनरुक्तिप्रकाश, संदेह, भ्रांतिमान तथा मानवीकरण अलंकारों का सोदाहरण परिचय । छंद की परिभाषा तथा तत्त्व, छंदों के भेद तथा कविता में उनका महत्त्व । चौपाई, सोरठा, दोहा, कवित्त, सवैया, कुण्डलिया, रोला, गीतिका, वंशस्थ, मन्दाक्रान्ता, तथा मुक्त छंद के लक्षण और उदाहरण।	15

निर्देश :

1. स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं तृतीय सेमेस्टर में विद्यार्थियों को अपने अथवा अन्य संकाय के किसी एक विषय को माइनर इलेक्टिव के रूप में चयन करना होगा। उक्त दोनों सेमेस्टर में हिंदी विषय के अंतर्गत 2-2 प्रश्नपत्र दिए गए हैं जिनमे से विद्यार्थी को किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा।
2. प्रश्नपत्र के कुल पूर्णांक 100 में से 75 अंक सेमेस्टर परीक्षा के लिए निर्धारित हैं तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर दिए जायेंगे।

<u>सहायक ग्रन्थ :</u>

1. मुंशीलाल शर्मा, सूरदास और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
2. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
3. नन्ददुलारे वाजपेयी, सूर संदर्भ, इंडियन प्रेस लिमिटेड,प्रयाग
4. रामनरेश त्रिपाठी, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग-1),हिन्दी मंदिर, प्रयाग, 1937

5. राजपति दीक्षित, तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
6. राजेन्द्र सिंह गौड़, आधुनिक कवियों की काव्य साधना, श्रीराम मेहता एंड संस, आगरा, 1953
7. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
8. शम्भूनाथ सिंह, छायावाद युग, सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी 1962
9. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. रामस्वरूप चतुर्वेदी, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. डॉ. हंसराज त्रिपाठी, आत्मसंघर्ष की कविता और मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़
12. अज्ञेय, दूसरा सप्तक, प्रगति प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माला, 1951
13. देवेन्द्रनाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
14. नंदकिशोर नवल, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
15. बच्चन सिंह, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ 1987
16. भगीरथ मिश्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
17. भगीरथ मिश्र काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
18. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
19. डॉ. रामचन्द तिवारी, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010
20. निर्मला जैन, पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1990
21. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', परिमल, लोकभारती राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
22. डॉ. सत्येन्द्र कुमार दुबे, मन डूब गया; नालंदा प्रकाशन दिल्ली, 2020

कक्षा	बी. ए. - प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : प्रथम
विषय: हिन्दी (माइनर)		

पाठ्यक्रम कोड : A010102T(ME) (वैकल्पिक)	**पाठ्यक्रम शीर्षक: हिन्दी साहित्य का इतिहास तथा भाषा विज्ञान**

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes):

विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास का ज्ञान कराना जिससे वे हिन्दी भाषा और साहित्य में विभिन्न कालखण्डों में आये परिवर्तनों को समझ सकें और प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले प्रश्नों की तैयारी कर सकें। उन्हें भाषाविज्ञान जैसे उपयोगी विषय की भी सामान्य जानकारी देना।

क्रेडिट : 06	**पूर्णांक :** 25+75 = 100	**उत्तीर्णांक : 40**
कुल व्याख्यान संख्या – 90 घंटे		

इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों की संख्या**
I	**हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि और आदिकाल :** हिन्दी भाषा और साहित्य की पृष्ठभूमि, हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण; हिन्दी साहित्य के आदिकाल की परिस्थितियाँ, हिन्दी का आदिकालीन साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ।	15
II	**हिन्दी साहित्य का मध्यकाल :** भक्तिकाल की परिस्थितियाँ; भक्तिकालीन साहित्य का वर्गीकरण और प्रवृत्तियाँ; रीतिकाल का नामकरण और परिस्थितियाँ, रीतिकालीन साहित्य का वर्गीकरण और विशेषताएँ।	15
III	**हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल (कविता-1) :** आधुनिक काल के उदय की पृष्ठभूमि, आधुनिक काल की सामान्य विशेषताएँ; आधुनिककालीन कविता का विकास क्रम भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, छायावादोत्तर तथा स्वातन्त्र्योत्तर युग की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ।	15
IV	**हिन्दी गद्य एवं पत्रकारिता :** हिन्दी गद्य की पृष्ठभूमि, आधुनिककालीन हिन्दी गद्य का उदय और उसका प्रारम्भिक स्वरूप, हिन्दी की गद्य विधाओं- नाटक, निबंध, उपन्यास, कहानी	15

	का उदभव और विकास; हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।	
V	**भाषा एवं भाषा विज्ञान :** भाषा की परिभाषा तथा अभिलक्षण; भाषा विज्ञान-अर्थ एवं प्रकार; अध्ययन की दिशाएँ- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक; भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध।	15
VI	**हिन्दी भाषा का वैशिष्ट्य :** भारोपीय भाषा परिवार और हिन्दी; हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ; हिन्दी की ध्वनियों का वर्गीकरण; ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।	15

निर्देश :

1. स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं तृतीय सेमेस्टर में विद्यार्थियों को अपने अथवा अन्य संकाय के किसी एक विषय को माइनर इलेक्टिव के रूप में चयन करना होगा। उक्त दोनों सेमेस्टर में हिंदी विषय के अंतर्गत 2-2 प्रश्नपत्र दिए गए हैं जिनमे से विद्यार्थी को किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा।
2. प्रश्नपत्र के कुल पूर्णांक 100 में से 75 अंक सेमेस्टर परीक्षा के लिए निर्धारित हैं तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर दिए जायेंगे।

<u>सहायक ग्रन्थ</u> :

1. डॉ. नगेन्द्र, (सपा), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. रामचन्द्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. रामचन्द्र तिवारी, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
5. रामस्वरूप चतुर्वेदी,हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
6. नामवर सिंह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नयी दिल्ली, 1972
8. कपिलदेव द्विवेदी, भाषा-विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
9. डॉ. रामकिशोर शर्मा, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
10. भोलानाथ तिवारी, हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
11. सत्यनारायण त्रिपाठी, हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 1981
12. राजमणि शर्मा, हिंदी भाषा इतिहास एवं स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2014
13. भोलानाथ तिवारी, भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1999
14. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दुस्तानी अकेडमी, प्रयाग, 1951
15. हरदेव बाहरी,हिन्दी उद्भव, विकास और रूप, किताबमहल, इलाहाबाद,42 वाँ संस्करण,2018

<table>
<tr><td colspan="2">कक्षा</td><td colspan="2">बी. ए. - द्वितीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर : तृतीय</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय: हिन्दी (माइनर)</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010301T(ME)
(वैकल्पिक)</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक: हिन्दी गद्य</td></tr>
<tr><td colspan="6">पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes):
इस पत्र का विषयक्षेत्र हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी की कुछ प्रतिनिधि गद्य रचनाओं का अध्ययन करवाना है। इससे हिन्दी गद्य के अध्ययन, लेखन तथा आलोचना के प्रति उनकी रुचि विकसित होगी। गद्य साहित्य के पठन-पाठन की समुचित रीति को समझकर उनमें आलोचकीय विवेक उत्पन्न होगा और रचनाओं में अन्तर्निहित जीवन मूल्यों से जुड़कर वे हिन्दी साहित्य की महत्ता को समझ सकेंगे। लेखन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को इस पत्र से विशेष लाभ प्राप्त होगा।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 06</td><td colspan="2">पूर्णांक : 25+75 = 100</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td colspan="6">कुल व्याख्यान संख्या – 90 घंटे</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">नाटक :
अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चंद्र
आलोचना के बिन्दु - हिन्दी नाटक को भारतेन्दु हरिश्चंद्र का योगदान; 'अंधेर नगरी' का प्रतिपाद्य और उसमे निहित व्यंग्य; नाटक के तत्त्वों की दृष्टि से 'अंधेरनगरी' की समीक्षा, 'अंधेर नगरी' का उद्देश्य और प्रासंगिकता।</td><td>15</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="4">एकांकी :
औरंगजेब की आखिरी रात- रामकुमार वर्मा, लक्ष्मी का स्वागत-उपेन्द्रनाथ अश्क सीमारेखा- विष्णु प्रभाकर
आलोचना के बिन्दु : एकांकी कला की दृष्टि से मूल्यांकन, प्रासंगिकता और महत्त्व ।</td><td>15</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="4">उपन्यास :
गबन- प्रेमचंद</td><td>15</td></tr>
</table>

IV	**पाठ्य 'गबन' उपन्यास की आलोचना :** हिन्दी उपन्यास और प्रेमचंद, उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'गबन' की समीक्षा 'गबन के नायक-नायिका का चारित्रिक वैशिष्ट्य; 'गबन' उपन्यास का उद्देश्य और प्रासंगिकता।	15
V	**हिन्दी कहानी :** आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद हार की जीत - सुदर्शन लाल पान की बेगम - फणीश्वरनाथ रेणु आलोचना के बिन्दु : कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'आकाशदीप', 'हार की जीत' तथा 'लाल पान की बेगम' कहानियों की समीक्षा, कथानक का सार तथा उददेश्य ।	15
VI	**हिन्दी निबंध :** भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र करुणा - आ. रामचन्द्र शुक्ल देवदारु - हजारीप्रसाद द्विवेदी पठित निबंधों की आलोचना : निबंध कला की दृष्टि से पठित निबंधों का मूल्यांकन तथा प्रतिपाद्य ।	15

निर्देश :

1. स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं तृतीय सेमेस्टर में विद्यार्थियों को अपने अथवा अन्य संकाय के किसी एक विषय को माइनर इलेक्टिव के रूप में चयन करना होगा। उक्त दोनों सेमेस्टर में हिंदी विषय के अंतर्गत 2-2 प्रश्नपत्र दिए गए हैं जिनमे से विद्यार्थी को किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा।
2. प्रश्नपत्र के कुल पूर्णांक 100 में से 75 अंक सेमेस्टर परीक्षा के लिए निर्धारित हैं तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर दिए जायेंगे।

सहायक ग्रन्थ :

1. रामचंद्र तिवारी, हिंदी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007 |

2. बच्चन सिंह, आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019

3. रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
4. रामचंद्र तिवारी, हिंदी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
5. नामवर सिंह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
6. रामस्वरूप चतुर्वेदी, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018
7. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन 1975
8. सोमनाथ गुप्ता, हिंदी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्रा चंद्र नारंग, इलाहाबाद तीसरा संस्करण, 1951
9. डॉ. दशरथ ओझा, हिंदी नाटक उद्भव एवं विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
10. गिरीश रस्तोगी, हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद
11. सत्यवती त्रिपाठी,आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
12. सिद्धनाथ कुमार, हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
13. डॉ.रामचरण महेंद्र, हिन्दी एकांकी, और एकांकीकार वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

<table>
<tr><td colspan="2">कक्षा</td><td colspan="2">बी. ए. - द्वितीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर : तृतीय</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय: हिन्दी (माइनर)</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010302T(ME)
(वैकल्पिक)</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="6">पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes) :
यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों में हिन्दी में भाषिक और व्यावहारिक कौशल का विकास करने में सहायक होगा। इसके द्वारा विद्यार्थी हिन्दी के व्याकरणिक स्वरूप के उपयोगी तत्वों को जानने के साथ-साथ उसमें व्यावहारिक लेखन सम्बन्धी दक्षता भी प्राप्त कर सकेंगे और अपने को हिन्दी में अधिक कार्यकुशल बना सकेंगे। हिन्दी की संवैधानिक स्थिति को भी इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से वे समझ सकेंगे।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 06</td><td colspan="2">पूर्णांक : 25+75 = 100</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td colspan="6">कुल व्याख्यान संख्या – 90 घंटे</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">हिंदी की संवैधानिक स्थिति :
अनुच्छेद 343 से 351 तक तथा अनुच्छेद 120 और 210; राष्ट्रपति के आदेश - सन 1952, 1955 एवं 1960; राजभाषा अधिनियम-1963 यथा संशोधित</td><td>15</td></tr>
</table>

	1967 । राजभाषा नियम 1976; यथा संशोधित 1987, राजभाषा हिन्दी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 |	
II	**शुद्ध-अशुद्ध हिन्दी:** हिन्दी की वर्तनी, लिंग, वचन, कारक, उच्चारण तथा विराम चिह्नों से संबन्धित होने वाली अशुद्धियाँ और उनका समाधान ।	15
III	**हिन्दी में व्यावहारिक लेखन :** सूचना; संदेश; कार्यवृत्त; कार्यसूची; प्रतिवेदन; आत्मविवरण; आवेदन पत्र तथा ई-मेल लेखन	15
IV	**हिन्दी में कार्यालयी पत्राचार :** कार्यालयी पत्राचार का स्वरूप एवं विशेषताएँ, पत्र, परिपत्र, स्मरण पत्र, चेतावनी-पत्र, कार्यवाही पत्र; प्रेस विज्ञप्ति, ज्ञापन; तथा तकनीकी एवं ऑनलाइन कार्य-दक्षता ।	15
V	**अनुवाद :** अनुवाद का महत्त्व; अनुवाद के प्रकार; अनुवाद के क्षेत्र; अनुवाद के उपकरण; अनुवादक के गुण ।	15
VI	**हिन्दी और कम्प्यूटर :** कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और उपयोगिता; कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करने की सुविधाएँ एवं समस्याएँ, हिन्दी में पी.पी.टी. स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण । इन्टरनेट और हिन्दी; हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइटें; सरकारी तथा गैरसरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई-पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि)।	15

निर्देश :

1. स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं तृतीय सेमेस्टर में विद्यार्थियों को अपने अथवा अन्य संकाय के किसी एक विषय को माइनर इलेक्टिव के रूप में चयन करना होगा। उक्त दोनों सेमेस्टर में हिंदी विषय के अंतर्गत 2-2 प्रश्नपत्र दिए गए हैं जिनमे से विद्यार्थी को किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा।
2. प्रश्नपत्र के कुल पूर्णांक 100 में से 75 अंक सेमेस्टर परीक्षा के लिए निर्धारित हैं तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर दिए जायेंगे।

<u>अध्ययन के लिये सहायक ग्रन्थ :</u>

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा राष्ट्रभाषा हिन्दी समस्याएँ और समाधान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. शैलेन्द्र सेंगर; मीडिया लेखन और सम्पादन; आविष्कार प्रकाशन, दिल्ली।

3. डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, संचार माध्यम तकनीक और लेखन, श्याम प्रकाशन, जयपुर।

4. गोपीनाथ श्रीवास्तव, सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

5. असगर वजाहत /प्रेमरंजन, टेलीविजन लेखन,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6. सिद्धनाथ कुमार; रेडियो वार्ता शिल्प; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

7. सिद्धनाथ कुमार; रेडियो नाटक की कला; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

8. रमेश गौतमः रचनात्मक लेखन, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

9. दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

10. रामचंद्र सिंह सागर, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस,नयी दिल्ली, 1963

11. चंद्रपाल शर्मा, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991

12. प्रज्ञा पाठशाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली

13. डॉ. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009

14. डॉ. माधव सोनटके, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

15. कैलाश चन्द्र भाटिया, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2005

16. डॉ..संजीव कुमार जैन, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल

17. संतोष गोयल, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली

18. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

<table>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">बी. ए. चतुर्थ वर्ष /
एम. ए. प्रथम वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर - VII</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010701T</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक :
भारतीय ज्ञान-परंपरा में हिंदी अनुसंधान</td></tr>
<tr><td colspan="6"><u>परिलब्धियाँ :</u>
विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के वस्तुगत स्रोतों, विभिन्न विधाओं, विभिन्न कालखंडों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा का सम्यक बोध प्राप्त हो सकेगा और उसके साहचर्य में भारतीय ज्ञान परम्परा के अभिन्न अंग के रूप में विकसित हिंदी अनुसंधान के विविध पक्षों, प्रक्रियाओं एवं प्रविधिओं से अवगत होकर उसके द्वारा अनुसंधान के क्षेत्र में नूतन उद्भावनाएँ की जा सकेंगी, जिससे रोजगार के गुणात्मक अवसरों की तलाश करते हुए देश को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित किया जा सकेगा ।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75 = 100</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 10+30= 40</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">हिंदी साहित्य में ज्ञान-परम्परा :
• भारतीय ज्ञान परम्परा और हिंदी साहित्य (वैदिक,औपनिषदिक, पौराणिक, जैन एवं बौद्ध ज्ञान की हिंदी साहित्य में अवस्थिति)
• साहित्य और ज्ञान का अंत:संबंध
• हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों में ज्ञान के मूल स्रोत
• हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में ज्ञान का विकास क्रम
• हिंदी साहित्य के आधुनिक काल में ज्ञान-साहित्य (शास्त्र लेखन) का विकास</td><td>15</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="4">अनुसंधान के अवधारणात्मक आयाम :
• अनुसंधान : अवधारणा, अभिधान, एवं परिभाषा
• अनुसंधान एवं आलोचना : साम्य एवं वैषम्य
• अनुसंधान के प्रयोजन, अनुसंधाता की योग्यता</td><td>15</td></tr>
</table>

	• हिंदी अनुसंधान की विकास-यात्रा	
III	**अनुसंधान प्रविधि :** • पूर्वकृत अनुसंधान का अभिज्ञान • साक्षात्कार और उसकी प्रक्रिया • संबंधित सर्वेक्षण एवं क्षेत्र भ्रमण • पुस्तकालयों, ई-पुस्तकालयों, ई-जर्नल, ई-पत्रिकाओं तक पहुँच • अनुसंधान में नैतिकता	15
IV	**अनुसंधान की प्रक्रिया एवं प्रतिफलन :** • समस्या का अभिज्ञान एवं विषय का निर्धारण • रूपरेखा निर्माण एवं अध्यायों का वर्गीकरण • सामग्री संचयन और विश्लेषण • उद्धरण, संदर्भ,ग्रंथ सूची एवं नामानुक्रमणिका की प्रक्रिया • हिंदी अनुसंधान का भारतीय ज्ञान परंपरा में योगदान	15

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1.भारतीय परंपरा की खोज, भगवान सिंह, सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, दिल्ली

2. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3. भारतीय दर्शन एवं आचार्य परंपरा, डॉ. उर्मिला सिंह, डॉ. सीताशरण सिंह, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी

4. दूसरी परंपरा की खोज, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन

5. हमारी परंपरा, वियोगी हरि, सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, दिल्ली

6. अतिक्रमण की अंतर्यात्रा ज्ञान की समीक्षा का एक प्रयास, प्रसन्न कुमार चौधरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

7. अनुसंधान का विवेचन, उदयभानु सिंह, हिंदी साहित्य संसार,पटना

8. हिंदी अनुसंधान, विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

9. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, एस.एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

10. शोध प्रविधि, डॉ. विनय मोहन शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा

11. शोध प्रविधि, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

12. नवीन शोधविज्ञान, डॉ.तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली

13. शोध प्रस्तुति, उमापाण्डेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

14. शोध प्रौद्योगिकी, प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, स्वाध्याय प्रकाशन, लखनऊ

15. शोध और सिद्धांत, डॉ.नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

16. शोध संदर्भ (भाग 1-6 तक), सं. गिरिराज शरण अग्रवाल, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर

17. प्रतिमान, शोध, खोज, गवेषणा, आलोचना इत्यादि पत्रिकाएँ

पाठ्यक्रम	**बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष**	**सेमेस्टर - VII**
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010702T	**पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी की विचार-संपदा**	
परिलब्धियाँ : इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी हिंदी साहित्य के पृथक्-पृथक् कालखंडों में गृहीत विभिन्न विचारों और विचारधाराओं से परिचित हो सकेंगे और साहित्य के बाह्य कारकों और प्रेरक व्यक्तित्वों का संज्ञान हो सकेगा। ज्ञान (शास्त्र) और साहित्य के अंतरावलंबन की समझ विकसित होगी और साहित्य के मूल स्रोतों का अभिज्ञान हो सकेगा।		
क्रेडिट : 04	**पूर्णांक: 25+75 = 100**	**उत्तीर्णांक : 10+30= 40**
कुल व्याख्यानों की संख्या – 60 घंटे		
इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों**

		की संख्या (घंटो में)
I	**हिंदी साहित्य : वैचारिक प्रस्थान बिंदु** • आदिकालीन वैचारिकी के मूल स्रोत • मध्यकालीन बोध का स्वरूप • विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन • मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध	15
II	**पुनर्जागरण की पारिस्थितिकी** • आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति • स्वाधीनता आन्दोलन और भारतीय नवजागरण • हिंदी नवजागरण : भारतेंदु हरिश्चंद्र और महावीर प्रसाद द्विवेदी • फोर्ट विलियम कॉलेज, खडी बोली आंदोलन	15
III	**राष्ट्रीय व्यक्तित्वों की वैचारिकी और हिंदी साहित्य पर प्रभाव** • श्री अरविंद • स्वामी विवेकानंद • महात्मा गाँधी • डॉ. भीमराव आंबेडकर	15
IV	**विचारधाराओं का साहित्यिक परिप्रेक्ष्य** • मार्क्सवाद • मनोविश्लेषणवाद • अस्तित्ववाद • उत्तर आधुनिकतावाद	15

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ, डॉ. राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, डॉ. राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4. नयी कविता कावैचारिक आधार, सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

5. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ. लाल चंद्र गुप्त 'मंगल', हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला

6. हिंदी आलोचना के बीज शब्द, बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

7. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

8. हिंदी नवजागरण और वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ.विवेक शंकर

9. मध्यकालीन बोध का स्वरुप, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

10. मध्यकालीन धर्म साधना, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली

11. साहित्य में बाह्य प्रभाव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

12. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श,वाणी प्रकाशन, दिल्ली

13. साहित्य क्यों ?, विजय देव नारायण साही, प्रदीपन एकांश, इलाहाबाद

14. आधुनिकता के बारे में तीन अध्याय, धनंजय वर्मा

15.आधुनिकता के प्रतिरूप, धनंजय वर्मा

16. आधुनिकता के पहलू, विपिन अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

17. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य, डॉ.राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

18. गाँधी, आम्बेडकर, लोहिया और भारतीय इतिहास की समस्याएँ, डॉ. राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

19. कलाशास्त्र और मध्यकालीन भाषिकी क्रांतियाँ, रमेश कुंतल मेघ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर - VII

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A010703T	पाठ्यक्रम शीर्षक : अवधी साहित्य

परिलब्धियाँ :

इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी अवधी भाषा एवं साहित्य के विकास के साथ उसके राष्ट्रीय एवं वैश्विक योगदान को पहचान सकेंगे। भारतीय ज्ञान परंपरा में अवध के साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान को समझा जा सकेगा, विगत एक सहस्राब्दी में निर्मित अवध की साहित्यिक एवं पांडित्य परपरा और उसी अनुक्रम में महत्त्वपूर्ण रचनाओं और रचनाकारों के प्रदेय से जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार संभव होगा।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75 = 100	उत्तीर्णांक : 10+30= 40

कुल व्याख्यानों की संख्या – 60 घंटे

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	**देश-देशांतर में अवधी : चयनित लेख** • अवधी का विकास - डॉ. बाबूराम सक्सेना • अवधी का आदि साहित्य – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी • विदेशों में अवधी और अवध संस्कृति - डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित • भारत के निर्माण में अवध और अवधी - डॉ. राज नारायण तिवारी • अवधी काव्य की परंपरा - डॉ. श्याम सुंदर मिश्र 'मधुप' • अवधी संस्थाएं और पत्रकारिता की चुनौतियाँ – डॉ.राम बहादुर मिश्र • अवधी का गद्य साहित्य - डॉ. राधिका प्रसाद त्रिपाठी • अवधी और जनसंचार – प्रांजल झा	15
II	**अवधी महाकाव्य** • मलिक मुहम्मद जायसी - नागमती वियोग खंड (पद्मावत)	15

	• गोस्वामी तुलसीदास - सुंदरकांड (श्रीरामचरितमानस)	
III	**अवधी काव्य** **गोरखनाथ: दो पद** 1. गुर कीजै गहिला निगुरा न रहिला 2. कहणि सुहैली रहणि दुली **बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस :** दो कविताएँ - मनई, सूखि डार **वंशीधर शुक्ल :** दो कविताएँ - मंहगाई, यक किसान की रोटी **चंद्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका' :** दो कविताएँ- धरती हमारि धरती हमारि, कोयलिया सुनिकै तोरि पुकार री **त्रिलोचन शास्त्री :** 'अमोला' से प्रारंभिक 15 बरवै **सुशील सिद्धार्थ:** दो कविताएँ - बागन बागन कहे चिरैया, साधो मन के मीत हेराने	15
IV	**अवधी कथा साहित्य एवं अन्य गद्य विधाएँ :** **उपन्यास :** चंदावती – भारतेंदु मिश्र , अनुराग बुक्स, दिल्ली अथवा के सही, के गलत – सुधेंदु ओझा , सौभाग्य प्रकाशन **कहानी :** सुनीता – लक्ष्मण प्रसाद मिश्र देश-काल – त्रिलोचन शास्त्री मुआवजा – ज्ञानवती दीक्षित श्रवन के जुबानी – विनय दास	15

<table>
<tr><td></td><td>पियास – गंगा प्रसाद शर्मा ‘गुणशेखर’
जमीन क्यार टुकड़ा – रश्मिशील
खड़िहर के वहिपार (बाल कहानी) – आद्या प्रसाद सिंह ‘प्रदीप’
पहिले खुद का सुधारौ (एकांकी नाटक) – आचार्य सूर्य प्रसाद शर्मा ‘निशिहर’
भारत मा अवधी अनुवाद (सम्पादकीय) – डॉ. राम बहादुर मिश्र
का लिखा जाय (अवधी डायरी) – भारतेंदु मिश्र : स्रोत – ‘हम परजा हन’ पुस्तक से
अवधी की साहित्यिक पत्रकारिता – अवधी, बिरवा जोंधइया, अवध ज्योति, भाखा आदि</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">टिप्पणी: अधिन्यास कार्य (Assignment work) के अंतर्गत अवधी में लिखने के लिए प्रेरित किया जाए</td></tr>
</table>

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. इकाई प्रथम संदर्भ : अवधी ग्रंथावली, जगदीश पीयूष, खंड - 1,3, 5, 10; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. इकाईचतुर्थ - संदर्भ : कथा किहानी (समकालीन अवधी कहानियाँ) भारतेंदु मिश्र,परिकल्पना प्र. दिल्ली
3. इकाई तृतीय संदर्भ - kavitakosh.org
4. अवधी का विकास डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
5. अवधी साहित्य का इतिहास डॉ. श्याम सुन्दर मिश्र मधुप, भारत बुक सेंटर
6. वाचिक कविता अवधी सं.विद्या निवास मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
7. जायसी - विजय देव नारायण साही, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
8. जायसी - परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी
9. आलोचना पत्रिका अंक 80 जनवरी-मार्च 1987 - तज्जितुल पद्मावत (लेख) वागीश शुक्ल)
10. आलोचना पत्रिका अंक 83- अक्टूबर-दिसंबर 1987 (तज्जितुल पद्मावत (नत्थी बे) - वागीश शुक्ल
11. लोकवादी तुलसीदास विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्र.दिल्ली
12.त्रिवेणी आचार्य रामचंद्र शुक्ल, राज कमल प्र.दिल्ली
13. अवधी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास डॉ.त्रिभुवन नाथ शुक्ल, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली

14. अवधी भाषा और साहित्य का परिचयात्मक विश्लेषण डॉ. त्रिलोकी नारायण दीक्षित, सं. क्षेमचंद्र सुमन, राजकमल प्र., दिल्ली
15. अवधी लोक साहित्य कला और संस्कृति डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. अवधी साहित्य सर्वेक्षण और समीक्षा जगदीश पीयूष, शुब्द प्रकाशन, दिल्ली
17. अवधी भाषा, साहित्य और संस्कृति डॉ. राधिका प्रसाद त्रिपाठी,आनंद प्रकाशन, फैजाबाद
18. अवध की साहित्य संपदा डॉ. राधिका प्रसाद त्रिपाठी, आनंद प्रकाशन, फैजाबाद
19. अवधी भाषा एवं साहित्य का इतिहास, डॉ. श्री नारायण तिवारी, संग्रह टाइम्स पब्लिकेशस, दिल्ली
20. पहिले खुद का सुधारौ, आचार्य सूर्य प्रसाद शर्मा 'निशिहर', अवध भारती प्रकाशन, बाराबंकी
21. जइसे उनके दिन बहुरे, डॉ. राम बहादुर मिश्र, अवध भारती प्रकाशन, बाराबंकी
22. हम परजा हन - भारतेंदु मिश्र, परिकल्पना प्रकाशन, दिल्ली
23. रत्ना तुलसी, विकल गोंडवी, सरस्वती देवी प्र., लखनऊ

<table>
<tr><td>पाठ्यक्रम</td><td>बी. ए. चतुर्थ वर्ष /
एम. ए. प्रथम वर्ष</td><td>सेमेस्टर - VII</td></tr>
<tr><td colspan="3">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम कोड : A010704T</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक :
हिंदी में अस्मिता विमर्श</td></tr>
<tr><td colspan="3"><u>परिलब्धियाँ :</u>
अस्मितामूलक विमर्शों के विविध आयामों की सम्यक् समझ बनेगी। मानवीय संवेदनाओं के ज्वलंत मुद्दों के अकादमिक बहस से जुड़ने और उसके साहित्य रूपों की अंतर्यात्रा की जा सकेगी। स्त्री, दलित, आदिवासी, किन्नर और अल्पसंख्यक समाजों का संवेदनात्मक परिचय प्रात होगा और इन विमर्शों पर आधारित विभिन्न साहित्यिक विधाओं में उनके प्रतिफलन से क्रियात्मक संदृष्टि प्राप्त की जा सकेगी।</td></tr>
</table>

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75 = 100	उत्तीर्णांक : 10+30= 40
कुल व्याख्यानों की संख्या – 60 घंटे		

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	**अस्मितामूलक विमर्श और साहित्य की समझ :** • अस्मितामूलक विमर्शों की सैद्धांतिकी • अस्मितामूलक विमर्श : स्वरूप एवं विकास • अस्मितामूलक विमर्श : संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ • हिंदी में अस्मितामूलक विमर्श के आयाम (स्त्री विमर्श, दलित विमर्श,आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श)	15
II	**अस्मिता विमर्श के विभिन्न आयाम** : • स्त्री विमर्श : सशक्तीकरण के आयाम • दलित विमर्श : अवधारणा और मुक्ति आन्दोलन • आदिवासी विमर्श : लोक जीवन और विकास की द्वंद्वात्मकता • तृतीय लिंगी (किन्नर) विमर्श : समस्या की संवैधानिक फलश्रुति	15
III	**हिंदी अस्मिता का गद्यलोक** • 'नारीत्व का अभिशाप' निबंध (शृंखला की कड़ियाँ) - महादेवी वर्मा • दोहरा अभिशाप (आत्मकथा) - कौशल्या वैसंत्री • पच्चीस चौका डेढ़ सौ (कहानी संग्रह) - ओमप्रकाश वाल्मीकि • यमदीप (उपन्यास) - नीरजा माधव	15
IV	**परिधि का हिंदी काव्य (आदिवासी)** • नगाड़े की तरह बजते शब्द (कविता संग्रह) - निर्मला पुतुल (कविताएँ आदिवासी स्त्रियाँ, बाबा मुझे उतनी दूर मत ब्याहना, आदिवासी	15

	लड़कियों के बारे में, संथाल परगना, कुछ मत कहो सजोनी किस्कू !, पहाडी स्त्री, चुडका सोरेन से, खून को पानी कैसे लिख दूँ, भाई मंगल बेसरा, पिलचू बूढी से,आओ मिलकर बचाएँ, कहाँ गुम हो गए, मैं चाहती हूँ।)	

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. भारतीय नारी संत परम्परा, बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2. स्त्री उपेक्षिता, प्रभा खेतान, सीमोन द ओउआर, हिंदी पॉकेट बुक्स
3. अपने घर की तलाश में, (अशोक सिंह), निर्मला पुतुल, रमणिकी फाउण्डेशन, दिल्ली,प्रथम 2004
4. आज का स्त्री स्वर, सं. रमेश उपाध्याय, संज्ञा उपाध्याय, शब्दसंधान, दिल्ली ।
5. स्त्रीत्व का मानचित्र, अनामिका, सारांश प्रकाशन, दिल्ली ।
6. शृंखला की कड़ियाँ, महादेवी वर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली ।
8. दलित वीरांगनाएँ एव मुक्ति की चाह,बद्री नारायण, (युगांक धीर,अनु.), राजकमल प्रकाशन
9. नारीवाद सिद्धांत और व्यवहार, शुभ्रा परमार, ओरिएंट ब्लैक स्वान, हैदराबाद
10. आदिवासी साहित्य परंपरा और प्रयोजन, वंदना टेटे, नोशन प्रेस, चेन्नई ।
11. आदिवासी : समाज, साहित्य और राजनीति, केदार प्रसाद मीणा, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली
12. आदिवासी साहित्य परंपरा और प्रयोजन, वंदना टेटे, नोशन प्रेस, चेन्नई
13. भारतीय दलित साहित्य का विरोधी स्वरे विमल थोरात, रावत पब्लिकेशन, जयपुर
14. दलित साहित्य का समाजशास्त्र हरि नारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
15. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र ओम प्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्र. दिल्ली
16. दलित साहित्य एक अंतर्यात्रा बजरंग बिहारी तिवारी, नवारुण प्रकाशन, दिल्ली
17. स्त्री संघर्ष का इतिहास राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. हिंदी उपन्यासों के आइने में थर्ड जेंडर डॉ. विजेंद्र प्रताप सिंह, अमन प्रकाशन, कानपुर
19. थर्ड जेंडर पर आधारित हिंदी का प्रथम उपन्यास डॉ.एन. फिरोज खान, विकास प्रकाशन
20. थर्डजेंडर : अस्मिता और संघर्ष सं. विजेंद्र प्रताप सिंह, रवि गौड़, अमन प्रकाशन, कानपुर

<table>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">बी. ए. चतुर्थ वर्ष /
एम. ए. प्रथम वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर - VII</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010705T (वैकल्पिक)</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक :
साहित्य का अंतर्विषयक अध्ययन</td></tr>
<tr><td colspan="6"><u>परिलब्धियाँ :</u>
राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों में ज्ञान को समग्रता में देखने की समझ विकसित होगी और एक ज्ञान के दायरे से दूसरे में जाने का अवसर प्राप्त होगा जिससे ज्ञानके सार्वभौमिक एकत्व की अनुभूति होगी, इसके साथ ही रचनात्मकता को साहित्येतर कसौटियों से जाँचने परखने की प्रविधि का विकास होगा।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75 = 100</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 10+30= 40</td></tr>
<tr><td colspan="6">कुल व्याख्यानों की संख्या – 60 घंटे</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">साहित्य का अंतर्विषयक परिप्रेक्ष्य
1. अंतर्विषयक अध्ययन की अवधारणा
2. अंतर्विषयक अध्ययन की आवश्यकता
3. हिंदी अंतर्विषयक अध्ययन के क्षेत्र
4. हिंदी अंतर्विषयक अध्ययन का विकास</td><td>15</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="4">साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
1. सौन्दर्यशास्त्र : परिभाषा एवं स्वरूप
2. सौंदर्य की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा
3. साहित्य का सौन्दर्यशास्त्रीय विवेचन
4. हिंदी में सौन्दर्यशास्त्रीय आलोचनाएँ</td><td>15</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="4">साहित्य का समाजशास्त्र</td><td>15</td></tr>
</table>

	1. साहित्य का समाजशास्त्र : साधन और साध्य 2. साहित्य में समाज और समाज में साहित्य 3. हिंदी साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन 4. हिंदी लेखक का समाजशास्त्र 5. साहित्यिक उत्पादन, प्रकाशन एवं विपणन का अंतःशास्त्र	
IV	**हिंदी साहित्य और अन्य ज्ञानानुशासन** 1. साहित्य और दर्शन 2. साहित्य और इतिहास 3. साहित्य और राजनीति 4. साहित्य और मनोविज्ञान 5. साहित्य और ललित कलाएँ 6. साहित्य और विज्ञान	15

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका, फतह सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

2. सौंदर्यशास्त्र, डॉ. हरद्वारी लाल शर्मा, मधु प्रकाशन, इलाहाबाद

3. अथातो सौंदर्य जिज्ञासा, रमेश कुंतल मेघ, मैकमिलन, दिल्ली

4. सौंदर्यका तात्पर्य, डॉ. रामकीर्ति शुक्ल, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान,लखनऊ

5. पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्र का इतिहास, सूनृत कुमार बाजपेयी, नमन प्रकाशन,नई दिल्ली

6. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली

7. छायावाद का व्यावहारिक सौंदर्यशास्त्र, प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्र., इलाहाबाद

8. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली

9. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, शरण कुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

10. लालित्य तत्त्व, हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

11. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा साहित्य अकादमी

12. साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन, निर्मला जैन, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

13. साहित्य का समाजशास्त्र, भूपेन्द्र सिंह, कला प्रकाशन

14. साहित्य और समाज, विजयदान देथा, राजस्थानी शोध संस्थान

15. उपन्यास का समाजशास्त्र, सं. गरिमा श्रीवास्तव, संजय प्रकाशन,दिल्ली

16.आलोचना का समाजशास्त्र, मुद्राराक्षस, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

17. लेखक और उसका समाज, राजकिशोर,

18. साहित्य और समाज की बात, देवशंकर नवीन, एन.बी.टी.,दिल्ली

19. समाज, साहित्य और दर्शन, आचार्य दयानन्द भार्गव, राजस्थान संस्कृत अकादमी,जयपुर

20. साहित्य का समाजशास्त्र, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

21. पुस्तक प्रकाशन संदर्भ और दृष्टि, कृष्णचन्द्र बेरी, प्रचारक ग्रंथावली, वाराणसी

22. कला और साहित्य, माखनलाल चतुर्वेदी,प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

23. साहित्य और कला, मार्क्स-एंगेल्स, राहुल फाउंडेशन

24. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

25. समय से बाहर, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली

26. साहित्य विज्ञान, गणपति चंद्र गुप्त, लोकभारती प्र.प्रयागराज

27. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और मनोविज्ञान, देवराज उपाध्याय, साहित्य भवन,प्रयागराज

28. साहित्य और मनोविज्ञान, डॉ.मफतलाल पटेल, शांति प्रकाशन

29. आधुनिक मनोविज्ञान और हिंदी साहित्य, गंगाधर झा, राधाकृष्ण प्र. दिल्ली

30. कला विनोद, अशोक वाजपेयी, नई किताब प्र. दिल्ली

31. साहित्य विनोद, अशोक वाजपेयी, नई किताब प्र.दिल्ली

32. साहित्य दर्शन, स्वामी निश्चलानंद सरस्वती, स्वस्ति प्रकाशन, पुरी

33. साहित्य संगीत और दर्शन, ए.ए.ज्दानोव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

34. साहित्य में राजनीति और समाज, डॉ. ब्रज कुमार पाण्डेय, पुष्पांजलि प्रकाशन

<table>
<tr><td>पाठ्यक्रम
शोध परियोजना</td><td>बी. ए. चतुर्थ वर्ष /
एम. ए. प्रथम वर्ष</td><td>सेमेस्टर - VII</td></tr>
<tr><td colspan="3">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम कोड : A010706R (वैकल्पिक)</td><td>पाठ्यक्रम शीर्षक :
भारतीय साहित्य में राम</td></tr>
<tr><td colspan="3"><u>परिलब्धियाँ :</u>
भारतीय भाषा एवं साहित्य की समस्त विधाओं में राम को आधार बनाकर लिखे गए विपुल लेखन का संज्ञान लिया जा सकेगा, भारतीय संस्कृति में रचे बसे राम को साहित्य के माध्यम से जानकर उनके आदर्शों का जीवन में अनुपालन संभव होगा, इसके माध्यम से भारत की भावात्मक एकता और सामाजिक समरसता का लक्ष्य प्राप्त होगा, राम की अनेकायामी वैश्विक उपस्थिति के गवेषणात्मक विश्लेषण से विश्वबंधुत्व और वसुधैव कुटुंबकम् को सच्चे अर्थों में चरितार्थ किया जा सकेगा।</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट : 04</td><td>पूर्णांक: 50+50 = 100</td><td>उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td colspan="3">निर्देश:
विद्यार्थियों को भारतीय भाषा एवं साहित्य की समस्त विधाओं में राम को आधार बनाकर लिखे गए विपुल लेखन का संज्ञान लेते हुए विभाग द्वारा किसी अनुसंधेय विषय को आवंटित किया जाएगा, जिस पर छात्र-छात्राओं को विभिन्न आलोचना, अध्ययन एवं अनुसंधान पद्धतियों के आलोक में न्यूनतम 8000 शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करना होगा।</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td>पाठ्यक्रम
शोध परियोजना</td><td colspan="2">बी. ए. चतुर्थ वर्ष /
एम. ए. प्रथम वर्ष</td><td>सेमेस्टर - VII</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम कोड : A010707R (वैकल्पिक)</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक :
अवध की ज्ञान परंपरा</td></tr>
<tr><td colspan="4"><u>परिलब्धियाँ :</u>
भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत विद्यार्थियों को अवध की समृद्ध ज्ञान परंपरा और उसके वैशिष्ट्य के विभिन्न आयामों में से चयनित विषय का विस्तृत और सूक्ष्म परिज्ञान हो सकेगा। अवध संस्कृति में सन्निहित आदर्श मानव जीवन के संविधान को प्राप्त किया जा सकेगा। जिससे संपूर्ण विश्व को सुखमय एवं आनंदपूर्ण जीवन जीने के महामंत्र की प्राप्ति होगी।</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 50+50 = 100</td><td>उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td colspan="4">निर्देश:
भारतीय ज्ञान परंपरा में अवध क्षेत्र के विविध ज्ञानात्मक प्रदेयों (भाषा, साहित्य, संस्कृति, पांडित्य परंपरा, लोक परंपरा, शास्त्रीय /अकादमिक लेखन, पत्रकारिता, संगीत एवं कलाओं इत्यादि) से विभाग द्वारा किसी अनुसंधेय विषय को आवंटित किया जाएगा, जिस पर छात्र-छात्राओं को उपलब्ध विभिन्न आलोचना, अध्ययन एवं अनुसंधान पद्धतियों के संयोजन से न्यूनतम 8000 शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करना होगा।</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">बी. ए. चतुर्थ वर्ष /
एम. ए. प्रथम वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर – VIII</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010801T</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक :
हिंदी साहित्येतिहास दर्शन</td></tr>
<tr><td colspan="6"><u>परिलब्धियाँ :</u>
किसी भी इतिहास का लेखन इतिहास दर्शन के ज्ञान के बिना संभव नहीं है, विद्यार्थियों को इस अध्ययन द्वारा प्रामाणिक साहित्यतिहास लेखन की प्रक्रिया और प्रविधि का ज्ञान संभव होगा। विगत एक हजार वर्षों के हिंदी साहित्य के इतिहास का आलोड़न वस्तुतः हिंदी समाज की तत्कालीन पारिस्थितिकी का बोध कराएगा और उस समाज के निर्णयों की प्रासंगिकता को प्रमाणित करेगा। हिंदी साहित्य के इतिहास का पुनर्लेखन उसके समस्त आयामों, संभावनाओं और चुनौतियों को जानकर ही किया जा सकता है। यह प्रश्नपत्र उक्त की संपूर्ति में सहायक होगा।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75 = 100</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 10+30= 40</td></tr>
<tr><td colspan="6">कुल व्याख्यानों की संख्या – 60 घंटे</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन
1. इतिहास दर्शन की अवधारणा
2. साहित्य, इतिहास और दर्शन का अन्त:संबंध
3. साहित्येतिहास का समाज, धर्म, दर्शन एवं संस्कृति से संबंध
4. हिंदी साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख तत्त्व</td><td>15</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="4">हिंदी साहित्येतिहास लेखन का विकास क्रम</td><td>15</td></tr>
</table>

	1. हिंदी साहित्येतिहास दर्शन की विकास यात्रा 2. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन का इतिहास 3. हिंदी साहित्येतिहास लेखन के स्रोत 4. हिंदी साहित्येतिहास लेखन के प्रकार	
III	**कालक्रमिक परिस्थितियां एवं रचनात्मकता के अंतःसूत्र** 1. आदिकालीन साहित्य के कारक तत्त्व 2. भक्तिकाव्य की पारिस्थितिकी 3. रीतिकाव्य : स्थापत्य के आयाम 4. आधुनिक काल : नवजागरणकी रचनात्मकता 5. समकालीन साहित्य सृजन के विविध आयाम	15
IV	**हिंदी साहित्य का इतिहास: पुनर्लेखन की समस्याएँ** 1. पुनर्लेखन की आवश्यकता 2. पुनर्लेखन के आयाम 3. पुनर्लेखन की चुनौतियाँ **4.** साहित्येतिहास लेखन का भविष्य	15

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. इतिहास दर्शन बुद्ध प्रकाश, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

2. इतिहास दर्शन राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

3. साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

4. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय, पीपुल्स लिट्रेसी, दिल्ली

5. हिंदी साहित्येतिहास दर्शन डॉ. शिव कुमार मिश्र, पीपुल्स लिट्रेसी, दिल्ली

6. हिंदी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा,काशी

7. हिंदी साहित्य का आदिकाल आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

8. हिंदी साहित्य की भूमिका आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्र.दिल्ली

9. हिंदी साहित्य : उद्धव और विकास आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्र. दिल्ली

10. हिंदी साहित्य का अतीत भाग 1 और 2 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्र. वाराणसी

11. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास डॉ. राम कुमार वर्मा, नेशनल प्रेस, प्रयाग

12. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी नन्द दुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

13. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा राम विलास शर्मा, राजकमल प्र. दिल्ली

14. आधुनिक साहित्य का इतिहास बच्चन सिंह, लोकभारती प्र.प्रयागराज

15. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्र. दिल्ली

16. आधुनिक परिवेश और नवलेखन शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्र. प्रयागराज

17. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ नामवर सिंह, लोकभारती प्र., प्रयागराज

18. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास डॉ. राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्र.प्रयागराज

19. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास डॉ. सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ,दिल्ली

20. आचार्य शुक्ल का इतिहास पढ़ते हुए डॉ.बच्चन सिंह,

21. साहित्येतिहास संरचना और स्वरूप, डॉ. सुमन राजे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

22. हिंदी साहित्य का वृहद इतिहास, 16 भाग नागरी प्रचारिणी सभा

23. हिंदी साहित्य का मौखिक इतिहास नीलाभ, म. गा. अं. हिं.वि. वि. वर्धा

24. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास भाग 1 एवं 2. डॉ. गणपति चंद्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चंडीगढ़

25. हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन प्रभात मिश्र, प्रलेक प्रकाशन, मुंबई

26. हिंदी साहित्येतिहास पुनर्लेखन की समस्याएँ, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

27. हिंदी साहित्येतिहास का वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी, हंस प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर – VIII

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A010802T	पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी पत्रकारिता प्रशिक्षण

<u>परिलब्धियाँ :</u>
लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ पत्रकारिता के प्रशिक्षण से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में संवैधानिक चेतना और तज्जन्य साहसिकता का समावेश हो सकेगा, इसके साथ ही रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे। पत्रकारिता तथा साहित्य के संयोजन से निर्मित साहित्यकार, पत्रकार इतिहासके अनुरूप अधिक मूल्यपरक सिद्ध होंगे।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75 = 100	उत्तीर्णांक : 10+30= 40

कुल व्याख्यानों की संख्या – 60 घंटे

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	**पत्रकारिता : सिद्धान्त एवं स्वरूप** 1. पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र एवं महत्त्व 2. पत्रकारिता : विश्व एवं भारत में उद्भव एवं विकास 3. हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास 4. पत्रकारिता और रचनाधर्मिता	15
II	**समाचार लेखन के आयाम** 1. समाचार : प्रकार, संरचना, संकलन एवं लेखन कौशल 2. समाचार : शीर्षकीकरण, लीड एवं आमुख 3. संवाददाता के कर्तव्य एवं दायित्व	15

	4. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति	
III	**समाचार संपादन कला** 1. संपादक विभाग की संरचना, समाचारचयन, पृष्ठ-सज्जा, स्तंभ लेखन, पुस्तक समीक्षा, फीचर लेखन 2. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, लेआउट तथा पृष्ठ सज्जा 3. इलेक्ट्रानिक मीडिया : रेडियो, टी.वी.,वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया और इन्टरनेट पत्रकारिता 4. संपादकीय, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलो अप) आदि की प्रविधि 5. पत्रकारिता प्रबंधन, प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था	15
IV	**प्रेस कानून एवं दृश्य श्रव्य संचार माध्यम** 1. स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक परम्पराएँ, मौलिक अधिकार 2. प्रमुख प्रेस कानून, पीत पत्रकारिता, मानहानि, न्यायालय की अवमानना 3. जनसंचार के प्रमुख माध्यम तथा उनकी उपयोगिता 4. भारत में आकाशवाणी व दूरदर्शन : उद्भव, विकास, महत्त्व और प्रभाव **5.** दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता	15

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम डॉ. वेदप्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

2. समाचार पत्रों का इतिहास अंबिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमण्डल, बनारस

3. हिन्दी पत्रकारिता डॉ.कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली ।

4. प्रेस विधि डॉ.नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

5. भारत में प्रेस विधि डॉ.सुरेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ. मनोहर प्रभाकर, गतिमान प्रकाशन

6. समाचार संकलन और लेखन डॉ.नन्दकिशोर त्रिखा, हिन्दी समिति, लखनऊ

7. संवाद और संवाददाता राजेन्द्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ ।

8. संवाददाता सत्ता और महत्त्व हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद ।

9. संपादन कला के.पी. नारायण, म.प्र.हिदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

10. फीचर लेखन प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग, दिल्ली ।

11. समाचार संपादन प्रेमनाथ चतुर्वेदी, ऐकेडमिक बुक्स, दिल्ली ।

12. आकाशवाणी रामबिहारी विश्वकर्मा, प्रकाशन विभाग, दिल्ली ।

13. आधुनिक पत्रकारिता अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी ।

14. समाचार संपादन और पृष्ठ सज्जा रमेश कुमार जैन, यूनीवर्सल, जयपुरा

15. प्रारूपण, टिप्पण एवं प्रूफ पठन विजय कुलश्रेष्ठ, अंकुर प्रकाशन,दिल्ली ।

16. संपादनके सिद्धान्त रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली ।

17. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

18. जन माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता भाग 1 व 2 प्रवीण दीक्षित, सहयोग साहित्य सस्थान, कानपुर

19. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार-पत्र रवीन्द्र शुक्ला, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।

20. मीडिया का वर्तमान, सं. अकबर रिजवी, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली ।

21. मीडिया, शासन और बाजार अरविन्द मोहन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर

22. भारतीयमीडिया व्यवसाय, वनिता कोहली खांडेकर, सेज पब्लिकेशन, मुम्बई ।

23. टीआरपी टीवी न्यूज और बाजार, डॉ. मुकेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

24. हिन्दी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली ।

25. इंटरनेट साहित्यालोचना और जनतंत्र, जगदीश्वर चतुर्वेदी, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली ।

<table>
<tr><td>पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">बी. ए. चतुर्थ वर्ष /
एम. ए. प्रथम वर्ष</td><td>सेमेस्टर – VIII</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम कोड : A010803T</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक :
हिंदी का ज्ञान साहित्य</td></tr>
<tr><td colspan="4"><u>परिलब्धियाँ :</u>
साहित्य के समानांतर हिंदी भाषा में विभिन्न ज्ञानानुशासनों का लेखन समादृत रहा है, लेकिन आज भी ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की विषय सामग्री का हिंदी में अभाव है। विश्वभाषा की ओर अग्रसर हिंदी के लिए आवश्यक है कि वह सार्वभौमिक ज्ञान को अपनी भाषा में उपलब्ध कराए, जिससे पठन-पाठन के क्षेत्र में वैश्विक आकांक्षाओं की प्रतिपूर्ति की जा सके, यह प्रश्नपत्र उक्त लक्ष्य की संप्राप्ति में सहायक होगा।</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75 = 100</td><td>उत्तीर्णांक : 10+30= 40</td></tr>
<tr><td colspan="4">कुल व्याख्यानों की संख्या – 60 घंटे</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="2">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="2">ज्ञान साहित्य : अर्थवत्ता एवं आयाम
1. ज्ञान की अवधारणा
2. ज्ञान और भाषा का अन्तस्संबंध
3. ज्ञान का वर्गीकरण एवं विकास
4. ज्ञान की अर्थ-प्रक्रिया</td><td>15</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="2">हिंदी में ज्ञान साहित्य
1. आदिकालीन साहित्य में ज्ञान विमर्श
2. मध्यकालीन साहित्य में ज्ञान विमर्श
3. आधुनिक काल में ज्ञान साहित्य</td><td>15</td></tr>
</table>

	4. समकालीन ज्ञान साहित्य	
III	**हिंदी में विज्ञान लेखन** 1. विज्ञान लेखन की अवधारणा और हिंदी 2. हिंदी विज्ञान लेखन का स्वरूप 3. हिंदी विज्ञान लेखन का इतिहास 4. हिंदी विज्ञान लेखन की चुनौतियाँ	15
IV	**ज्ञान साहित्य के प्रदेयात्मक व्यक्तित्व** 1. महावीर प्रसाद द्विवेदी 2. राहुल सांकृत्यायन 3. राम विलास शर्मा 4. गुणाकर मुले **5.** देवेन्द्र मेवाड़ी	15

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, स. डॉ. नगेन्द्र, मयूर बुक्स, दिल्ली

2.प्राचीन भारत के महान वैज्ञानिक, गुणाकर मुले, राजकमल प्र.,दिल्ली

3. हिंदी में विज्ञान लेखन : भूत, वर्तमान और भविष्य शिव गोपाल मिश्र, AISECT प्रकाशन

4. हिंदी में विज्ञान लेखन के सौ वर्ष, शिव गोपाल मिश्र, विज्ञान प्रसार, 2003

5. हिंदी में ज्ञान-साहित्य लेखन भाग 1 एवं 2 : प्रो. पूरनचंद टंडन यू ट्यूब चैनल

6. साहित्य और साहित्येतर, वीरेंद्र सिंह, रचना प्रकाशन, जयपुर

7. हिंदी साहित्य ज्ञानकोश, (1 से 7 खंड) प्रधान संपादक शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

8. ज्ञान का ज्ञान, हृदय नारायण दीक्षित, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

9. अतिक्रमणकी अंतर्यात्रा ज्ञान की समीक्षा का एक प्रयास प्रसन्न कुमार चौधरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

10. हिंदीमें विज्ञान लेखन : कुछ समस्याएँ शिव गोपाल प्रकाशन, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

11. विज्ञान की दुनिया – देवेन्द्र मेवाड़ी, नवारुण प्रकाशन, गाजियाबाद

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर – VIII

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A010804T	पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी का वैश्विक परिदृश्य

<u>परिलब्धियाँ :</u>
देश के हिंदीतर क्षेत्रों में हिंदी भाषा एवं साहित्य की व्याप्ति का ज्ञान हो सकेगा। हिंदी और भारतीय संस्कृति के विश्वव्यापी प्रसार, अबाध संचार एवं सार्वभौमिक अकादमिक लेखन हेतु हिंदी को विश्वभाषा का व्यक्तित्व प्राप्तहो सकेगा। इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को हिंदी के वैश्विक स्वरूप का सज्ञान होगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अपूर्व अवसर प्राप्त हो सकेंगे, इसके साथ ही अध्येताओं को हिंदी की वैश्चिक अस्मिता एवं महत्व का परिज्ञान हो सकेगा।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75 = 100	उत्तीर्णांक : 10+30= 40

कुल व्याख्यानों की संख्या – 60 घंटे

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	**भारत के हिंदीतर क्षेत्र : परिचय, कार्यरत संस्थाएँ एवं साहित्यिक योगदान** 1. भारत के हिंदीतर क्षेत्र : परिचय 2. हिंदीतर क्षेत्र में हिंदी के विकास हेतु कार्यरत संस्थाएँ : परिचय एव उपलब्धि 3. भारत के हिंदीतर क्षेत्र : उल्लेखनीय साहित्य सृजन • दक्षिण भारत • उत्तर भारत • पश्चिमी भारत	15

	• पूर्वी भारत	
II	**वैश्विक परिदृश्य में हिंदी की स्थिति** 1. हिंदी की अंतरराष्ट्रीय स्थिति : विकास का स्वरूप एवं चुनौतियाँ 2. विश्व भाषा के प्रतिमान और हिंदी 3. दक्षिण एशियाई देशों में हिंदी 4. भारतवंशी बहुल राष्ट्रों में हिंदी 5. आप्रवासी बहुल देशों में हिंदी	15
III	**विश्व हिंदी के प्रमुख रूप** 1. मारीशस क्रियोली हिंदी, फिजियन हिंदी, सरनामी हिंदी, ताज्जिकी हिंदी, नेटाली हिंदी, त्रिनी हिंदी 2. विदेशों में हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार 3. संयुक्तराष्ट्र में हिंदी 4. हिंदी भाषा का विश्व संदर्भ : कार्यरत संस्थाएँ	15
IV	**विदेशों में हिंदी भाषा एवं साहित्य** 1. विश्व के प्रमुख देश : इंग्लैण्ड, अमेरिका, रूस, चीन, जर्मनी,जापान, फ्रांस में हिंदी 2. विदेशों में हिंदी रचनाकार और प्रसिद्ध रचनाएँ 3. विदेशों में हिंदी अध्यापन का परिदृश्य 4. विश्व हिंदी सम्मेलन : परिकल्पना, उद्देश्य एवं महत्त्व **5.** इंटरनेट पर हिंदी का वैश्विक स्वरूप	15

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य, प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित, नमन प्रकाशन, लखनऊ

2. विश्व में हिंदी, डॉ. प्रेमचन्द, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

3. हिंदी का विश्व संदर्भ, डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्णप्रकाशन, नई दिल्ली ।

4. विश्व बाजार में हिंदी, महिपाल सिंह, देवेन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

5. सूचना क्रान्ति और विश्व-भाषा हिन्दी, प्रो.हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

6. विश्व भाषा हिंदी, आशुतोष शुक्ला, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।

7. विश्वभाषा हिंदी स्थिति और संभावनाएँ, सं. अवधेशमोहन गुप्त, सुशीला श्रावन्ती, अभिरुचि प्रकाशन, दिल्ली ।

8. प्रवासी हिंदी साहित्य और ब्रिटेन, राकेश बी. दुबे, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली ।

9. प्रवासी हिंदी साहित्य दशा एवं दिशा, प्रो.प्र दीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

10. प्रवासी हिंदी साहित्य अवधारणा एवं चिंतन, सं. प्रो. प्रदीप श्रीधर, विद्या प्रकाशन, दिल्ली ।

11. हिंदी का प्रवासी साहित्य, कमल किशोर गोयनका, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली ।

12. वैश्विक हिंदी अस्मिता एवं यथार्थ, प्रो. जी. गोपीनाथन, म.गां.अ.हि.वि.वि.,वर्धा

13. हिन्दी साहित्य को हिन्दीतर प्रदेशों की देन, सं. डॉ. मलिक मोहम्मद, कालीकट विश्वविद्यालय

14. दक्षिण भारत में हिंदी, रमेश शर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर

15. हिंदी का भौगोलिक विस्तार, सुनंदा पाल, भाषा प्रकाशन, दिल्ली

16. हिंदी और हम, विद्यानिवास मिश्र, ग्रन्थ अकादमी, दिल्ली

17. हिंदी में हम, अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

18. विश्व पटल पर हिंदी डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

पाठ्यक्रम	**बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष**	**सेमेस्टर – VIII**
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010805T (वैकल्पिक)	**पाठ्यक्रम शीर्षक : साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन**	
<u>परिलब्धियाँ :</u> रचना की अद्वितीयता के बावजूद तुलनात्मक अध्ययन ज्ञान और अनुभव के गवाक्ष को खोलने के साथ ही कूपमंडूकता और आत्ममुग्धता से मुक्त करते हैं, उक्त के साथ विद्यार्थियों को तुलनात्मक साहित्य के अध्ययनसे संवेदना की सार्वभौमिक सार्वकालिक समतुल्यता की संप्राप्ति हो सकेगी । विद्यार्थियों को		

अनुवाद के महत्त्व बोध और अलग-अलग भाषाओं को सीखने की प्रेरणा प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन से राष्ट्रीय एकता और अंतरराष्ट्रीय सद्भाव को बल मिलेगा।			
क्रेडिट : 04	**पूर्णांक: 25+75 = 100**		**उत्तीर्णांक : 10+30= 40**
कुल व्याख्यानों की संख्या – 60 घंटे			

इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)**
I	**तुलनात्मक अध्ययन की अवधारणा** 1. तुलनात्मक अध्ययन का अर्थ एवं स्वरूप 2. तुलनात्मक अध्ययन का विकास क्रम 3. तुलनात्मक अध्ययन की प्रमुख विशेषताएँ 4. तुलनात्मक अध्ययन के उद्देश्य	15
II	**तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र** 1. क्षेत्रीय साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन 2. राष्ट्रीय साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन 3. विश्व साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन 4. तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद की भूमिका	15
III	**तुलनात्मक अध्ययनके विभिन्न आयाम** 1. तुलनात्मक साहित्य का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य 2. तुलनात्मक साहित्य की अध्ययन पद्धतियाँ 3. तुलनात्मक अध्ययन का विधात्मक आधार 4. तुलनात्मक अध्ययन और साहित्य सिद्धांत	15
IV	**तुलनात्मक अध्ययन के राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिदृश्य** 1. तुलनात्मक अध्ययन और राष्ट्रीय एकीकरण 2. तुलनात्मक अध्ययन के विभिन्न सम्प्रदाय	15

	3. तुलनात्मक अध्ययन और विश्व बंधुत्व 4. तुलनात्मक साहित्य और अन्तरानुशासनिक विवेचन	

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. तुलनात्मक अध्ययन निकष एवं निरूपण, प्रो. आई. एन. चंद्रशेखर रेड्डी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

2. तुलनात्मकसाहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य, इन्द्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. तुलनात्मक अध्ययन भारतीय भाषाएँऔर साहित्य, स. भ.ह.राजूरकर, राजमलबोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

4. तुलनात्मक साहित्य सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य, सं. हनुमानप्रसाद शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. तुलनात्मक साहित्य नगेंद्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

6. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ, उदयभानुसिंह, हरभजनसिह, सं.रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

7. तुलनात्मक अध्ययन स्वरूप और समस्याएँ, डॉ. बी.एच.रजुरकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

8. तुलनात्मक साहित्य अध्ययन की दिशाएँ और संभावनाएँ, डॉ. शेख हसीना, ए. आर.पब्लिशिंग, दिल्ली।

9. भारतीय तुलनात्मक साहित्य, इन्द्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

10. कहानी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ.सी.एम.योहान्नन।

11. तुलनात्मक साहित्य कोश, प्रो.जी.गोपीनाथन, म.गां.अ.हि.वि.वि. वर्धा।

12.भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, डॉ. रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

13. भारतीय साहित्य की भूमिका, डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

14.हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

<table>
<tr><td>पाठ्यक्रम
(शोध परियोजना)</td><td>बी. ए. चतुर्थ वर्ष /
एम. ए. प्रथम वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर – VIII</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम कोड : A010806R
(वैकल्पिक)</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक :
डिजिटल हिंदी : पत्रकारिता एवं साहित्य</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट : 04</td><td>पूर्णांक: 25+75</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td colspan="4"><u>निर्देश:</u>
डिजिटल हिंदी में उपलब्ध पत्रकारिता और हिंदी साहित्य के समस्त रूपों (वेबसाईट, यूट्यूब चैनल, ब्लॉग लेखन, सोशल मीडिया, फेसबुक, ट्विटर इत्यादि पर उपलब्ध) से विभाग द्वारा किसी अनुसंधेय विषय या व्यक्तित्व को आवंटित किया जाएगा, जिस पर छात्र-छात्राओं को उपलब्ध विभिन्न आलोचना, अध्ययन एवं अनुसंधान पद्धतियों के संयोजन से न्यूनतम 8000 शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करना होगा।</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम
(शोध परियोजना)</td><td colspan="2">बी. ए. चतुर्थ वर्ष /
एम. ए. प्रथम वर्ष</td><td>सेमेस्टर – VIII</td></tr>
<tr><td colspan="5">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010807R
(वैकल्पिक)</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक :
साहित्य की प्रायोगिकी</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75</td><td>उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td colspan="5"><u>परिलब्धियाँ :</u>
साहित्यिक पर्यटन से विद्यार्थियों द्वारा साहित्यकार के जन्म एवं कर्म-स्थान तथा देश के विभिन्न साहित्यिक सांस्कृतिक संस्थाओं की उपलब्धियों का संज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा, साहित्यिक अनुवाद से साहित्य को भाषा के बंधन से मुक्त कर सार्वभौमिक स्तर पर सत्यं शिव सुन्दरम की अनुभूति संभव हो सकेगी। एन.ई.पी की आकांक्षा के अनुरूप ज्ञान को क्रियात्मक बनाने के लिए अध्ययन के साथ विद्यार्थियों को शोध का अवसर मिलेगा, जिससे देश और समाज की उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। भाषा, साहित्य और संवेदना के किसी भी बिंदु का सर्वेक्षण साहित्य लेखन में सहायक सिद्ध होगा, कार्यशाला में प्रतिभागिता के माध्यम से प्रभावी कार्य संस्कृति का साक्षात्कार किया जा सकेगा। वाचिक संप्रेषण के द्वारा साहित्य के प्रभावों की पड़ताल संभव होगी और जीवन की आधारभूत और समकालीन समस्याओं को समझा जा सकेगा और विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति क्षमता, सामाजिकता, साहसिकता और प्रभावी संप्रेषण कौशल में विकास होगा, सृजनात्मक लेखन के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता का विकास संभव हो सकेगा। साहित्य के संकलन और संपादन से अज्ञात, अल्पख्यात, अलक्षित (लिखित मौखिक साहित्य और साहित्यकारों की खोज और वर्गीकृत शोध तथा विषय का एकाग्र अध्ययन संपन्न हो सकेगा। नाट्य मंचन द्वारा सामाजिकता की प्राप्ति और साहित्य-सन्देश का प्रसारण संभव हो सकेगा। समाचार की समझ और उसके प्रस्तुतीकरण द्वारा जनता को समस्याओं से निदान और विद्यार्थियों की आर्थिक सक्षमता का विकास होगा। विद्यार्थियों द्वारा आकाशवाणी और दूरदर्शन जैसे माध्यमों सेदेश और समाज की सेवा तथा विद्यार्थियों</td></tr>
</table>

के व्यक्तित्व विकास का अवसर प्राप्त होगा, विद्यार्थियों में कौशल विकास तथा रोजगार की प्राप्ति हेतु विभाग द्वारा सुचिंतित एवं निर्धारित विषय पर प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सक्षम नागरिक बनाया जा सकेगा।

प्रायोगिकी-निर्देश :

प्रस्तुत परियोजना कार्य का मूल्यांकन साक्षात्कार के पूर्व आतंरिक परीक्षक द्वारा एवं साक्षात्कार के समय बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

- **साहित्यिक पर्यटन :** देश की विभिन्न साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाओं और साहित्यकारों के जन्म-स्थान एवं कर्म-स्थान इत्यादि में से किसी एक या एकाधिक का विभाग द्वारा चयन किया जाएगा, यात्रा संपन्न होने के बाद विद्यार्थी न्यूनतम 3000 शब्दों में मूल्यांकन हेतु अपनी रिपोर्ट विभाग में प्रस्तुत करेगा।
- **साहित्यिक अनुवाद :** इसके अंतर्गत विभाग द्वारा विद्यार्थी-विशेष की अभिरुचि एवं क्षमता के दृष्टिगत भारतीय एवं विश्व साहित्य की किसी भी विधा से भाषांतरण का कार्य आवंटित किया जा सकेगा. जिसे न्यूनतम 8000 शब्दों में विभाग में मूल्यांकन हेतु जमा किया जाएगा।
- **शोध पत्र :** विभाग द्वारा नियुक्त निर्देशक के निर्देशन में विद्यार्थी द्वारा शोध पत्र का लेखन कर प्रकाशन कराया जाएगा, जिसमें निर्देशक का नाम द्वितीय लेखक के रूप में रहेगा, जिसे न्यूनतम 4000 शब्दों में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।
- **संगोष्ठी प्रतिभागिता :** विद्यार्थी राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता के लिए विभाग द्वारा नियुक्त निर्देशक के निर्देशन में न्यूनतम 4000 शब्दों में शोध पत्र तैयार कर संगोष्ठी में प्रस्तुत करेगा तथा उक्त प्रमाणपत्र, छायाचित्र और शोध पत्र विभाग में मूल्यांकन हेतु जमा करेगा।
- **भाषा-साहित्य सर्वेक्षण :** विद्यार्थी विभाग द्वारा निर्धारित शिक्षक के निर्देशन में भाषा एवं साहित्य से जुड़े हुए किसी भी मुद्दे पर सर्वेक्षण करेगा, जिसकी इकाई किसी शिक्षण संस्थान,गाँव या मोहल्ले को निर्धारित किया जा सकता है. इस क्रम में सहृदय अभिरुचि, पुस्तक संस्कृति, लेखन की

चुनौतियाँ, लेखकीय जीवन तथा साहित्य को प्रभावित करने वाले कारकों आदि का स्वतः संज्ञान लेकर प्रश्नावली/साक्षात्कार आदि के माध्यम से सर्वे रिपोर्ट मूल्यांकन हेतु न्यूनतम 8000 शब्दों में प्रस्तुत किया जाएगा।

- **कार्यशाला प्रतिभागिता :** विद्यार्थी न्यूनतम त्रिदिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए विभागीय अनुमति प्राप्त करेगा, तदुपरात न्यूनतम 4000 शब्दों में रिपोर्ट तैयार कर प्रतिभागिता प्रमाण पत्र और छायाचित्र के साथ मूल्यांकन हेतु विभाग में प्रस्तुत करेगा।
- **वाचिक संप्रेषण :** विद्यार्थी विभाग द्वारा चयनित विभिन्न विधाओं के साहित्य (कविता-गीत, कहानी, उपन्यास अंश, महाकाव्य खंडकाव्य- अंश इत्यादि) का गाँव मोहल्ले के किसी स्थान व समय का चयन कर प्रभावी ढंग से वाचन करेंगा, जिसकी न्यूनतम 03 घंटे की वीडियोग्राफी और न्यूनतम 3000 शब्दों में मूल्यांकन हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जिसे एक-एक घंटे की तीन प्रस्तुतियों में भी दिया जा सकेगा।

- **सृजनात्मक लेखन :** विभागीय अनुमति से विद्यार्थी द्वारा साहित्य की किसी भी विधा में स्वतंत्र रूप से विषय निर्धारित कर अप्रकाशित मौलिक सृजन कोन्यूनतम 8000 शब्दों में विभाग में मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा।
- **साहित्य-संकलन संपादन :** विभागीय अनुमति सेनिर्देशकके निर्देशन में विद्यार्थी अज्ञात, अल्पख्यात, अलक्षित, लिखित या मौखिक साहित्य का संकलन और संपादन कर विभाग में मूल्यांकन हेतु (न्यूनतम 8000 शब्द) जमा करेगा।

अथवा

विभागीय अनुमति से निर्देशक के निर्देशन में विद्यार्थी प्रकाशित हिंदी साहित्य से निर्धारित विषय बिंदु पर सामग्री संकलन और वर्गीकरण कर संपादन करेगा, जिसकी न्यूनतम शब्द सीमा 8000 होगी। जिसे मूल्यांकन हेतु विभाग में जमा किया जाएगा।

- **न्यूज रिपोर्टिंग /प्रस्तुति :** विद्यार्थी को विभागीय अनुमति से निर्धारित विषय पर टंकित समाचार लेखन की तीन प्रस्तुतियाँ (न्यूनतम 2000 शब्द प्रति प्रस्तुति) या इलेक्ट्रॉनिक रूप में 40 मिनट के तीन वीडियो को सॉफ्ट रूप में पेन ड्राइव में या यूट्यूब चैनल में अपलोड कर लिंक और तीनों प्रस्तुतियों का स्क्रिप्ट विभाग में मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा।
- **आकाशवाणी प्रस्तुति :** विद्यार्थी द्वारा आकाशवाणी के किसी भी कार्यक्रम में प्रतिभाग कर उसकी रिकॉर्डिंग रिपोर्टिंग के साथ (न्यूनतम 3000 शब्दों में) विभाग में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।
- **टेलीविजन प्रस्तुति :** विद्यार्थी द्वारा टेलीविजन के किसी भी कार्यक्रम में प्रतिभाग कर उक्त की सॉफ्ट कॉपी और उसकी रिपोर्टिंग को न्यूनतम 3000 शब्दों में विभाग में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।
- **विभागीय प्रशिक्षण :** विभाग द्वारा आयोजित रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की कार्यशाला में विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकेगा, यह कार्यशाला ब्लॉग लेखन, मोबाइल पत्रकारिता, भाषणकला, वाचन कला, संपादन कला, ई-पत्रिका संपादन, वीडियो एडिटिंग आदि पर आधारित होगी। यह कार्यशाला सप्तदिवसीय और कुल पैंतीस ($7 \times 5 = 35$) घंटे की होगी। प्रतिभागी विद्यार्थी कार्यशाला के प्रत्येक दिवस का सत्रानुसार रपट (न्यूनतम 3000 शब्दों में) विभाग में मूल्यांकन हेतु जमा करेगा।

<table>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर – III</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010901T</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक :
हिंदी काव्य (आदिकाल से रीतिकाल तक)</td></tr>
<tr><td colspan="6"><u>परिलब्धियाँ :</u>
हिंदी काव्य के इस पाठ्यक्रम के अध्ययन द्वारा तत्कालीन समाज, धर्म-दर्शन, वाह्य प्रभाव, लोक चेतना, भारतीय अस्मिता बोध, विश्व दृष्टि और सौन्दर्य बोध का ज्ञान हो सकेगा। इसके अतिरिक्त भारतीय ज्ञान परंपरा के नवनिर्माण और पुनर्सजन का बोध संभव होगा और साहित्य में मनुष्य की केन्द्रीयता का परिचय हो सकेगा।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">चंदवरदायी : पृथ्वीराज रासो - रेवा तट
अमीर खुसरो : पहेलियाँ - तरवर से इक तिरिया, फ़ारसी बोली आईना, एक गुनी ने ये गुन कीना, एक परख है सुंदर मूरत, घूम घुमेला लहुँगा पहिने; मुकरियाँ - लिपट लिपट के, रात समय वह मेरे, नंगे पाँव फिरन नहि देत, ऊँची अटारी पलंग बिछायो, जब माँगू तब जल भरि लावे
(स्रोत हेतु द्रष्टव्य :कविता कोश (kavitakosh.org)</td><td>12</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="4">विद्यापति : विद्यापति की पदावली : संपादक - डॉ. नरेंद्र झा,पद सं. 1-10
कबीर : सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, पद सं. 160-170</td><td>12</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="4">जायसी : जायसी ग्रंथावली (सं. रामचंद्र शुक्ल) मानसरोदक खंड
सूरदास : भ्रमरगीतसार – सं.रामचंद्र शुक्ल, पद सं.21-30</td><td>12</td></tr>
</table>

IV	**तुलसीदास :** रामचरितमानस, उत्तरकाण्ड - 114 ख से अंत तक **बिहारी :** बिहारी सतसई - सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर, दोहा सं. 1 - 20	12
V	**घनानन्द :** घनानन्द कवित्त सं.विश्वनाथ मिश्र,कवित्त सं.1-10 **मीरा :** मीरा - सं. विश्वनाथ त्रिपाठी, 1 - 10 पद	12

<u>**सन्दर्भ ग्रन्थ :**</u>

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

2. पृथ्वीराज रासो की भाषा, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3. रामलाल वर्मा, जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979

4. मुंशीलाल पाठक, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद

5. मध्यकालीन धर्म साधना, डॉ.हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद

6. रामनरेश त्रिपाठी, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग-1), हिन्दी मंदिर, प्रयाग, 1937

7. राजपति दीक्षित, तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953

8. मध्यकालीन काव्य आन्दोलन, डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र

9. सामाजिक समरसता में मुसलमान हिन्दी कवियों का योगदान, डॉ लखनलाल खरे, रजनी प्रकाशन

10. जायसी - विजय देव नारायण साही, हिंदुस्तान अकादमी, इलाहाबाद

11. जायसी - परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी दिल्ली

12. मीरा - कालजयी कवि और उनका काव्य : माधव हाड़ा, राजपाल एंड संस, दिल्ली

13. मध्यकालीन काव्य साधना - रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी

14. हिंदी साहित्य का अतीत - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ल

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – III

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A010902T	पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी गद्य का इतिहास एवं विधाएं (उपन्यास, कहानी, नाटक)

<u>परिलब्धियाँ :</u>

इसके अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी गद्य की सत्ता और उसकी प्रकृति के अभिज्ञान के साथ नाटक और रंगमंच के अंतःसंबंध और उसकी जनोन्मुखता से परिचित हो सकेंगे । उपन्यास और कहानी विधा के माध्यम से व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व की समस्याओं का अवबोधन कर सकेंगे ।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	**हिंदी उपन्यास :** विकास यात्रा, भारतीय उपन्यास की अवधारणा **हिंदी कहानी :** उद्भव और विकास, विविध कहानी आंदोलन **हिंदी नाटक :** उद्भव और विकास; रंगमंच : विकास क्रम	12
II	**उपन्यास :** प्रेमचंद - गोदान **अथवा** श्री लाल शुक्ल - रागदरबारी	12
III	**हिन्दी कहानी - 1** माधवराव सप्रे - एक टोकरी भर मिट्टी प्रेमचंद - ईदगाह चन्द्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था जयशंकर प्रसाद - आकाशदीप	12

	जैनेन्द्र अपना - अपना भाग्य फणीश्वरनाथ रेणु - तीसरी कसम	
IV	**हिन्दी कहानी - 2** शेखर जोशी - कोसी का घटवार भीष्म साहनी - चीफ की दावत कृष्णा सोबती - सिक्का बदल गया ज्ञानरंजन - पिता कमलेश्वर - राजा निरबंसिया निर्मल वर्मा - परिंदे	12
V	**नाटक :** जय शंकर प्रसाद - ध्रुवस्वामिनी **अथवा** मोहन राकेश - आषाढ़ का एक दिन	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ, डॉ. राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, डॉ. राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

4. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास, लोकभारती प्र. इलाहाबाद

5. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ. लाल चंद्र गुप्त 'मंगल', हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला

6. हिंदी नवजागरण और वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ.विवेक शंकर

7. साहित्य में बाहय प्रभाव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

8. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

9. साहित्य क्यों ?, विजय देव नारायण साही, प्रदीपन एकांश, इलाहाबाद

10. आधुनिकता के बारे में तीन अध्याय, धनंजय वर्मा

11. आधुनिकताके प्रतिरूप, धनंजय वर्मा

12. आधुनिकता के पहलू, विपिन अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

13. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य, डॉ.राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

14. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

15. गोदान का मूल्यांकन सत्यप्रकाश मिश्र 16- प्रेमचंद और उनका युग, राम विलास शर्मा, राजकमल प्र. दिल्ली

17. कहानी, नई कहानी नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

18. हिंदी कहानी का इतिहास गोपाल राय, राजकमल प्र. दिल्ली

<table>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर – III</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010903T (वैकल्पिक)</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक :
विशेष अध्ययन : कबीरदास</td></tr>
<tr><td colspan="6"><u>परिलब्धियाँ :</u>
इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">• भक्ति आन्दोलन और कबीर
• कबीर का जीवन वृत्त : मिथक एवं ऐतिहासिकता</td><td>12</td></tr>
</table>

II	• कबीर की रचनाओं की विभिन्न पाठ परम्पराएँ और उनकी प्रामाणिकता • कबीर की कृतियों का आलोचनात्मक अध्ययन	12
III	• कबीर ग्रंथावली के चयनित 60 पद : पद - 1, 2, 4, 5, 6, 7, 10, 11, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 23, 25, 27, 28, 29, 31, 32, 34, 36, 37, 39, 41, 43, 50, 54, 56, 61, 66, 67, 68, 70, 83, 87, 102, 107, 108, 114, 120, 124, 126, 127, 128, 131, 145, 161, 162, 163, 167, 170, 174, 178, 191, 194, 199, 200 = 60 पद । • साखी क. परचा कौ अंग ख. सुमिरन भजन महिमा कौ अंग ग. पिउ पहिचानवे कौ अंग (कबीर ग्रन्थावली- (सं0) डॉ० पारसनाथ तिवारी)	12
IV	• कबीर की विचारधारा दार्शनिक, सामाजिक, धार्मिक, भक्तिपरक, साधनापरक	12
V	• कबीर का काव्य, उसकी लोकधर्मी परंपरा, भावाभिव्यक्ति की शैली तथा अन्य विशेषताएँ • कबीर के काव्य का कलापक्ष - छंद, अलंकार, उलटबाँसी और उसका अर्थ संधान • कबीर की भाषा के विविध रूप : मूलाधार बोली, अभिव्यंजना पक्ष	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. रामकुमार वर्मा : कबीर का रहस्यवाद
2. परशुराम चतुर्वेदी : उत्तरी भारत की संत परम्परा
3. सरनाम सिंह शर्मा : कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त
4. माताबदल जायसवाल : कबीर की भाषा
5. नजीर मुहम्मद : कबीर के काव्य रूप रामचन्द्र तिवारी
6. गोविन्द त्रिगुणायत : कबीर की विचारधारा

7. रामचन्द्र तिवारी : कबीर मीमांसा
8. जयदेव सिंह (संपा०) : संत कवि कबीर
9. जयदेव सिंह : हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर
10. भवानीदत्त उप्रेती : संत कवि कबीर
11. रघुवंश : कबीर : एक नयी दृष्टि
12. रामकिशोर शर्मा : कबीर वाणी : कथ्य और शिल्प
13. धर्मवीर : कबीर के आलोचक
14. धर्मवीर : कबीर के कुछ और आलोचक
15. धर्मवीर : कबीर खसम खुशी क्यों होय ?

<table>
<tr><td>पाठ्यक्रम</td><td>एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर – III</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम कोड : A010904T (वैकल्पिक)</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक :
विशेष अध्ययन : जायसी</td></tr>
<tr><td colspan="4"><u>परिलब्धियाँ :</u>
इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे।</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट : 04</td><td>पूर्णांक: 25+75</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
</table>

इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)**
I	**भक्ति आंदोलन और जायसी :** 1. जायसी और सूफी विचारधारा 2. जायसी का जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व 3. मध्यकालीन साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष	12

	4. सूफी मत और जायसी	
II	**जायसी की प्रेम साधना :** 1. प्रेम भक्ति साधना और जायसी 2. इस्लाम का एकेश्वरवाद और भारतीय धर्म साधना का अद्वैतवाद : रूपगत और दृष्टिगत भेद	12
III	**सूफी दर्शन की रहस्य साधना का पक्ष और जायसी :** 1. रहस्यवाद की व्याख्या 2. उपास्य रूपक प्रेमतत्व 3. भावमूलक रहस्यवाद 4. अभिव्यक्ति मूलक रहस्यवाद	12
IV	**जायसी की काव्य कला और सौन्दर्य दृष्टि :** 1. जायसी की काव्य भाषा 2. सूफी कवियों का शिल्पगत वैशिष्ट्य और जायसी 3. जायसी की सौन्दर्य दृष्टि	12
V	**जायसी काव्य का व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ :** 1. **पद्मावत :** 1. सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड, 2. सुआ खण्ड, 3. प्रेम खण्ड, 4. नागमती वियोग खण्ड 2. **जायसी ग्रंथावली -** (संपा०) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. गोविन्द त्रिगुणायत : कबीर और जायसी के रहस्यवाद का तुलनात्मक अध्ययन
2. चन्द्रबली पाण्डेय : तसव्वुफ अथवा सूफीमत
3. रामचंद्र तिवारी : मध्यकालीन काव्य साधना
4. हजारीप्रसाद द्विवेदी : मध्यकालीन धर्म साधना

5. वासुदेव शरण अग्रवाल : पद्मावत (मूल और संजीवनी व्याख्या)
6. शिवसहाय पाठक : पद्मावत का काव्य सौन्दर्य
7. इन्द्रचन्द्र नारंग : पद्मावत का ऐतिहासिक आधार
8. परशुराम चतुर्वेदी : भारतीय प्रेमाख्यान परंपरा
9. मुंशीराम शर्मा : भक्ति का विकास
10. सत्येन्द्र : मध्ययुगीन हिंदी साहित्य का लोकतांत्रिक अध्ययन
11. श्याम मनोहर पाण्डेय : मध्ययुगीन प्रेमाख्यान
12. गुलाब राय, शम्भूनाथ पाण्डेय : रहस्यवाद और हिंदी कविता
13. रामपूजन तिवारी : सूफीमत साधना और साहित्य
14. जयदेव : सूफी महाकवि जायसी
15. विमल कुमार जैन : सूफीमत और हिंदी साहित्य
16. कमल कुलश्रेष्ठ : हिंदी प्रेमाख्यानक काव्य
17. रघुवंश : जायसी एक नई दृष्टि
18. विजयदेव नारायण साही : जायसी

<table>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर – III</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010905T (वैकल्पिक)</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक :
विशेष अध्ययन : सूरदास</td></tr>
<tr><td colspan="6"><u>परिलब्धियाँ :</u>
इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे I</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="4">भक्ति आन्दोलन और सूरदास
(क) मध्य युग : सामाजिक अवस्था और भक्ति आंदोलन
(ख) वैष्णव आचार्य में आचार्य बल्लभ का स्थान
(ग) शुद्धाद्वैत दर्शन और पुष्टिमार्गीय भक्ति संप्रदाय
(घ) वल्लभ संप्रदाय तथा अन्य कृष्ण भक्त</td><td>12</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="4">कृष्ण भक्ति परम्परा और सूरदास
1. कृष्ण भक्ति-साहित्य की परंपरा
2. अष्टछाप और सूरदास
3. सुरदास का जीवन चरित्र : अंतःसाक्ष्य और बहिर्साक्ष्य जनश्रुति
4. सूरदास की रचनाएँ और उनकी प्रामाणिकता
5. हिन्दी कृष्ण काव्य परम्परा में सूरदास का स्थान</td><td>12</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="4">सूरदास की भक्ति : दार्शनिक और वैचारिक आधार
1. सूरसागर पर श्रीमद्भागवत तथा अन्य पुराणों का प्रभाव और मौलिकता</td><td>12</td></tr>
</table>

	2. सूरदास की प्रबंध कल्पना कृष्णलीला, विविध कथाएँ	
IV	**सूर की काव्य कला** 1. सूर की पात्र कल्पना 2. सूर की गीत योजना 3. सूर की भावाभिव्यंजना 4. सूर का वर्णन कौशल और सौन्दर्य सृष्टि 5. सूर की भाषा- शैली और उसके विविध रूप 6. सूर की अलंकार योजना, छंद-विधान	12
V	**सूरसागर से निर्धारित पाठ :** 1. सूरदास की हस्तलिखित प्रतियाँ, मुद्रित संस्करण, उसके पाठ की समस्या, उनका सामान्य रूप। 2. सूरसागर : व्याख्या हेतु निर्धारित 60 पद (धीरेन्द्र वर्मा सं० सूरसागर सार) • विनय तथा भक्ति- 20 पद : 1, 2, 4, 11, 12, 18, 19, 21, 22, 23, 24, 25, 32, 39, 42, 44, 45, 46, 48, 54 • गोकुल लीला- 10 पद : 6, 7, 13, 16, 18, 19, 25, 33, 35, 56 • वृन्दावन लीला - 10 पद : 38, 42, 50, 79, 86, 145,151, 156, 160, 166 • मथुरा गमन - 10 पद : 56, 60, 62, 64, 68, 87, 93, 101, 104, 111 • उद्धव संदेश - 10 पद : 49, 60, 65, 77, 95, 97, 102, 127, 136, 139	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. नन्द दुलारे वाजपेयी : सूरदास
2. रामचन्द्र शुक्ल (सं०) : भ्रमरगीत सार
3. प्रभु दयाल मीतल : अष्टछाप निर्णय
4. विजयेन्द्र स्नातक : बल्लभ सम्प्रदाय: सिद्धान्त और साहित्य

5. हरवंश लाल शर्मा : सूर और उनका काव्य
6. सावित्री श्रीवास्तव : नाभादास कृत भक्तमाल तथा प्रियादास कृत टीका का पाठालोचन
7. ब्रजेश्वर वर्मा : सूरदास
8. मनमोहन गौतम : सूर की काव्यकला
9. विद्वलनाथ : भक्तिहंस (अनु. केदानाथ)
10. हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूर साहित्य
11. मीरा श्रीवास्तव : कृष्ण काव्य में सौन्दर्य बोध एवं रसानुभूति
12. नगेन्द्र (सं०) : सूरदासः ए रिवैल्यूएशन
13. लक्ष्मी शंकर निगम : श्रीबल्लभाचार्य : उनका शुद्धाद्वैत एवं पुष्टिमार्ग
14. राजेन्द्र कुमार वर्मा (संपा०) : सूरसागर भाष्य
15. रमेश कुंतल मेघ : मनखंजन किनके

पाठ्यक्रम	**एम. ए.** **द्वितीय वर्ष**	**सेमेस्टर – III**
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010906T (वैकल्पिक)	**पाठ्यक्रम शीर्षक :** **विशेष अध्ययन : तुलसीदास**	
परिलब्धियाँ : इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे।		
क्रेडिट : 04	**पूर्णांक: 25+75**	**उत्तीर्णांक : 40**
इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों की संख्या**

		(घंटो में)
I	**भक्ति आन्दोलन और तुलसीदास** 1. भक्ति आंदोलन का उद्भव और विकास 2. तुलसीदास का कवि व्यक्तित्व : सीमाएँ तथा विशेषताएँ 3. मध्ययुगीन चिंताधारा और तुलसी की जीवन दृष्टि	12
II	**तुलसीदास की दार्शनिक विचारधारा और भक्ति** 1. तुलसीदास के विचारों की सामाजिक पृष्ठभूमि 2. तुलसीदास का भक्ति दर्शन 3. विविध भक्ति संप्रदाय तथा तुलसी की दास्य भक्ति	12
III	**राम काव्य परंपरा और तुलसीदास** 1. राम कथा की आधारभूत सामग्री और उसके ग्रहण का दृष्टिकोण 2. तुलसीदास के जीवन वृत्त की सामग्री और प्रामाणिकता की समस्या 3. तुलसीदास की रचनाओं का अनुशीलन प्रामाणिकता, तिथिक्रम और पाठ की दृष्टि से 4. तुलसीदास की अन्य कृतियों का आलोचनात्मक अध्ययन 5. तुलसीदास द्वारा प्रयुक्त काव्य शैलियाँ तथा काव्य रूप	12
IV	**तुलसीदास की काव्य कला और भक्ति धारा में स्थान** 1. तुलसीदास और काव्य-शिल्प का विधान : रस, छंद, अलंकार 2. तुलसीदास द्वारा प्रयुक्त भाषा के विविध रूप 3. तुलसीदास की पात्र कल्पना और चरित्र चित्रण 4. तुलसी की मौलिकता 5. भक्ति काव्यधारा में तुलसी का योगदान	12
V	**रामचरितमानस : व्याख्या एवं आलोचना** 1. निर्धारित पाठ : सम्पूर्ण अयोध्याकाण्ड 2. कवितावली (उत्तरकाण्ड) : निर्धारित पाठ 31, 33, 37, 57, 60, 72, 73,	12

	96, 97, 106, 108, 129, 144, 148, 153, 156, 166, 169, 176 177 = कुल 20 पद 3. विनयपत्रिका : निर्धारित पाठ : 73, 85, 87, 88, 90, 101, 102, 105, 111, 115, 121, 156, 162, 169, 172, 188, 198, 275, 277, 279 = कुल 20 पद	

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. रामचन्द्र शुक्ल : गोस्वामी तुलसीदास
2. माताप्रसाद गुप्त : तुलसीदास
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : तुलसी की साधना
4. कामिल बुल्के : रामकथा
5. राजपति दीक्षित : तुलसीदास और उनका युग
6. रमेश कुंतल मेघ : तुलसी : आधुनिक वातायन से
7. विश्वनाथ त्रिपाठी : लोकवादी तुलसीदास
8. युगेश्वर : तुलसीदास : आज के संदर्भ में
9. योगेन्द्र प्रताप सिंह : मानस के रचना शिल्प का विश्लेषण
10. उदयभानु सिंह : तुलसी दर्शन मीमांसा
11. उदयभानु सिंह : तुलसी काव्य मीमांसा
12. विष्णुकान्त शास्त्री : तुलसी के हिय हेरि
13. नगेन्द्र : तुलसीदास हिज माइण्ड एंड आर्ट
14. रामविलास शर्मा : भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास

पत्रिकाएं :

वाक का तुलसी विशेषांक (प्रवेशांक), बहुवचन, हंस

<table>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम</td><td>एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td>सेमेस्टर – III</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम कोड : A010907T (वैकल्पिक)</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक :
विशेष अध्ययन : जयशंकर प्रसाद</td></tr>
<tr><td colspan="4"><u>परिलब्धियाँ :</u>
इस प्रशनपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 04</td><td>पूर्णांक: 25+75</td><td>उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="2">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="2">प्रसाद का जीवन वृत्त एवं रचना संसार
1. प्रसाद का जीवन वृत्त
2. प्रसाद साहित्य का संक्षिप्त परिचय
3. प्रसाद की जीवन दृष्टि और भारतीय दर्शन</td><td>12</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="2">छायावादी काव्यांदोलन और जयशंकर प्रसाद
1. प्रसाद का काव्य : 'कामायनी' और 'आंसू का विशेष अध्ययन
2. कामायनी से निर्धारित पाठ-काम, लज्जा एवं आनन्द सर्ग
3. आंसू का संपूर्ण पाठ</td><td>12</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="2">प्रसाद का नाट्य लेखन और रंगदर्शन
1. प्रसाद के नाटक : 'स्कन्दगुप्त' एवं 'चन्द्रगुप्त' का विशेष अध्ययन</td><td>12</td></tr>
<tr><td>IV</td><td colspan="2">प्रसाद का कथा एवं कथेतर साहित्य
1. प्रसाद का कथा साहित्य एवं निबन्ध : 'कंकाल' और 'काव्यकला और अन्य निबन्ध का विशेष अध्ययन</td><td>12</td></tr>
</table>

	2. कहानी : आकाशदीप, मधुवा, गुंडा 3. छायावाद, आधुनिक साहित्य और प्रसाद	
V	**प्रसाद का आलोचनात्मक गद्य** 1. काव्य और कला, रहस्यवाद, यथार्थवाद और छायावाद सम्बन्धी प्रसाद के विचार 2. प्रसाद की रंगमंच सम्बन्धी मान्यताएँ 3. प्रसाद की अन्य आलोचनाएँ	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. नन्ददुलारे वाजपेयी : जयशंकर प्रसाद
2. मुक्तिबोध : कामायनी : एक पुनर्विचार
3. नगेन्द्र : कामायनी के अध्ययन की समस्या
4. प्रेमशंकर : प्रसाद का काव्य
5. सिद्धनाथ कुमार : प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन
6. रामलाल सिंह : कामायनी – अनुशीलन
7. वेदज्ञ आर्य : कामायनी की पारिभाषिक शब्दावली
8. गोविन्द चातक : प्रसाद के नाटकों का स्वरूप और संरचना
9. गिरीश रस्तोगी एवं जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव : प्रसाद का कथा साहित्य
10. गिरिजा राय : कामायनी की आलोचना प्रक्रिया
11. अनूप कुमार : प्रसाद की रचनाओं में संस्करणगत परिवर्तनों का अध्ययन
12. सूर्यप्रसाद दीक्षित : प्रसाद का गद्य
13. कृपाशंकर पाण्डेय : छायावाद की खड़ीबोली और प्रसाद
14. प्रभाकर श्रोत्रिय : जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – III

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A010908T (वैकल्पिक)	पाठ्यक्रम शीर्षक : विशेष अध्ययन : निराला

<u>**परिलब्धियाँ :**</u>

इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	1. निराला का जीवन वृत्त एवं युग संदर्भ 2. निराला साहित्य का परिचय 3. छायावादी काव्य और निराला 4. निराला काव्य की विकास यात्रा : छायावादी काव्य चेतना, छायावाद से प्रगतिवाद की ओर, प्रपत्तिभाव की कविताएँ 5. निराला की कविताओं में स्वाधीन भारत का बिम्ब	12
II	1. नवजागरण और निराला का इतिहास 2. निराला के काव्य में मिथकों का पुनर्पाठ 3. निराला की विद्रोही व क्रांतिकारी चेतना 4. मनुष्य की मुक्ति से लेकर कविता की मुक्ति तक : निराला के काव्य में मुक्तिकामी चेतना 5. निराला की कविताओं में अध्यात्म और वेदान्त	12
III	1. निराला का समकालीनता-बोध 2. समकालीन प्रश्नों के बीच निराला का साहित्य : एक मूल्यांकन	12

	3. निराला की काव्य-संवेदना, शिल्प और भाषा 4. निराला की सांस्कृतिक चेतना 5. निर्धारित कविताएँ (व्याख्या एवं मूल्यांकन हेतु) : जुही की कली, आवाहन, बादल राग (1, 5 और 6), मौन, प्रिया के प्रति, वर दे वीणावादिनी, नयनों के डोरे लाल गुलाब भरे, प्रिय यामिनी जागी, जला दे जीर्ण-शीर्ण प्राचीन, तुलसीदास, शिवाजी के प्रति पत्र, तोड़ती पत्थर, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता गहन है यह अंधकारा, संत कवि रविदास जी के प्रति, मरण को जिसने वरा है, जल्द जल्द पैर बढ़ाओ, राजे ने अपनी रखवाली की, मंहगू महंगा रहा, शिशिर की शर्वरी, आशा-आशा मरे, निविड़ विपिन पथ अराल, मरा हूँ हजार मरण, गीत गाने दो मुझे, सुख का दिन डूबे डूब जाय, ऊँट बैल का साथ हुआ है, मानव जहाँ बैल घोड़ा है, पत्रोत्कंठित जीवन का विष बुझा हुआ है। निर्धारित पुस्तक - निराला संचयन, (संपा०) विवेक निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	
IV	1. निराला का गद्य जीवन-संग्राम का आख्यान 2. निराला का कथा साहित्य : हाशिए के समाज की कथा 3. निराला के उपन्यास जीवन चरित के आख्यान 4. निराला की कथा भाषा 5. निराला के कथा साहित्य में दलित और स्त्री-प्रश्न निर्धारित पाठ (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन हेतु) (क) कहानियाँ : देवी, ज्योतिर्मयी, चतुरी चमार, राजा साहब को ठेंगा दिखाया (निराला संचयन' में संकलित) (ख) उपन्यास - निरूपमा, कुल्ली भाट (राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित)	12
V	1. छायावादी कवियों का आलोचनात्मक /वैचारिक गद्य	12

	2. निराला की आलोचना दृष्टि : कविता की बहसें, सामाजिक-सांस्कृतिक प्रश्नों पर निराला का वैचारिक लेखन 3. निराला के आलोचनात्मक लेखन में कला और विचारधारा 4. निराला के आलोचनात्मक प्रतिमान 5. निर्धारित लेख (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन हेतु) • कवि और कविता, साहित्य की समतल भूमि, मेरे गीत और कला, परिमल की भूमिका, मुसलमान और हिंदू कवियों में विचार-साम्य, बाहरी स्वाधीनता और स्त्रियां। (निराला संचयन में संकलित)	

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना (खण्ड-3)
2. नंददुलारे वाजपयी : कवि निराला
3. बच्चन सिंह : निराला का काव्य : औपनिवेशिक और उत्तर औपनिवेशिक समय
4. दूधनाथ सिंह : निराला : आत्महंता आस्था
5. नंदकिशोर नवल : निराला की छवियां
6. नंदकिशोर नवल : निराला : कृति से साक्षात्कार
7. भवदेव पाण्डेय : एवम् निराला
8. तरुण कुमार : निराला की विचारधारा और विवेकानंद
9. संध्या सिंह : निराला के काव्य का राजनीतिक संदर्भ
10. राजेन्द्र कुमार (संपा०) : स्वाधीनता की अवधारणा और निराला
11. ए० अरविंदाक्षण (संपा०) : निराला : एक पुनर्मूल्यांकन

12. धनंजय वर्मा : निराला काव्य का पुनर्मूल्यांकन

13. रेखा खरे : निराला की कविताएं और काव्यभाषा

14. शशिकला राय : समय के साक्षी : निराला

15. विवेक निराला : निराला साहित्य में प्रतिरोध के स्वर

16. संतोष भदौरिया : हिन्दी की लम्बी कविता का कद

<table>
<tr><td>पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td>सेमेस्टर – III</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम कोड : A010909T (वैकल्पिक)</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक :
विशेष अध्ययन : अज्ञेय</td></tr>
<tr><td colspan="4"><u>परिलब्धियाँ :</u>
इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे।</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75</td><td>उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td>इकाई</td><td>विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)</td></tr>
<tr><td>I</td><td>• अज्ञेय : जीवन वृत्त
• अज्ञेय की रचना यात्रा : कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, यात्रावृत्त, संस्मरण, ललित निबंध, आलोचना एवं संपादन
• अज्ञेय साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्रोत : बौद्ध दर्शन, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद, मनोविश्लेषणवाद, टी०एस० इलियट के साहित्य सिद्धान्त, नवरहस्यवाद एवं अन्य प्रभाव</td><td>12</td></tr>
<tr><td>II</td><td>• अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या व्यक्तित्व व सृजनात्मकता,</td><td>12</td></tr>
</table>

	रचना प्रक्रिया, भाषा व सप्रेषण की समस्या, भाषा और अनुभूति का अद्वैत, मौन विभाजन । • अज्ञेय की सभ्यता समीक्षा : रचना और जीवन दृष्टि, मनुष्य प्रकृति और यंत्र, व्यक्ति, परम्परा राजसत्ता और समाज, व्यक्ति स्वातंत्र्य के अर्थ, प्रेम और मृत्यु, प्रेम और स्वाधीनता । • ललित निबंध : शब्द, मौन, अस्तित्व, सावन किस रुत आयेगा ।	
III	• अज्ञेय और 'नई कविता' • अज्ञेय की आलोचना दृष्टि • आलोचनात्मक लेख : 'तारसप्तक' की भूमिका, सर्जना के क्षण ।	12
IV	• उपन्यास का नया विधान • कथा शिल्प के नए प्रयोग और अज्ञेय • कथा साहित्य : व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ, अपने-अपने अजनबी (उपन्यास), कोठरी की बात (कहानी)	12
V	• **व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएँ :** 1. शिशिर के प्रति (भग्नदूत), 2. हरी घास पर क्षण भर, 3. देखती है दीठ (हरी घास पर क्षण भर), 4. कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, 5. बावरा अहेरी (शरणार्थी), 6. यह मुकुट तुम्हारा, 7. असाध्य वीणा, 8. द्वितीया	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. शम्भुनाथ : मिथक और आधुनिक कविता
2. रामदरश मिश्र : आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक सन्दर्भ
3. शम्भुनाथ : कवि की नई दुनिया
4. प्रणय कृष्ण : अज्ञेय का काव्य प्रेम : प्रेम और मृत्यु
5. संजय कुमार : अज्ञेय : प्रकृति काव्य और काव्य प्रकृति
6. रामस्वरूप चतुर्वेदी : अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या
7. ओम थानवी (संपा०) : अपने अपने अज्ञेय, भाग-1 एवं 2
8. विनोद कुमार मंगलम : अज्ञेय और पाश्चात्य साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन
9. प्रयाग पथ (पत्रिका) : अज्ञेय विशेषांक

पाठ्यक्रम	**एम. ए.** **द्वितीय वर्ष**	**सेमेस्टर – III**
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010910T (वैकल्पिक)	**पाठ्यक्रम शीर्षक :** **विशेष अध्ययन : मुक्तिबोध**	
<u>परिलब्धियाँ :</u> इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे।		
क्रेडिट : 04	**पूर्णांक: 25+75**	**उत्तीर्णांक : 40**

इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)**
I	• मुक्तिबोध : जीवन वृत्त और रचनात्मक संघर्ष • नयी कविता आन्दोलन और मुक्तिबोध	12

	• मुक्तिबोध : कला और विचारधारा का द्वन्द्व	
II	• यथार्थ और फैण्टेसी : मुक्तिबोध के काव्य की रचना प्रक्रिया • मुक्तिबोध की काव्यानुभूति की बनावट	12
III	**मुक्तिबोध की लम्बी कविताएं : जटिल यथार्थ की समग्र अभिव्यक्ति** **निर्धारित पाठ :** क. कविताएं- पूंजीवादी समाज के प्रति, लाल सलाम, भूरी भूरी खाक धूल, जड़ीभूत ढांचों से लड़ेंगे, अंतःकरण का आयतन, चकमक चिनगारियां, चांद का मुंह टेढ़ा है, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में, लकड़ी का रावण, भूल गलती, एक आत्म वक्तव्य, चम्बल की घाटी में।	12
IV	**निर्धारित पाठ :** ख. कहानियां ब्रह्मराक्षस का शिष्य, क्लाड इथरली, विपात्र (लम्बी कहानी) ।	12
V	**निर्धारित पाठ :** ग. आलोचनात्मक लेख/ निबंध - साहित्यिक की डायरी, नयी कविता का आत्म संघर्ष, समाज और साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य का सौन्दर्य पक्ष, वस्तु और रूप (1 से 4 तक)	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. अशोक चक्रधर : मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया
2. डॉ० रामविलास शर्मा : नयी कविता और अस्तित्ववाद
3. नामवर सिंह : कविता के नये प्रतिमान
4. चंचल चौहान : मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब
5. नंदकिशोर नवल : मुक्तिबोध : कवि छवि
6. कृष्ण मोहन : मुक्तिबोध : स्वप्न और संघर्ष
7. राखी राय हाल्दार : आधुनिकता की भाषा और मुक्तिबोध

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – III
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010911T (वैकल्पिक)	पाठ्यक्रम शीर्षक : विशेष अध्ययन : प्रेमचंद	

परिलब्धियाँ :

इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	• प्रेमचंद की जीवनी और रचनाएं • प्रेमचन्द की विचारधारा, जीवन-दर्शन	12
II	प्रेमचंद के उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या : रंगभूमि	12
III	प्रेमचंद के उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या : कर्मभूमि	12
IV	**प्रेमचंद की कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या** क. पंच परमेश्वर, पूस की रात, स्वत्वरक्षा, ब्रह्म का स्वांग और मनोवृत्ति ख. ठाकुर का कुआं, सद्गति, दूध का दाम और कफन	12
V	• प्रेमचंद के निबन्धों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या • पुराना जमाना नया जमाना, साहित्य का उद्देश्य • साम्प्रदायिकता और संस्कृति, महाजनी सभ्यता	12

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. जैनेन्द्र कुमार : प्रेमचंद : एक कृति व्यक्तित्व

2. नन्ददुलारे वाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना

3. अमृतराय : कलम का सिपाही

4. अमृतराय : प्रेमचंद की प्रासंगिकता

5. शिवरानी देवी : प्रेमचंद : घर में

6. रामविलास शर्मा : प्रेमचंद और उनका युग

7. कल्याणमल लोढ़ा : प्रेमचंद परिचर्चा

8. राजेश्वर गुरु : गोदान

9. इन्द्रनाथ मदान : गोदान

10. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : प्रेमचंद

11. शैलेश जैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा : नव मूल्यांकन

12. शैलेश जैदी : गोदान : एक नव्य दृष्टि

13. कमलकिशोर गोयनका : प्रेमचंद साहित्यकोष

14. कमलकिशोर गोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान

15. कमलकिशोर गोयनका : प्रेमचंद की कहानियों का कालक्रमानुसार अध्ययन

16. सदानंद शाही : दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद

17. नन्दकिशोर नवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र

18. रामवक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान

19. कमल कोठारी, जियपाल सिंह : प्रेमचंद के पात्र

20. मदन गोपाल : कलम का मजदूर

21. शम्भुनाथ : प्रेमचंद : एक पुनर्मूल्यांकन

22. आलोक राय, मुश्ताक अली : समक्ष प्रेमचंद

23. धर्मवीर : प्रेमचंद की नीली आंखें

24. धर्मवीर : प्रेमचंद : सामंत का मुंशी

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – III
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010912T (वैकल्पिक)	पाठ्यक्रम शीर्षक : विशेष अध्ययन : रामचंद्र शुक्ल	
परिलब्धियाँ : इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे।		
क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	• आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : जीवन वृत्त एवं रचना कर्म • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल से पूर्व हिंदी आलोचना, निबंध एवं हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की स्थिति	12
II	**आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना** • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के काव्य सिद्धांत • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का रस-सिद्धान्त • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और आई०ए० रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्तों की तुलना • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और परवर्ती हिंदी आलोचना	12
III	**आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी निबंध** आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या - • भाव या मनोविकार संबंधी निबंध भाव या मनोविकार, उत्साह, लोभ और प्रीति, क्रोध • आलोचनात्मक निबंध : काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था,	12

	साधारणीकरण, व्यक्ति-वैचित्र्यवाद, काव्य में रहस्यवाद, रसात्मक बोध के विविध रूप	
IV	**आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन** • इतिहास-दृष्टि एवं साहित्येतिहास दृष्टि का अंतर • हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन और आचार्य शुक्ल की इतिहास दृष्टि • शुक्लोत्तर इतिहास लेखन और आचार्य समचन्द्र शुक्ल • आचार्य शुक्ल की इतिहास दृष्टि की प्रासंगिकता	12
V	• आचार्य शुक्ल का स्फुट लेखन • आचार्य शुक्ल का काव्य सृजन • आचार्य शुक्ल का कहानी लेखन • आचार्य शुक्ल का संस्मरणात्मक लेखन	12

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. चंद्रशेखर शुक्ल : रामचन्द्र शुक्ल जीवन और कृतित्व
2. रामविलास शर्मा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
3. रामचन्द्र शुक्ल : चिन्तामणि, भाग 1, भाग 2 और भाग 3 - 4
4. रामचन्द्र शुक्ल : विश्व प्रपंच
5. रामचन्द्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
6. नलिन विलोचन शर्मा : साहित्य का इतिहास - दर्शन
7. नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना
8. गुलाब राय, विजयेंद्र स्नातक : रामचन्द्र शुक्ल
9. नीलकांत : रामचन्द्र शुक्ल
10. रामचन्द्र शुक्ल : रस-मीमांसा
11. रामचन्द्र शुक्ल : जायसी ग्रन्थावली
12. रामचन्द्र शुक्ल : तुलसीदास
13. रामचन्द्र शुक्ल : सूरदास

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – III

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A010913T (वैकल्पिक)	पाठ्यक्रम शीर्षक : विशेष अध्ययन : हजारी प्रसाद द्विवेदी

परिलब्धियाँ :

इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी विशेष अध्ययन के रूप में किसी एक साहित्यकार का चयन करते हुए उनका सांगोपांग अध्ययन कर उनके साहित्यिक प्रदेय और जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार कर सकेंगे।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	• हजारी प्रसाद द्विवेदी : जीवन वृत्त एवं रचना कर्म • हजारी प्रसाद द्विवेदी से पूर्व हिंदी आलोचना, निबंध एवं हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की स्थिति	12
II	**हजारी प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी आलोचना** • हजारी प्रसाद द्विवेदी के काव्य सिद्धांत • हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य विषयक चिंतन • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी के काव्य सिद्धान्तों की तुलना • हजारी प्रसाद द्विवेदी और परवर्ती हिंदी आलोचना	12
III	**हजारी प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी निबंध** हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या - • ललित निबंध : कुटज, अशोक के फूल, देवदारु, नाखून क्यों बढ़ते हैं, शिरीष के फूल • आलोचनात्मक ग्रन्थ : कबीर	12

IV	**हजारी प्रसाद द्विवेदी और उनके उपन्यास :** • बाणभट्ट की आत्मकथा **अथवा** • अनामदास का पोथा	12
V	• हजारी प्रसाद द्विवेदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व : संदर्भित पुस्तकें • व्योमकेश दरवेश • दूसरी परंपरा की खोज	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी ग्रंथावली खंड 1 से 12, राजकमल प्र०, नयी दिल्ली
2. सूर साहित्य
3. हिंदी साहित्य की भूमिका
4. प्राचीन भारत के कलात्मक विनोद
5. कबीर
6. नाथ संप्रदाय
7. हिंदी साहित्य का आदिकाल
8. साहित्य का मर्म
9. हिंदी साहित्य का आदिकाल
10. हिंदी साहित्य की भूमिका
11. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास
12. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्र०, नयी दिल्ली
13. हिंदी आलोचना – शिखरों का साक्षात्कार, राम चन्द्र तिवारी
14. हिंदी का गद्य साहित्य, राम चन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्र० वाराणसी
15. हजारी प्रसाद द्विवेदी - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, साहित्य अकादमी, दिल्ली

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – III

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड A010914T (वैकल्पिक)	पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी की प्रयोजनीयता (सिनेमा अध्ययन)

परिलब्धियाँ :
इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी सिनेमा के प्रारंभ, विकास, रचना प्रक्रिया और साहित्य से उसके अंतःसंबंध को भलीभांति जान सकेंगे । इसके साथ ही साहित्य का दृश्य माध्यम में रूपांतरण और उसके भूमंडलीकृत स्वरूप को पहचान सकेंगे ।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	सिनेमा का उद्भव और विकास, स्वतंत्रता पूर्व हिंदी सिनेमा, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा, हिंदी सिनेमा पर रंगमंच का प्रभाव, भूमंडलीकरण और हिंदी सिनेमा	15
II	सिनेमा और साहित्य का अंतःसंबंध,सिनेमा में कैमरे की भूमिका,हिंदी सिनेमा में नायक का महत्त्व हिंदी सिनेमा में नायिका के बदलते स्वरूप, सिनेमा और इतिहास, सिनेमा और धर्म, सिनेमा में राष्ट्रप्रेम	15
III	लोकप्रिय सिनेमा की अवधारणा, समांतर सिनेमा, नई सहस्राब्दी का सिनेमा, हिंदी सिनेमा में पटकथा लेखन और गीत-संगीत का महत्त्व	15
IV	टेलीविजन और ओ.टी.टी. का उद्भव और विकास, प्रमुख टेलीविजन कार्यक्रम, प्रमुख ओटीटी कार्यक्रम	15

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास, मनमोहन चड्डा, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

2. नया सिनेमा, बृजेश्वर मदान,

3. भारतीय सिने सिद्धांत, अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्र. नई दिल्ली

4. सिनेमा: कल, आज, कल, विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5. हिंदी सिनेमा के सौ साल, हंस पत्रिका अतिथि सं. संजय सहाय, अक्षर प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली

6. राजकपूर : आधी हकीकत, आधा फसाना, प्रह्लाद अग्रवाल,

7. सिनेमा का जादुई सफर, प्रताप सिंह,

8. बहुरि अकेला, अशोक वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

9. भारतीय टेलीविजन, डॉ.परमवीर सिंह, कल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली

10. ओवर द टॉप, अनंत विजय, प्रभात प्रकाशन, प्रा. लि. दिल्ली

11. सिनेमा और साहित्य : एक मूल्यांकन, आनंद प्रकाशन, कोलकाता

<table>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर – III</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A010915T (वैकल्पिक)</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक :
हिंदी की प्रयोजनीयता
(रंगमंच विज्ञान)</td></tr>
<tr><td colspan="6"><u>परिलब्धियाँ :</u>
इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी रंगमंच के प्रारंभ, विकास, प्रमुख शैलियों और नाटक से उसके अंतःसंबंध को जान सकेंगे। इसके साथ ही भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच के अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="4">विषयवस्तु</td><td>व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)</td></tr>
</table>

I	भारतीय रंगमंच की अवधारणा, उद्भव और विकास, नाटक और रंगमंच का स्वरूप एवं अंतःसंबंध संस्कृत रंगमंच, हिंदी रंगमंच का विकास क्रम, हिंदी रंगमंच की प्रमुख शैलियाँ - शैलीबद्ध, यथार्थवादी, ऐब्सर्ड, लोक शैली	15
II	पाश्चात्य रंगमंच की अवधारणा, उद्भव और विकास, यूनानी रंगमंच, रोमन रंगमंच, स्पेनी रंगमंच, ब्रेख्त का रंगमंच, मास्को आर्ट थिएटर, पारसी रंगमंच	15
III	रंग सज्जा, ध्वनि एवं प्रकाश, संगीत, रंग स्थापत्य, रूप सज्जा एवं वेशभूषा, अभिनय, रंग शिल्प एवं निर्देशन, रंग निर्देशों की उपयोगिता	15
IV	प्रमुख रंगकर्मी, रंग संस्थाएं, रामलीला, नौटंकी, स्वांग, रास, ख्याल रंग पत्रकारिता	15

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. रंगमंच, नेमिचन्द्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

2. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएं, कपिला वात्स्यायन, एनबीटी, नई दिल्ली

3. पारंपरिक नाट्य, जगदीश चंद्र माथुर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

4. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्र., नई दिल्ली

5. हिंदी नाटक उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली

6. हिंदी नाटक, बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली

7. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच, पं.सीताराम चतुर्वेदी, हिंदी समिति, सूचना विभाग, उ. प्र.

8. हिंदी रंगमंच का उद्भव और विकास, विश्वनाथ शर्मा, उषा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

9. रंगकर्म और मीडिया, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्र., नई दिल्ली

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – III

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A010916T (वैकल्पिक)	पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी की प्रयोजनीयता (मीडिया लेखन)

परिलब्धियाँ :

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी मीडिया लेखन के विविध आयामों और प्रविधियों से सुपरिचित हो सकेंगे, जिसके फलस्वरूप मीडिया के क्षेत्र में जाकर आत्मनिर्भरता के साथ देश और समाज की सेवा कर सकेंगे।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	**मीडिया लेखन :** अभिप्राय और क्षेत्र, मीडिया लेखन की विभिन्न विधाएं समाचार लेखन, रेडियो वार्ता लेखन, नाटक लेखन, रेडियो नाटक लेखन, टीवी नाटक लेखन, नाट्य रूपांतरण, डॉक्यूमेंट्री लेखन, फीचर लेखन, फीचर फिल्म लेखन, पटकथा लेखन, विज्ञापन लेखन आदि।	15
II	**संपादन कला -** संपादक का महत्त्व एवं कार्य, समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के विभिन्नस्तंभों की योजना,समाचार संपादन के आधारभूत तत्त्व, संवाददाता की कार्य पद्धति एवं अर्हता,समाचारसंकलन के विविध स्रोत, प्रेस कानून एवं पत्रकारिता संबंधी शब्दावली	15
III	रेडियो लेखन वार्ता, नाटक, नाट्य रूपांतरण, एंकरिंग, समाचार वाचन, उद्घोषणा, भैंटवार्ता और रूपक टेलीविजन एवं फिल्म लेखन डॉक्यूमेंट्री, फीचर, फिल्म तथा धारावाहिक लेखन, स्क्रिप्ट लेखन समाचार वाचन, एंकरिंग, रिपोर्ट लेखन एवं प्रस्तुति तथा साक्षात्कार	15
IV	इंटरनेट लेखन के विविध आयाम,वेब लेखन,अनुवाद, कार्टूनिस्ट, एनिमेशन,	15

	फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी, विज्ञापन लेखन, तकनीशियन, पुस्तक प्रकाशन, प्रूफ रीडिंग	

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. मीडिया लेखन: सिद्धांत और व्यवहार, डॉ चंद्र प्रकाश मिश्र, संजय प्र.दिल्ली

2. रंगकर्म और मीडिया, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्र.,नई दिल्ली

3. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, डॉ मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्र.नई दिल्ली

4. समाचार संपादन, कमल दीक्षित, महेश दर्पण, राजकमल प्र. नई दिल्ली

5. समाचार पत्र प्रबंधन, गुलाब कोठारी, राजकमल प्र.नई दिल्ली

6. मीडिया कालीन हिंदी स्वरूप और संभावनाएं, डॉ. अर्जुन चव्हाण, राज.प्र. नई दिल्ली

7. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी, सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राजकमल प्र.नई दिल्ली

8. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र, रवींद्र शुक्ल, राजकमल प्र.नई दिल्ली

9. भारतीय टेलीविजन, डॉ. परमवीर सिंह,कल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली

10. टेलीविजन और क्राइम रिपोर्टिंग, वर्तिका नंदा, राजकमल प्र., नई दिल्ली

11. इंटरनेट का युग, विनीता सिंघल, इंद्रप्रस्थ प्र. दिल्ली

12. रेडियो वार्ताशिल्प, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम	**एम. ए.** **द्वितीय वर्ष**	**सेमेस्टर – III**
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010917T (वैकल्पिक)	**पाठ्यक्रम शीर्षक :** **भारतीय साहित्यशास्त्र**	
परिलब्धियाँ : इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल साहित्य शास्त्रीय ग्रंथों का अनुशीलन किया जा सकेगा और इसके माध्यम से विभिन्न विधाओं के संरचनात्मक बोध के द्वारा इस क्षेत्र में नवाचार किया जा सकेगा । इसके साथ ही प्रमाता के रसास्वादन में वृद्धि हो सकेगी ।		
क्रेडिट : 04	**पूर्णांक: 25+75**	**उत्तीर्णांक : 40**

इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)**
I	भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास काव्य-स्वरूप, काव्य-लक्षण, काव्य हेतु, काव्य-प्रयोजन	12
II	काव्य-भेद, काव्य-गुण, काव्य-दोष, शब्दशक्ति, काव्यात्मा की अवधारणा	12
III	**रस संप्रदाय :** रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण	12
IV	**अलंकार संप्रदाय :** परंपरा एवं सिद्धांत **रीति संप्रदाय:** परंपरा एवं सिद्धांत	12
V	**ध्वनि संप्रदाय :** परंपरा एवं सिद्धांत **वक्रोक्ति :** परंपरा एवं सिद्धांत **औचित्य :** परंपरा एवं सिद्धांत	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ. तारक नाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत, कृष्णदेव शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
4. भारतीय आलोचनाशास्त्र, डॉ. राजवंश सहाय हीरा, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
5. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश, डॉ. राजवंश सहाय हीरा, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
6. भारतीय काव्यशास्त्र के नए आयाम, डॉ. मनोहर काले,पेनमैन पब्लिशर्स, दिल्ली
7. काव्यशास्त्र, डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन
8. भारतीय काव्यशास्त्र की रूपरेखा, डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह, श्यामा प्र.संस्थान, इलाहाबाद
9. भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्र.वाराणसी

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – III
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010918T (वैकल्पिक)	पाठ्यक्रम शीर्षक : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	
परिलब्धियाँ : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के अनुशीलन से पश्चिम में विकसित हुए साहित्यालोचन के सिद्धांतों और उससे निर्मित आलोचनात्मक उपकरणों की समझ विकसित होगी, जिससे साहित्य की आलोचना के नव्य आयामों का निदर्शन हो सकेगा और सहृदय को साहित्य के सार्वभौमिक सिद्धांतों का संज्ञान हो सकेगा।		
क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का विकासेतिहास **प्लेटो :** काव्य सिद्धांत	12
II	**अरस्तू :** अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत **वर्ड्सवर्थ :** काव्यभाषा सिद्धांत	12
III	**कॉलरिज :** कल्पना और फैन्टेसी **टी. एस. इलियट :** निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की अवधारणा	12
IV	आई.ए.रिचर्ड्स मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत तथा काव्यभाषा सिद्धांत व्यावहारिक आलोचना, रूसी रूपवाद, नई समीक्षा	12
V	मिथक, फंतासी, कल्पना, प्रतीक, बिंब	12

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्र का इतिहास, सुनृत कुमार वाजपेयी, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल मयूर पेपर बैक्स, नई दिल्ली
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, गणपति चंद्र गुप्त, लोकभारती प्र. इलाहाबाद

4. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण प्र.दिल्ली
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्र. इलाहाबाद
6. पाश्चात्य काव्य चिंतन, करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्र. दिल्ली
7. पाश्चात्य समीक्षा के चार सूत्रधार, उदय शंकर श्रीवास्तव, शिल्पायन प्र. दिल्ली
8. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द, बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली, अमरनाथ, राजकमल प्र. दिल्ली

पाठ्यक्रम	**एम. ए.** **द्वितीय वर्ष**	**सेमेस्टर – III**
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A010919T (वैकल्पिक)		**पाठ्यक्रम शीर्षक :** **हिंदी आलोचनाशास्त्र**
परिलब्धियाँ : इस पाठ्यक्रम से भारतीय साहित्यालोचन परंपरा के अनुक्रम में विकसमान हिंदी आलोचना की प्रक्रिया से विद्यार्थी भलीभांति अवगत हो सकेंगे । इसके द्वारा विभिन्न आलोचना दृष्टियों के परिज्ञान के साथ उनकी आलोचना दृष्टि का विकास संभव होगा ।		
क्रेडिट : 04	**पूर्णांक: 25+75**	**उत्तीर्णांक : 40**

इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)**
I	**हिंदी आलोचना: उद्भव और विकास :** हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि एवं विकास, भारतेंदुयुगीन हिंदी आलोचना, द्विवेदी युगीन हिंदी आलोचना, शुक्लयुगीन हिंदी आलोचना, शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना, समकालीन हिंदी आलोचना	15
II	**आलोचना के प्रकार :** स्वच्छंदतावादी आलोचना, मार्क्सवादी प्रगतिवादी आलोचना, मनोवैज्ञानिक आलोचना, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक आलोचना,	15

	तुलनात्मक आलोचना, शास्त्रीय आलोचना, समाजशास्त्रीय आलोचना, शोधपरक आलोचना, कवि आलोचना	
III	**प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना दृष्टियाँ (एक) :** रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी, नगेन्द्र, राम विलास शर्मा, नामवर सिंह, राम स्वरूप चतुर्वेदी,परमानंद श्रीवास्तव, सूर्य प्रसाद दीक्षित, मैनेजर पाण्डेय, रमेश कुंतल मेघ, नंद किशोर नवल, कृष्णदत्त पालीवाल	15
IV	**कवि आलोचक और उनकी आलोचना दृष्टियाँ (दो) :** अज्ञेय, शमशेर बहादुर सिंह, मुक्तिबोध, विजय देव नारायण साही,श्रीकांत वर्मा, रघुवीर सहाय, मलयज, केदार नाथ सिंह, कुँवर नारायण, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, अशोक वाजपेयी	15

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी आलोचना का विकास, डॉ.नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी आलोचना का इतिहास, डॉ. राम दरश मिश्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
3. समकालीन हिंदी आलोचना, परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, दिल्ली
4. हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास, डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून
5. रामचंद्र शुक्ल पूर्व आधुनिक हिंदी आलोचना, मंगला प्रसाद सिंह, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
6. हिंदी आलोचना दृष्टि और प्रवृत्तियाँ, मनोज पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी आलोचना : अतीत और वर्तमान, डॉ.प्रभाकर माचवे, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
8. हिंदी आलोचना इतिहास और सिद्धांत, योगेंद्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन,दिल्ली
9. आलोचना, शिवदान सिंह चौहान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
11. आलोचना का जनपक्ष, चंद्रबली सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. आलोचना का आत्मसंघर्ष, रवि रंजन, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

पाठ्यक्रम (शोध परियोजना)	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – III

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A010920R (वैकल्पिक)	पाठ्यक्रम शीर्षक : भाषा विज्ञान

परिलब्धियाँ :

भाषा विज्ञान एक महत्वपूर्ण विषय है। साहित्य के विद्यार्थी को इसका मूलभूत ज्ञान होना एक तरह से आवश्यक सा है। इसी उद्देश्य से इस पत्र की रचना की गयी है जिससे कि विद्यार्थी को भाषा विज्ञान का ज्ञान अवश्य हो सके। शोध परियोजना द्वारा विद्यार्थी भाषा विज्ञान के क्षेत्र में नया शोध करने में सक्षम हो सकेंगे।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40

निर्देश:

विभाग द्वारा अधोलिखित पाठ्यक्रम के आधार पर विभागीय प्राध्यापक के निर्देशन में विषय आवंटित किया जाएगा, जिस पर छात्र-छात्राओं को शोध की विभिन्न पद्धतियों का उपयोग करते हुए शोध परियोजना कार्य न्यूनतम 8000 शब्दों में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना होगा।

विषयवस्तु

भाषा का अर्थ एवं स्वरूप :

भाषा का अर्थ एवं विकास के सोपान; भाषा की विशेषताएं; भाषा के विविध रूप; भाषा और विभाषा; भाषा की उत्पत्ति के सिद्धान्त; भाषा की परिवर्तनशीलता और परिवर्तन के कारण; भाषाओं का वर्गीकरण।

भाषा विज्ञान :

भाषा विज्ञान : अभिप्राय एवं वैशिष्ट्य, भाषा विज्ञान के अंग तथा प्रयोजन; भाषा-विज्ञान की शाखाएं- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक; भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध; भाषा विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास।

ध्वनि विज्ञान और रूप विज्ञान :

हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण- स्वर और व्यंजन, ध्वनियों के गुण एवं नियम; स्वनिम की व्यावहारिक उपयोगिता तथा विशेषताएं; ध्वनि परिवर्तन के कारण; ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं। रूप-विज्ञान, रूपिम की अवधारणा; रूपिम के प्रकार; शब्द और पद में अन्तर; पद-सम्बन्धी रूप परिवर्तन के कारण।

वाक्य-विज्ञान और अर्थ विज्ञान :

वाक्य-विज्ञान : वाक्य विज्ञान की परिभाषा; वाक्य की आवश्यकताएं; वाक्य के अंग; वाक्यों के प्रकार; वाक्य रचना में परिवर्तन के कारण ।

अर्थ विज्ञान: अर्थ की प्रतीति; शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थबोध के साधन; अर्थ परिवर्तन की दिशाएं; अर्थ परिवर्तन के कारण ।

हिन्दी भाषा एवं लिपि :

हिन्दी भाषा का विकास; हिन्दी की बोलियों का परिचय (पूर्वी एवं पश्चिमी हिन्दी के विशेष संदर्भ में) ।

भारत में लिपियों का विकास; देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय; विशेषताएं; सुधार के प्रयत्न तथा देवनागरी लिपि का मानकीकरण ।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. भाषा विज्ञान की भूमिका; डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना।

2. भाषा विज्ञान; डॉ. भोलानाथ तिवारी; किताब महल, इलाहाबाद ।

3. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र; डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

4. हिन्दी भाषा; डॉ. भोलानाथ तिवारी; किताब महल, इलाहाबाद ।

5. हिन्दी भाषाः उद्भव एवं विकास, डॉ. हरदेव बाहरी ।

6. हिन्दी भाषा का इतिहास; धीरेन्द्र वर्मा हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।

7. आधुनिक भाषा विज्ञान; डॉ. राजमणि शर्मा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

8. हिन्दी भाषा: स्वरूप और विकास; कैलाश चन्द्र भाटिया।

9. भाषा और समाज; रामविलास शर्मा, राजममल प्रकाशन, दिल्ली।

10. हिन्दी भाषा, हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद ।

<table>
<tr><td>पाठ्यक्रम</td><td>एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td>सेमेस्टर – III</td></tr>
<tr><td colspan="3">शोध परियोजना</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम कोड : A010921R (वैकल्पिक)
क्रेडिट - 4</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक :
हिंदी भाषा और नागरी लिपि</td></tr>
<tr><td colspan="3"><u>परिलब्धियाँ :</u>
इस परियोजना कार्य में विद्यार्थी हिंदी भाषा के वैज्ञानिक स्वरूप, इतिहास-विकास, उसके भूगोल और उसकी विभाषाओं-बोलियों का अध्ययन-अनुशीलन करते हुए उसके विभिन्न पक्षों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे । इसके साथ ही हिंदी भाषा की संरचना - वाक्य, पद, शब्द और ध्वनि के सम्यक बोध और नागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं उसके मानकीकरण से परिचित हो सकेंगे । इसके द्वारा हिंदी के वैश्विक विस्तार की संभावनाओं के नए द्वार अनावृत हो सकेंगे ।</td></tr>
<tr><td colspan="3"><u>निर्देश:</u>
विभाग द्वारा संबंधित पाठ्यक्रम के आधार पर विषय को आवंटित किया जाएगा, जिस पर छात्र-छात्राओं को शोधकी विभिन्न पद्धतियों का उपयोग करते हुए शोध कार्य न्यूनतम 8000 शब्दों में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना होगा। हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं पालि, प्राकृतशौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उसकी विशेषताएं, अपभ्रंश, अवहट्ट और पुरानी हिन्दी का संबंध आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण, हिन्दीका भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियां । खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं । हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी । हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था - खंड्य और खंड्येतर । हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना - लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रुप, हिन्दी वाक्य रचना । हिन्दी भाषा -प्रयोग के विविध रूप बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा । संचार माध्यम और हिन्दी, कंप्युटर और हिन्दी । हिन्दी की संवैधानिक स्थिति । देवनागरी लिपि : उद्भव, विशेषताएं और मानकीकरण ।</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td>पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td>सेमेस्टर – III</td></tr>
<tr><td colspan="4">शोध परियोजना</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम कोड : A010922R (वैकल्पिक)
क्रेडिट - 4</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक :
प्रयोजनमूलक हिंदी</td></tr>
<tr><td colspan="4"><u>परिलब्धियाँ :</u>
इस पाठ्यक्रम से भारतीय साहित्यालोचन परंपरा के अनुक्रम में विकसमान हिंदी आलोचना की प्रक्रिया से विद्यार्थी भलीभांति अवगत हो सकेंगे । इसके द्वारा विभिन्न आलोचना दृष्टियों के परिज्ञान के साथ उनकी आलोचना-दृष्टि का विकास संभव होगा ।</td></tr>
<tr><td colspan="4"><u>निर्देश:</u>
विभाग द्वारा अधोलिखित पाठ्यक्रम के आधार पर विभागीय प्राध्यापक के निर्देशन में विषय आवंटित किया जाएगा, जिस पर छात्र-छात्राओं को शोध की विभिन्न पद्धतियों का उपयोग करते हुए शोध परियोजना कार्य न्यूनतम 8000 शब्दों में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना होगा ।

हिंदी की संवैधानिक स्थिति, हिंदी की प्रयोजनीयता, कार्यालयी हिंदी के प्रमुख प्रकार्य, अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली, प्रयोजनमूलक हिंदी और कंप्यूटर, घोषणा, भाषा प्रौद्योगिकी इत्यादि प्रयोजनपरक विषय ।</td></tr>
</table>

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – IV

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A011001T	पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी काव्य (आधुनिक काल से समकालीन तक)

<u>परिलब्धियाँ :</u>

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों द्वारा हिंदी के नए चाल में ढलने के साहित्यिक सौन्दर्य का अनुभावन किया जा सकेगा । इसके अतिरिक्त आधुनिकता की अवधारणा, साहित्य में मनुष्य की केन्द्रीयता और उसके समाजीकरण की प्रक्रिया का ज्ञान संभव होगा । इसके साथ ही बीसवीं सदी की हिंदी कविता के संवेदनात्मक और शिल्पगत प्रयोग तथा स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य को हथियार के रूप मेंकिए गए उपयोग को समझा जा सकेगा तथा विश्व साहित्य-संस्कृति से हुए जुड़ाव आदि का बोध हो सकेगा ।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 10+30

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	**अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध -** प्रियप्रवास, षष्ठ सर्ग,छंद संख्या 26 से 36 तक । **मैथिलीशरण गुप्त -** साकेत - नवम सर्ग से चयनित अंश - वेदने तू भी भली बनी, दोनों ओर प्रेम पलता है, निरख सखी ये खंजन आए, शिशिर न फिर गिरि वन में, मुझे फूल मत मारो, यही आता है इस मन में।	12
II	**जय शंकर प्रसाद -** अरुण यह मधुमय देश हमारा (चंद्रगुप्त नाटक) कामायनी - श्रद्धा सर्ग	12
III	**सूर्यकांत त्रिपाठी निराला –** सरोज स्मृति, राम की शक्ति पूजा **सुमित्रानंदन पंत –** परिवर्तन कविता	12

IV	**महादेवी –** मैं नीर भरी दुख की बदली, द्रुत झरो जगत के जीर्णपत्र **नागार्जुन -** कालिदास, मनुष्य हूँ, शासन की बंदूक, खुरदुरे पैर **अज्ञेय -** असाध्य वीणा	12
V	**भवानी प्रसाद मिश्र -** गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल **मुक्तिबोध -** चकमक की चिनगारियाँ **विश्वनाथ प्रसाद तिवारी** – ईश्वर तुम्हारी मदद चाहता है, कवि की पांडुलिपि **केदारनाथ सिंह** – यह पृथ्वी रहेगी, बनारस	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. आधुनिक परिवेश और नवलेखन शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्र. प्रयागराज
2. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्र. प्रयागराज
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास डॉ. राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्र. प्रयागराज
4. आधुनिक हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, अभिजीत पब्लिकेशन, दिल्ली
5. समकालीन हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. जय शंकर प्रसाद, नन्द दुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद
7. प्रसाद, निराला अज्ञेय, राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य : संवेदना और शिल्प, डॉ. अशोक कुमार शर्मा, ड्रीमबुक पब्लिकेशन, दिल्ली
9. मैथिलीशरण गुप्त, रेवती रमण, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त, सं.ठाकुर प्रसाद सिंह, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
11.अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', डॉ. कन्हैया सिंह, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
12. महादेवी वर्मा सृजन और सरोकार, सं. निरंजन सहाय, अमित कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
13. महादेवी वर्मा, गणपति चंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. नागार्जुन : अनभिजात का क्लासिक, विजय बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. राजनीतिक कविता की अवधारणा और नागार्जुन का कवि कर्म, निशा नाग, अनन्या प्रकाशन, दिल्ली
16. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
17. मुक्तिबोध : एक अवधूत कविता, नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. सुमित्रानंदन पंत, डॉ नगेन्द्र, अनन्या प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – IV

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A011002T	पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी गद्य का इतिहास एवं विधाएं (निबंध एवं अन्य)

<u>परिलब्धियाँ :</u>

कथेतर गद्य के विविध रूपों के अध्ययन से विद्यार्थी अभिव्यक्ति के रचनात्मक स्वरूप से परिचित होते हुए उनके प्रति आलोचनात्मक विवेक अर्जित कर सकेंगे। जिसके परिणामस्वरूप उनमें साहित्य-सृजन की प्रेरणा और क्षमता संभव हो सकेगी और साहित्य की नई विधाओं के रूपाकार ग्रहण करने की संभावना बलवती होगी।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 10+30

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	हिंदी निबंध एवं ललित निबंध का विकास हिंदी रेखाचित्र का विकास हिंदी संस्मरण का विकास हिंदी आत्मकथा का विकास हिंदी व्यंग्य का विकास हिंदी जीवनी का विकास हिंदी यात्रावृत्त का विकास हिंदी सम्पादकीय का विकास हिंदी भाषण का विकास	12
II	**निबंध :** **भारतेंदु -** दिल्ली दरबार दर्पण	12

	प्रताप नारायण मिश्र - शिवमूर्ति **सरदार पूर्णसिंह -** मजदूरी और प्रेम **रामचंद्र शुक्ल -** कविता क्या है	
III	**हजारी प्रसाद द्विवेदी -** नाखून क्यों बढ़ते हैं **विद्या निवास मिश्र -** मेरे राम का मुकुट भीग रहा है **विवेकी राय -** उठ जाग मुसाफिर **कुबेरनाथ राय -** सच बोलना ही कविता है ('पत्र मणि पुतुल के नाम' से) **भाषण :** **नामवर सिंह** – शताब्दी का अवसान और उत्तर–आधुनिकता	12
IV	**रेखाचित्र : महादेवी वर्मा -** ठकुरी बाबा **व्यंग्य: हरिशंकर परसाई -** भोलाराम का जीव **यात्रावृत्त: राहुल सांकृत्यायन -** मेरी तिब्बत यात्रा **रिपोर्ताज: रांगेय राघव -** अदम्य जीवन **सम्पादकीय : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी** – शब्द और कर्म	12
V	**जीवनी : शिवरानी देवी** - प्रेमचंद घर में **संस्मरण : काशीनाथ** - घर का जोगी जोगड़ा **आत्मकथा : तुलसीराम -** मुर्दहिया (जीवनी, संस्मरण और आत्मकथा से व्याख्याएँ नहीं पूछी जाएंगी)	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. हिंदी का गद्य साहित्य, डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
2. हिंदी निबंध और निबंधकार, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी
4. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास, राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्र. इलाहाबाद

5. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ.लाल चंद्र गुप्त मंगल', हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला
6. हिंदी नव जागरण और वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ. विवेक शंकर
7. साहित्य में बाह्य प्रभाव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
8. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. साहित्य क्यों ?, विजय देव नारायण साही, प्रदीपन एकांश,इलाहाबाद
10. आधुनिकता के बारे में तीन अध्याय, धनंजय वर्मा
11. रचना के सरोकार, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्यक्रम	**एम. ए.** **द्वितीय वर्ष**	**सेमेस्टर – IV**
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड A011003T	**पाठ्यक्रम शीर्षक :** **हिंदी काव्य का इतिहास**	
परिलब्धियाँ : इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के निर्माण के घटक अवयवों से सुपरिचित हो सकेंगे । इससे वे लगभग हजार वर्षों के भारतीय समाज, संस्कृति और लोक चेतना के इतिहास-विकास की समझ हासिल कर सकेंगे । विद्यार्थी समय-समय पर बाह्य प्रभाव के फलस्वरूप भारतीय मानस की अभिव्यक्ति और प्रतिक्रिया के अतिरिक्त आधुनिकता के प्रभाव, स्वाधीनता-संग्राम, विविध साहित्यिक आंदोलन, स्वतंत्रता प्राप्ति की परवर्ती स्थितियाँ और आपातकाल के समय के साहित्य तथा भूमंडलीकरण के साहित्यिक प्रतिफलन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।		
क्रेडिट : 04	**पूर्णांक: 25+75**	**उत्तीर्णांक : 10+30**
कुल व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे		
इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)**

I	**आदिकाल :** काल विभाजन, नामकरण, विशेषताएं एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ रासो साहित्य, जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य	12
II	**भक्तिकाल :** भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य । भक्ति काव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार संत । भक्ति काव्य के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार निर्गुण-सगुण कवि और उनका काव्य	12
III	**रीतिकाल :** सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त । रीतिकवियों का आचार्यत्व । रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य । **आधुनिक काल :** आधुनिकता की अवधारणा, हिंदी गद्य का उद्भव और विकास । भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य, 1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका युग, पत्रकारिता का आरंभ और 19 वीं शताब्दी की हिंदी पत्रकारिता का साहित्यिक प्रदेय, हिंदी का शक्ति काव्य (शाक्त परंपरा)	12
IV	**द्विवेदी युग :** महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिंदी नवजागरण और सरस्वती, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि । **छायावाद :**	12

	छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएं, छायावाद के प्रमुख कवि **प्रगतिवाद :** प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि	
V	**प्रयोगवाद :** प्रयोगवाद की अवधारणा, प्रयोगवादी काव्य, प्रवृत्तियाँ और उसके प्रमुख कवि **नई कविता:** नई कविता की अवधारणा, प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि, साठोत्तरी विविध काव्यान्दोलन, आपातकाल - हिंदी काव्य **समकालीन कविता :** समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक): समकालीनता का दर्शन, प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि आधुनिक हिंदी कविता के विकास में साहित्यिक पत्रकारिता की भूमिका	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेन्द्र,मयूर बुक्स, दिल्ली
7. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
8. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्र. दिल्ली
9. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. आधुनिक हिंदी का आदिकाल, श्रीनारायन चतुर्वेदी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
11. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1,2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
12. हिंदी साहित्य का मौखिक इतिहास (चार खण्ड) सं.नीलाभ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. हिंदी साहित्येतिहास की भूमिका (तीन खण्ड) सूर्य प्रसाद दीक्षित, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

पाठ्यक्रम	एम. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर – IV

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड : A011004T (वैकल्पिक)	पाठ्यक्रम शीर्षक : भारतीय साहित्य

<u>परिलब्धियाँ :</u>

भारतीय साहित्य भारतीय सांस्कृतिक ऐक्य को प्रतिबिंबित करता है । विद्यार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन द्वारा राष्ट्र की आंतरिक एकता के अभिज्ञान के साथ उसकी विविधता के सौन्दर्य को जान सकेंगे । इससे जहाँ एक ओर उनमें भारतीय साहित्य और साहित्यकार से तदात्म्य संभव होगा, वहीं उनमें उसके व्यापक अध्ययन की रुचि विकसित होगी, जिसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय एकता और अखंडता तथा सामाजिक समरसता के लक्ष्य को प्राप्त करने और उसे बनाए रखने में मदद मिलेगी ।

क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40

कुल व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	भारतीय संस्कृति, भारतीयता एवं भारतीय साहित्य की अवधारणा भारतीय साहित्य : परंपरा, अध्ययन की समस्याएं बहुभाषिकता और भारतीय साहित्य, बहुसांस्कृतिकता और भारतीय साहित्य भारतीय साहित्य - संस्कृति में ऐक्य तत्त्व भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब	12
II	**कविता :** **कुवेम्पु -** कल्कि (कन्नड) **सीताकांत महापात्र -** धान कटाई, वर्षा की सुबह (उड़िया)	12

	उमाशंकर जोशी - वर दे इतना,छोटा मेरा खेत (गुजराती) **काज़ी नजरुल इस्लाम** - किसका है यह देश, हे पार्थ सारथी, साम्यवाद (बांग्ला) **अशांङबम मीनकेतन सिंह** - आह्वान (मणिपुरी) **पाठ्य पुस्तक:** आधुनिक भारतीय कविता - सं. डॉ. अवधेश नारायण मिश्र, डॉ. नन्द किशोर पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी	
III	**उपन्यास:** **जय सोमनाथ** - कन्हैया लाल मणिक लाल मुंशी (गुजराती) **अथवा** **गोरा -** रवीन्द्र नाथ टैगोर (बांग्ला)	12
IV	**चामर ग्राहिणी -** विश्वनाथ सत्यनारायण (तेलुगु) **लाल चौक का बादशाह -** ओम गोस्वामी (डोगरी) **आईना -** येशे दोरजीथोग्छी (असमिया) **भाई-बहिन -** नूरी शांति (अरुणाचली लोककथा)	12
V	**कथेतर गद्य :** **स्त्री-पुरुष तुलना -** ताराबाई शिंदे (मराठी) **भारत की सांस्कृतिक एकता -** गुलाब राय (हिंदी) **एक अविस्मरणीय यात्रा -** इंदिरा गोस्वामी (असमिया) **सुबह वाली ट्रेन -** जोराम यालम (अरुणाचली)	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. आज का भारतीय साहित्य, प्रभाकर माचवे (अनुवाद), साहित्य अकादमी, दिल्ली

2. भारतीय साहित्य, डॉ राम छबीला त्रिपाठी, राजकमल प्र., नई दिल्ली

3. भारतीय साहित्य, प्रतिभा मुदलियार, अमन प्रकाशन, कानपुर

4. भारतीय साहित्य, मूलचंद्र गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

5. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

6. भारतीय साहित्य की रूपरेखा, डॉ भोलाशंकर व्यास, चौखंभा विद्या भवन, वाराणसी

7. भारतीय साहित्य की अवधारणा, राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

8. भारतीय साहित्य की पहचान, सं.सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

9 भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं, राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

10. हिन्दी साहित्य को हिन्दीतर प्रदेशों की देन, सं.डॉ. मलिक मोहम्मद, कालीकट विश्वविद्यालय

11. दक्षिण भारत में हिंदी, रमेश शर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर

12. हिंदी का भौगोलिक विस्तार,सुनंदा पाल,भाषा प्रकाशन,दिल्ली

13. हिंदी और हम, विद्यानिवास मिश्र, ग्रन्थ अकादमी,दिल्ली

14. हिंदी में हम, अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

15. भारतीय साहित्य कोश, सं.डॉ. नगेन्द्र,

<table>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम</td><td colspan="2">एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td colspan="2">सेमेस्टर – IV</td></tr>
<tr><td colspan="6">विषय : हिन्दी</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम कोड : A011005T (वैकल्पिक)</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम शीर्षक :
प्रवासी हिंदी साहित्य</td></tr>
<tr><td colspan="6"><u>परिलब्धियाँ :</u>
रचना की अद्वितीयता के बावजूद तुलनात्मक अध्ययन ज्ञान और अनुभव के गवाक्ष को खोलने के साथ ही कूपमंडूकता और आत्ममुग्धता से मुक्त करते हैं। उक्त के साथ विद्यार्थियों को तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन से संवेदना की सार्वभौमिक सार्वकालिक समतुल्यता की संप्राप्ति हो सकेगी। विद्यार्थियों को अनुवाद के महत्त्व-बोध और अलग-अलग भाषाओंको सीखने की प्रेरणा प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन से राष्ट्रीय एकता और अंतरराष्ट्रीय सद्भाव को बल मिलेगा।</td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 04</td><td colspan="2">पूर्णांक: 25+75</td><td colspan="2">उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td colspan="6">कुल व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे</td></tr>
</table>

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	प्रवासी : अर्थ एवं क्षेत्र प्रवासी साहित्य : अवधारणा और प्रकार प्रवासी हिंदी साहित्य का इतिहास प्रवासी हिंदी साहित्यकारों का प्रदेय	12
II	**काव्य :** **वह अनजान प्रवासी -** अभिमन्यु अनत **परिंदा याद का;फिजा का रंग (गजलें) -** उषा राजे सक्सेना **आपकी पितृ छाया, माँ: एक याद -** दीपिका जोशी संध्या **कोटि कोटि दीप जले, शिवास्ते पंथानः सन्तु -** अश्विन गांधी **तुम लंदन आना चाहते हो; एक स्वप्न -** निखिल कौशिक **चलो आज हम दीप जलाएं -** सुरेन्द्र नाथ तिवारी	12
III	**उपन्यास :** **ढलते सूरज की रोशनी -** रामदेव धुरंधर (सामयिक बुक्स) **अथवा** **लौटना -** सुषम बेदी (पराग प्रकाशन, नई दिल्ली)	12
IV	**कहानी :** **कोख का किराया -** तेजेंद्र शर्मा **सांकल -** जकिया जुबेरी **गुलमोहर -** जय वर्मा **कौन सी जमीन अपनी -** सुधा ओम ढींगरा **यों ही चलते हुए -** पूर्णिमा बर्मन	12

V	**कथेतर गद्य :** **साक्षात्कार:** सांस्कृतिक आलोक से संवाद – प्रस्तुति : पुष्पिता, भारतीय ज्ञानपीठ, वाणी प्रकाशन **अथवा** **नाटक :** गिरमिटियों की व्यथा - सुभाषिनी लता कुमार	12

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. प्रवासी भारतीय हिंदी साहित्य : सं. विमलेश कान्ति वर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

2. प्रवासी हिंदी साहित्य : दशा और दिशा, प्रो.प्रदीप श्रीधर,तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

3. प्रवासी हिंदी साहित्य : विविध आयाम, डॉ. रमा, साहित्य संचय

4. हिंदी का प्रवासी साहित्य, डॉ. कमल किशोर गोयनका, राज पब्लिकेशन, दिल्ली

5. प्रवासी लेखन : नई जमीन, नया आसमान, अनिल जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

6. प्रवासी भारतीयों में हिंदी की कहानियाँ, डॉ. सुरेन्द्र गंभीर, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

7. प्रवासी श्रम इतिहास, धनंजय सिंह, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज़, दिल्ली

8. प्रवास में, उषा राजे सक्सेना, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

9. प्रवासी साहित्यकार मूल्यांकन, श्रृंखला -1; तेजेंद्र शर्मा, सं.डॉ. रमा, महेंद्र प्रजापति

10 .आधुनिक विश्व साहित्य और सिद्धांत, नामवर सिंह, सं.आशीष त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

11. प्रवासी साहित्य : भाव और विचार, सं. संध्या गर्ग, साहित्य संचय, दिल्ली

12. हिंदी प्रवासी साहित्य (गद्य साहित्य); डॉ. कमल किशोर गोयनका, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

13. प्रवासी की कलम से, बादल सरकार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

14. विश्व पटल पर हिंदी - डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज

पाठ्यक्रम	एम. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर – II
विषय : हिन्दी		
पाठ्यक्रम कोड : A011006T (वैकल्पिक)	पाठ्यक्रम शीर्षक : लोक साहित्य	
क्रेडिट : 04	पूर्णांक: 25+75	उत्तीर्णांक : 40
कुल व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे		

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटो में)
I	• लोक : प्राचीन और आधुनिक अवधारणा • लोकवृत्त : परिभाषा और क्षेत्र • लोकवार्ता के सहयोग शास्त्र : नृविज्ञान, मिथक, पुरातत्त्व और इतिहास, समाजशास्त्र • लोकवार्ता और लोक साहित्य • लोक साहित्य में लोक संस्कृति की अभिव्यक्ति • लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अन्तर और अन्तर्सम्बन्ध • लोक साहित्य का राष्ट्रीय जीवन के पुनर्निर्माण में महत्त्व	12
II	• हिन्दी की जनपदीय बोलियों में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास • लोक साहित्य : परिभाषा, विशेषताएं, लोक साहित्य और लोक मानस • लोक साहित्य का वर्गीकरण : (क) प्रमुख रूप लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोक नाटक (ख) गौण रूप लोकोक्तियाँ, मुहावरें, पहेलियाँ	12
III	• लोकगीत : परिभाषा और लक्षण, लोकगीतों का काव्य सौन्दर्य, रस, अलंकार, बिम्ब, भाषा, प्रतीक, छन्द और लय • लोकगीतों का वर्गीकरण - लोकगीतों के विभिन्न रूपों का परिचय	12

	• लोकगाथा : परिभाषा और लक्षण, लोकगाथा और लोकगीतों में अंतर, लोक गाथाओं की उत्पत्ति के सिद्धांत, प्रमुख लोकगाथाओं का परिचय - लोरिकायन, चन्दायन, आल्हा	
IV	• लोक कथा : परिभाषा और लक्षण, लोक कथाओं का वर्गीकरण, लोक कथाओं से सम्बद्ध पारिभाषिक शब्दावली, कथाभिप्राय, कथामानक रूप, मिथक, परीकथाएँ, अवदान, पशु-पक्षी कथाएं • लोक नाटक परिभाषा और लक्षण, लोकनाटक और शिष्ट नाटक, हिन्दी की जनपदीय बोलियों के प्रमुख लोकनाटकों का संक्षिप्त परिचय • लोकोक्ति, मुहावरे, पहेलियां परिभाषा, विशेषताएँ, महत्त्व, वर्गीकरण	12
V	**निर्धारित पाठ / रचनाएँ** **अवधी** क. बिटउनी - बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' ख. राम मडैया - बंशीधर शुक्ल ग. धरती के धिया - विश्वनाथ सिंह 'विकल गोंडवी' घ. धरती हमार - चन्द्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका' **भोजपुरी** क. नाव मंत्री के, अब रहींला हम - बेढब 'बनारसी' ख. काँची अमिया न तुरिह - विद्यानिवास मिश्र ग. कवने खोतवा में लुकइलू - भोलानाथ 'गहमरी' घ. गीत गावे अंगना – विश्वरंजन **ब्रज** क. रूप सुधा - जगदीश गुप्त ख. तीन मुक्तक – गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' ग. श्याम छवि - करुणा शंकर शुक्ल 'करुणेश' घ. रसवन्त कवित्तन की रितु आई - बैजनाथ गुप्त 'बृजेन्द्र' **छत्तीसगढ़ी** क. अमरइया में - भगवती सेन	12

	ख. ढरका दिन बादर के दुहना - रमेश अहीर **कुमाऊँनी** क. कुन्थी - देवकी मेहरा ख. उकाव हुलार - रमेश चन्द्र शाह **कहानियाँ** क. बड़की माई - जयसिंह 'व्यथित' ख. असली मंशा – सुरेश प्रकाश शुक्ल ग. लड्डू गोपाल - विद्या बिन्दु सिंह **भोजपुरी** क. डुगडुगी - रामदेव शुक्ल ख. पल्ला - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ग. मुट्टन काका के एक्का के सवारी - रामेश्वरनाथ तिवारी **लोकगीत** अवधी - कजरी, सोहर, फाग, सुहाग, भाँवर । भोजपुरी - सोहर, अलचारी, विवाह गीत, चैता ।	

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. शारलॉत सोफिया बर्न : दि हैंडबुक ऑफ फोकलोर
2. कृष्णदेव उपाध्याय : लोक साहित्य की भूमिका
3. सत्यव्रत सिन्हा : भोजपुरी गाथा
4. रामनरेश त्रिपाठी : कविता कौमुदी : ग्राम्य गीत
5. इन्दुप्रकाश पांडे : अवधी लोकगीत और परम्परा
6. सत्येन्द्र : ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन
7. ग्रियर्सन नवा : भाषा सर्वेक्षण
8. रामइकबाल सिंह 'राकेश : मैथिली लोकगीत
9. सत्येन्द्र : लोक साहित्य विज्ञान
10. सूर्यकरण पारिख : राजस्थानी लोकगीत

11. धीरेन्द्र वर्मा : मध्यदेश

12. त्रिलोचन पांडे : कुमाऊँनी लोक साहित्य

13. शंकरलाल यादव : हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य

14. सत्या गुप्ता : खड़ीबोली का लोक साहित्य

15. हरदेव बाहरी : ग्रामीण हिन्दी बोलियाँ

16. श्याम परमार : मालवी लोक साहित्य

17. मेहनलाल बाऊलकर : गढ़वाली लोक साहित्य

18. श्रीधर शास्त्री : भोजपुरी लोक साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन

19. श्याम परमार : भारतीय लोक साहित्य

20. इन्द्रदेव सिंह : लोक साहित्य

21. दिनेश्वर प्रसाद : लोक साहित्य और संस्कृति

22. त्रिलोचन पांडे : लोक साहित्य का अध्ययन

23. विद्यानिवास मिश्र : चंदन चौक

<table>
<tr><td>पाठ्यक्रम</td><td>एम. ए.
द्वितीय वर्ष</td><td>सेमेस्टर – III</td></tr>
<tr><td colspan="3">विषय – हिंदी</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम कोड : A011007R</td><td>पाठ्यक्रम शीर्षक :
लघु शोध प्रबंध</td></tr>
<tr><td colspan="3"><u>परिलब्धियाँ :</u>
इसके अंतर्गत विद्यार्थी हिंदी अनुसंधान के विविध पक्षों, प्रक्रियाओं एवं प्रविधियों से अवगत हो सकेंगे । हिंदी साहित्य के विविध कालखंडों में सृजित रचनाओं-रचनाकारों एवं साहित्य से जुड़े हुए अन्य शास्त्रीय वैज्ञानिक पक्षों और अंतरानुशासनिक अध्ययनों इत्यादि में अनुसंधेय क्षेत्रों की पहचान कर विद्यार्थी शोधार्थी की भूमिका को समझ सकेंगे और क्रियात्मक शोध के क्षेत्र में नवाचार के साथ योगदान दे सकेंगे।</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट : 4</td><td>पूर्णांक : 25 + 75</td><td>उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td colspan="3"><u>निर्देश:</u>
हिंदी विभाग द्वारा किसी अनुसंधेय विषय को आवंटित किया जाएगा, जिस पर छात्र-छात्राओं को विभिन्न आलोचना प्रणालियों, अध्ययन एवं अनुसंधान पद्धतियों के संयोजन से न्यूनतम 30000 शब्दों में लघु शोध प्रबंध (दो प्रतियों में) मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा।</td></tr>
</table>